पेटीएम हुआ स्वदेशी चीनी स्वामित्व खत्म - 12

सरकार का एसआईआर पर चर्चा से इनकार- 12

इजराइल गाजा में हमले और तेज करने की तैयारी में संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी - 13

गिल आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित- 14

आज का मौसम

30.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.36 सूर्यास्त 06.59

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 02:28 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 7 अगस्त 2025, वर्ष 5, अंक 167, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

उत्तरकाशी में दो और शव बरामद, 153 लोग रेस्क्यू

बचाव कार्य में सरकार ने झोंकी ताकत, सेना के 11 जवान भी मिले

● ग्राउंड जीरो पर पहुंचे मुख्यमंत्री धामी, पीड़ितों को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली गांव में प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच राज्य और केंद्र सरकार ने राहत, बचाव एवं सर्च ऑपरेशन में पूरी ताकत झोंक दी है। बुधवार को दो लोगों के शव बरामद किए गए जबकि 153 लोगों के साथ ही लापता सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल समेत 10 जवानों को रेस्क्यू कर लिया गया। इनमें दो जवानों को हेलीकॉप्टर से हायर सेंटर जबकि दो अन्य को सड़क मार्ग से एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। लापता लोगों की तलाश युद्ध स्तर पर जारी है, जिनमें केरल से 28 पर्यटकों का एक समूह भी है।

खराब मौसम के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को धराली में ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया और राहत कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे कर्मियों से भी भेंट की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री समयबद्ध तरीके से प्रभावितों तक पहुंचे। कहा कि राहत कार्यों को गति देने के उद्देश्य से दो हेलीकॉप्टरों के माध्यम से खाद्य और राहत सामग्री धराली क्षेत्र में पहुंचाई गई है। राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक राहत पहुंचाते हुए, सामान्य स्थिति बहाल करना है।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के बाद खोज और बचाव अभियान में जुटे सेना के जवान।

धराली में आपदा पीड़ितों से मुलाकात करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बुधवार सुबह मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर धराली क्षेत्र में हुई प्राकृतिक आपदा और इसके बाद चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों का अपडेट लिया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटी हुई है। लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण कुछ क्षेत्रों में कठिनाइयां आ रही हैं, लेकिन सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं ताकि प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता मिल सके। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

बारिश-भूस्खलन : दो सगी बहनों की मौत, नेपाल के 5 लोग लापता

● हरिद्वार में क्षतिग्रस्त रेलमार्ग को 20 घंटे बाद दुरुस्त किया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : पौड़ी गढ़वाल में भी भारी बारिश ने कहर बरपाया है। पौड़ी के पाबौ ब्लॉक के दूरस्थ गांव बुरांसी में भारी बारिश के बीच बुधवार सुबह भूस्खलन से एक मकान जमींदोज हो गया, जिससे उसमें सो रहीं दो सगी बहनों आशा देवी (55) और विमला देवी (58) की मौत हो गई। वहीं, डीएम पौड़ी स्वाति भदौरिया ने बताया कि थलीसैंण ब्लॉक के बांकुड़ा गांव में सुबह करीब 7 बजे भारी बारिश के दौरान आया भारी मलबा नदी किनारे की झोपड़ियां बहा ले गया। इनमें नेपाली मूल के पांच लोग लापता हो गए। जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य नरेन्द्र बहादुर, पत्नी संध्या तथा डेढ़ साल के पुत्र रोमन हैं जबकि दो अन्य अमृता परिहार और विमल हैं। उधर, हरिद्वार में क्षतिग्रस्त रेल मार्ग को 20 घंटे बाद दुरुस्त कर दिया गया।

तराई में बाढ़, कई इलाके जलमग्न : बाजपुर, रुद्रपुर और काशीपुर के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। काशीपुर से गुजरने वाली बहल्ला नदी में जलस्तर बढ़ने से हेमपुर-ईस्माइल के हिम्मतपुर गांव में करीब सौ परिवारों के छह सौ लोग बाढ़ के पानी में फंस गए। लोगों को छतों पर जाकर जान बचानी पड़ी। रुद्रपुर में कल्याणी नदी उफनाने से जगतपुरा, पहाडगंज, रविंद्रनगर, दूधियानगर, रंपुरा बस्ती जलमग्न हो गई। रंपुरा बस्ती निवासी सूरज (17) बह गया, जिसे एसडीआरएफ तलाश रही है। बाजपुर में लेवड़ा, गड़प्पू, गड़री नदियां उफान पर हैं। लेवड़ा नदी का तटबंध टूटने से मेहता कॉलोनी जलमग्न हो गई। नैनीताल स्टेट हाईवे का एक किमी दायरा नदी में तब्दील रहने से आवागमन बंद हो गया। एनडीआरफ की टीम ने कई लोगों को रेस्क्यू किया।

रुद्रपुर की रंपुरा बस्ती से लापता सूरज को सर्च करते एसडीआरएफ के जवान।

कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग बंद

पिथौरागढ़। गंगोलीहाट के खिरमांडेय क्षेत्र में मंगलवार देर रात बादल फटने से कई मकान मलबे की जद में आए हैं। हालांकि कोई जनहानि नहीं है। वहीं, भूस्खलन होने से धारचूला-लिपुलेख मार्ग कई जगह अवरुद्ध होने से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर ब्रेक लग गया। सभी यात्री केएमवीएन के धारचूला स्थित पर्यटक आवास गृह में ठहराए गए हैं।

ब्रीफ न्यूज

मुठभेड़ में 15 लाख का इनामी माओवादी ढेर

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में माओवादियों से अलग हुए संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया का एक सदस्य मारा गया। उस पर 15 लाख रुपये का इनाम था। मृतक की पहचान मार्टिन केरकेट्टा के रूप में हुई है। वह इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख एवं एरिया कमांडर था और झारखंड के सात जिलों के कई पुलिस थानों में दर्ज 72 मामलों में वांछित था।

एनटीपीसी में हादसा तीन श्रमिकों की मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सीपत स्थित राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) संयंत्र में बुधवार को एक भीषण औद्योगिक हादसे में तीन श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा दोपहर करीब 12 बजे के आसपास हुआ, जब संयंत्र परिसर के भीतर मरम्मत कार्य के दौरान एक भारी मशीनरी असंतुलित होकर गिर गई। मृतक श्रमिकों की पहचान स्थानीय ठेका कंपनी के कर्मचारियों के रूप में हुई है।

ऑक्सीजन फैक्ट्री में विस्फोट, दो की मौत

मोहाली। पंजाब में मोहाली के फेज-9 इंडस्ट्रियल एरिया में एक ऑक्सीजन उत्पादन इकाई में मंगलवार सुबह हुए सिलेंडर धमाके में दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। धमाके से आसपास के घर हिल गए और फैक्ट्री की छत को भारी नुकसान पहुंचा। सिलेंडर के धातु के टुकड़े करीब एक किलोमीटर दूर तक बिखर गए। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान कंबाला गांव के 25 वर्षीय आसिफ खान और देवेंद्र कुमार के रूप में हुई है।

अंदर देखें ... कैम्पस

आरबीआई ने 5.5 % पर कायम रखा रेपो रेट

● अमेरिकी शुल्क पर अनिश्चितता के बीच आरबीआई का निर्णय

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिकी शुल्क को लेकर अनिश्चितता के बीच बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया। नीति निर्माता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों से उत्पन्न जोखिमों और उच्च शुल्क की आशंका से जुड़ी अनिश्चितताओं का फिलहाल आकलन कर रहे हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाले छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर यथावत रखने का निर्णय किया। इसके साथ ही आरबीआई ने मौद्रिक नीति रुख को भी तटस्थ बनाए रखा है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि अच्छी मानसूनी बारिश और आने वाले त्योहारों से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है, लेकिन वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।

हालांकि, उन्होंने अमेरिकी शुल्क के बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। ट्रंप ने सात अगस्त से अमेरिका में प्रवेश करने वाले सभी भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल आयात को लेकर 'जुर्माना' लगाने की घोषणा की है। मल्होत्रा ने कहा कि मध्यम अवधि में भी, बदलती विश्व व्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी अंतर्निहित ताकत, मजबूत बुनियादी ढांचे और अन्य मोर्चों पर संतोषजनक स्थिति के दम पर उज्ज्वल संभावनाओं से भरी हुई है। हम नीति निर्माण के बहुआयामी लेकिन सुसंगत दृष्टिकोण के माध्यम से अनुकूल परिस्थितियां बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

इससे पहले, केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से जून तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 3.1 प्रतिशत कर दिया है जबकि जून में इसके 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था।

ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर लगाया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क

भारत पर लगाया गया कुल अमेरिकी शुल्क 50 % हुआ

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले ही दी थी शुल्क थोपने की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद जारी रखने पर बुधवार को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके साथ ही भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगने वाला शुल्क अब बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह ही 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने ने इस शुल्क के लागू होने से चंद घंटे पहले अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। इस आदेश के बाद कुछ छूट प्राप्त वस्तुओं को छोड़कर, भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा। प्रारंभिक शुल्क सात अगस्त से प्रभावी होगा जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिन बाद लागू होगा। ट्रंप ने मंगलवार को चेतावनी देते हुए कहा था कि वह रूस से तेल एवं गैस खरीदने के लिए भारत पर 24 घंटे में भारी शुल्क की घोषणा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस इस तेल बिक्री से हासिल राशि का इस्तेमाल कर रहा है जबकि भारत सस्ता तेल पाने के लिए इस पहलू पर ध्यान नहीं दे रहा है।

भारत ने जताया था कड़ा विरोध

कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल हेंडल ट्रुथ पर लिखा था कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत उसकी युद्ध मशीनरी को ईंधन दे रहा है। रूस उक्त धनराशि का इस्तेमाल रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध में कर रहा है, मैं इससे खुश नहीं हूं। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिका पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि अमेरिका रूस से अभी भी यूरेनियम और पैलेडियम खरीद रहा है।

भारत ने कहा-अन्यायपूर्ण, गैरजरूरी फैसला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर पूर्व में लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा और 25 प्रतिशत और शुल्क लगाने की घोषणा पर भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति का यह निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण, अन्यायपूर्ण, गैरजरूरी और सर्वथा अनुचित है। कहा कि रूस से हमारा तेल आयात बाजार की जरूरतों पर आधारित है। इस फैसले के बाद सरकार देशहित में जरूरी कदम उठाएगी।

एससीओ समिट में शामिल होने चीन जाएंगे मोदी

● गलवान झड़प के बाद प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सात वर्षों के अंतराल के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस महीने के अंत में चीन की यात्रा कर सकते हैं। सूत्रों ने बुधवार बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त के आसपास जापान की यात्रा पर जाएंगे और यात्रा के समापन के बाद, वह 31 अगस्त से एक सितंबर तक आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन के उत्तरी शहर तियानजिन जाएंगे।

मोदी की चीन यात्रा की योजना दोनों पक्षों द्वारा अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयासों के बीच बनाई जा रही है। जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच घातक झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया था। मोदी की जापान और चीन की यात्रा की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह यात्रा 29 अगस्त से एक सितंबर तक होने की संभावना है।

मोदी ने आखिरी बार जून 2018 में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा किया था। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अक्टूबर 2019 में दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे। हालांकि, पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध के कारण दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे।

पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ और उसी वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई झड़पों के परिणामस्वरूप संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया। पिछले साल 21 अक्टूबर को हुए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया। पिछले कुछ महीनों में, दोनों पक्षों ने सीमा संबंधी मुद्दे और अन्य संवाद तंत्रों पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता को बहाल किया है।

यूपी में दिव्यांगजनों का भरण-पोषण भत्ता दोगुना

● पहले मिलते थे 2000 अब मिलेंगे प्रतिमाह 4000 रुपये

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए एक बड़ा निर्णय लिया है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों, संस्थाओं में निवासरत दिव्यांग संवासियों के भरण-पोषण भत्ते की राशि को 2000 प्रतिमाह से बढ़ाकर 4000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। यह निर्णय बुधवार से प्रभावी हो गया है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि भरण-पोषण भत्ते में की गई यह बढ़ोतरी दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए बड़ी राहत है। प्रमुख सचिव सुभाष चंद्र शर्मा द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार, पूर्व में 25 अप्रैल 2016 को जारी शासनादेश को संशोधित करते हुए यह निर्णय लिया गया है।

यूपी बोर्ड : इंटर और हाईस्कूल कम्पार्टमेंट परीक्षा के नतीजे घोषित

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट कम्पार्टमेन्ट परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हाईस्कूल में 15985 छात्र तथा 4783 छात्राएं थीं, जिसमें कुल 20768 पंजीकृत थे। 14685 छात्र तथा 4460 छात्राएं को मिलाकर कुल 19145 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। सचिव ने बताया कि इंटर कम्पार्टमेन्ट परीक्षा में 12495 छात्र तथा 13128 छात्राओं सहित कुल 25623 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 10899 छात्र तथा 11641 छात्राओं सहित कुल 22540 उत्तीर्ण घोषित हुए। छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 91.08 तथा छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 91.43 है।

संघ प्रमुख बोले

हिंदू धर्म सार्वभौमिक, विविधता को स्वीकार करने की देता है शिक्षा

संघर्षरत विश्व को हिंदू धर्म की आवश्यकता : भागवत

● नागपुर में किया धर्म जागरण न्यास के नए भवन का लोकार्पण

नागपुर (महाराष्ट्र), एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आज के संघर्षग्रस्त विश्व को हिंदू धर्म की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक सार्वभौमिक धर्म है, जो विविधता को स्वीकार करने की शिक्षा देता है।

भागवत ने यहां धर्म जागरण न्यास के नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व को इसी 'धर्म' की आवश्यकता है। विश्व अपनी विविधताओं को स्वीकार करते हुए जीना नहीं जानता, इसीलिए इतने संघर्ष हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीयों के लिए 'धर्म' एक परम सत्य है। उन्होंने कहा कि यह धर्म एकता और सभी विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है। हम सभी विविधताओं को स्वीकार करते हैं। हम इसलिए अलग नहीं हैं, क्योंकि हम विविध हैं, यह धर्म यही हमें सिखाता है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यह एक सार्वभौमिक धर्म है, लेकिन चूंकि हिंदुओं ने इसे सबसे पहले खोजा था, इसलिए इसे हिंदू धर्म कहा जाने लगा। उन्होंने कहा कि अन्यथा, हिंदू धर्म प्रकृति का धर्म है, एक सार्वभौमिक पंथ है, मानवता का धर्म है। प्रत्येक हृदय को इस धर्म से जागृत होना चाहिए।

धर्म का कर्तव्य केवल ईश्वर के प्रति ही नहीं

भागवत ने कहा कि धर्म का कर्तव्य केवल ईश्वर के प्रति ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति भी होता है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास बताता है कि धर्म के लिए अनेक बलिदान दिए गए। उन्होंने कहा कि धर्म के लिए ढेरों सिर काटे गए, लेकिन किसी ने धर्म नहीं छोड़ा। आप सभी ने छावा फिल्म देखी होगी। यह सब (बलिदान) हमारे लोगों ने किया। वे हमारे लिए एक मिसाल हैं। हिंदी फिल्म छावा मराठा राजा छत्रपति संभाजी के जीवन पर आधारित है, जिन्हें 1689 में मुगल सम्राट औरंगजेब ने कड़ी यातनाएं दीं और अंत में उन्हें मौत के घाट उतार दिया था।

दूसरों को बदलने की जबरन कोशिश न हो

भागवत ने कहा कि इस तरह के बलिदान आम लोगों द्वारा भी किए गए थे, क्योंकि उनका मानना था कि हमारा धर्म सत्य पर आधारित है और दुनिया का अंतिम सत्य यह है कि भले ही हम सामान्य जीवन में अलग-अलग दिखते हों, लेकिन हम सभी एक हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म यह भी सिखाता है कि विभिन्न धर्मों के मार्ग एक ही मंजिल तक ले जाते हैं, इसलिए किसी को भी दूसरों के तौर-तरीकों को जबरन बदलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

ग्राउंड जीरो पर पहुंचे मुख्यमंत्री से लिपटकर रोये आपदा पीड़ित

सीएम धामी ने कहा-आपदा प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मौसम की चुनौतियों के बावजूद आपदा ग्रस्त क्षेत्र धराली और हर्षिल का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री सबसे पहले हेलीकॉप्टर से ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित लोगों का हाल जाना।

मुख्यमंत्री के पहुंचते ही प्रभावितों का दर्द और आंसू छलक उठे। कई लोग मुख्यमंत्री से लिपटकर रोने लगे और आश्वासन दिया कि वे इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं और राज्य सरकार के स्तर पर राहत व बचाव कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। कहा कि, इस मुश्किल घड़ी में पूरी राज्य सरकार धराली के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। सभी महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों को रात-दिन अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। हर एक व्यक्ति की जान कीमती है।

धराली-हर्षिल में बचाव कार्यों की उत्तरकाशी कंट्रोल रूम में समीक्षा करते सीएम धामी।

राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की

उत्तरकाशी : मुख्यमंत्री ने जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र उत्तरकाशी से राहत और बचाव कार्यों की बुधवार सुबह समीक्षा करते हुए रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। केंद्र से उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में उपस्थित शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राहत और बचाव कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, मुख्यमंत्री ने देर शाम भी धराली-हर्षिल में गतिमान राहत एवं बचाव कार्यों की स्मार्ट कंट्रोल रूम उत्तरकाशी में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान अन्य जनपदों के जिलाधिकारी एवं शासन के उच्च अधिकारी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

चिनूक पहुंचा जौलीग्रांट हेलीकॉप्टर भी तैयार

देहरादून : प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार के स्तर पर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। वे लगातार मुख्यमंत्री से रेस्क्यू अभियान की अपडेट ले रहे हैं। भारत सरकार द्वारा त्वरित गति से वायु सहायता उपलब्ध कराई गई है। 2 चिनूक हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट पहुंच चुके हैं। इसमें एनडीआरएफ के 50 जवानों तथा उनके उपकरणों को ग्राउंड जीरो के लिए भेजे जाने की कार्यवाही की जा रही है। एक एमआई 17 खराब मौसम के कारण जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पाया और उसे वापस सरसावा बेस लौटना पड़ा। मौसम साफ होते ही एमआई 17 के पुन: लैंडिंग के प्रयास किए जाएंगे। वहीं 115 स्पेशल फोर्सेज के साथ सेना के 05 एएन-32 हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट पहुंच चुके हैं।

रेस्क्यू टीमें भी पहुंचीं धराली

उत्तरकाशी : इस पूरे रेस्क्यू अभियान में यूकाडा के हेलीकॉप्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मौसम की चुनौतियों के बीच बुधवार को यूकाडा के हेलीकॉप्टरों की कुल 7 सार्टी हुईं। इनमें से पहली में मुख्यमंत्री धामी, दूसरी के जरिये डीएम व एसपी उत्तरकाशी तो अन्य में जिला प्रशासन की टीम, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के 22 लोग ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। एनडीआरएफ के 28 जवान भी 2 सेटेलाइट फोन के साथ यूकाडा के हेलीकॉप्टरों के जरिये धराली पहुंच चुके हैं। वहीं, यूकाडा के हेलीकॉप्टरों ने ही सेना के ले. कर्नल समेत 10 जवानों को धराली से रेस्क्यू किया।

उत्तरकाशी जिले के हर्षिल के पास बादल फटने से आई बाढ़ के बाद सड़क से मलबा हटाने के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

धराली से 190 लोगों को बचाया : धामी

उत्तरकाशी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि उत्तरकाशी के धराली गांव से 190 लोगों को बचा लिया गया है, जो खीर गंगा नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में जल आपदा से आई अचानक बाढ़ की चपेट में आ गया था। कहा कि नेलोंग घाटी के रास्ते गंगोत्री धाम में फंसे तीर्थयात्रियों को निकालने की योजना बनाई जा रही है। सभी तैयारियां कर ली गई हैं और उन्हें बहुत जल्द निकाल लिया जाएगा। धामी ने कहा कि मैं भी यहीं डेरा डाले हुए हूं। जब तक सभी बचाव कार्य सुचारू रूप से नहीं हो जाते, मैं यहीं रहूंगा और हर चीज़ पर नज़र रखूंगा। सरकार का प्रयास प्राकृतिक आपदा से प्रभावित धराली गांव को व्यवस्थित करना होगा। गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक मदद पहुंचाई जाएगी।

खराब मौसम बन रहा बाधा

उत्तरकाशी : आपदा के दूसरे दिन बुधवार को खराब मौसम के कारण राहत कार्य ठीक से शुरू नहीं हो पाए हैं। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के अनुसार, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद धराली में मौजूद बचाव दलों ने राहत और बचाव कार्य मंगलवार को ही प्रारंभ कर दिए थे। खराब मौसम के कारण राहत और बचाव कार्यों में बचाव दलों तथा उपकरणों को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम की चुनौतियों के बीच बुधवार को यूकाडा के हेलीकॉप्टरों की कुल सात उड़ानें हुईं। मौसम साफ होते ही हेलीकॉप्टर सेवाओं द्वारा बचाव दलों के साथ ही मलबा हटाने के लिए भारी मशीनरी को भेजा जाएगा। भटवाड़ी में बंद सड़क खोलने का काम तेजी से चल रहा है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

कुमाऊं में 71 सड़कें बंद, 45 लोगों को बचाया गया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल में अतिवृष्टि के चलते बुधवार को आठ मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 71 सड़कें बाधित हुई हैं। 45 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री के सचिव और आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत ने दी। वह हल्द्वानी में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों से बातचीत कर क्षेत्रीय हालात की समीक्षा भी की गई। उन्होंने बताया कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पूरे मंडल में कुल 71 सड़कें बंद थीं, जिनमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, ग्रामीण और जिला सड़कें शामिल हैं। नैनीताल जिले में तीन राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवागमन बंद था। क्वारब और अल्मोड़ा मार्गों पर लगातार पत्थर गिरने की वजह से रास्ते अब भी बंद हैं, जबकि टनकपुर-चंपावत राष्ट्रीय राजमार्ग को खोल दिया गया है। बागेश्वर जिले में कपकोट से नाचनी की ओर जाने वाला राजमार्ग भी अपने अंतिम हिस्से में बाधित है। इन सभी मार्गों पर मलबा हटाने और रास्ते बहाल करने का कार्य तेजी से चल रहा है। पिथौरागढ़ जिले के क्वीटी के पास एक गांव में आठ मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है, लेकिन प्रशासन द्वारा समय रहते सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रभावित परिवारों को राहत राशि भी तत्काल वितरित कर दी गई है। इसी प्रकार कैलाश मानसरोवर यात्रा का चौथा दल जो कल टनकपुर से रवाना होकर धारचूला पहुंचा था, वर्तमान में वहीं सुरक्षित रूप से ठहरा हुआ है। धारचूला-लिपुलेख मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण रास्ता बंद है। जैसे ही मार्ग को सुरक्षित रूप से खोला जा सकेगा, यात्रा को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रशासन का प्रयास है कि दल आज ही गूंजी तक पहुंच सके। मैदानी क्षेत्रों में भी प्रशासन सतर्कता बरत रहा है। बाजपुर के कुछ कस्बों में सुबह जलभराव की स्थिति बनी थी, जिसे सिंचाई विभाग और स्थानीय प्रशासन की तत्परता से शीघ्र नियंत्रित कर लिया गया। संवेदनशील इलाकों, विशेषकर नालों और तलहटी के पास बसे क्षेत्रों में विशेष निगरानी की जा रही है। हल्द्वानी में नालों के पास रहने वाले परिवारों को कल सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। आयुक्त ने बताया कि कुमाऊं की प्रमुख नदियों का जलस्तर सामान्य से अधिक है। हालांकि अभी खतरे के निशान को पार नहीं किया है। धारी और ओखलकांडा क्षेत्रों में बारिश होने का सीधा असर सितारगंज और खटीमा क्षेत्रों पर होता है। संबंधित उपजिलाधिकारियों और सिंचाई विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। जिन क्षेत्रों में जलभराव या बाढ़ की आशंका रहती है, वहां वैकल्पिक भवनों को राहत केंद्र के रूप में पहले से ही चिन्हित कर लिया गया है। दूसरी ओर राज्य आपदा प्रबंधन बल (एसडीआरएफ) से प्राप्त जानकारी के अनुसार कल्याणी नदी का जलस्तर बढ़ने से ऊधमसिंह नगर के रुद्रपुर के जगतपुरा, मुखर्जी नगर एवं आजाद नगर में जलभराव और बाढ़ के हालात हो गए। जिससे कई लोग घरों में फंसे गए। निरीक्षक अर्जुन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और लगभग 45 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

पिथौरागढ़ के गस्कु स्लाइड क्षेत्र में मार्ग बहाल कर दिया गया लेकिन यहां लगातार पत्थर गिरने की स्थिति बनी हुई है।

चमोली जिले के रैनी गांव के पास भारी बारिश के बाद क्षतिग्रस्त सड़क।

सचेत करने वाली है धराली की आपदा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तरकाशी के धराली में हुई अतिवृष्टि ने हिलाकर रख दिया है। विभागीय इकाइयां भी बहुत कुछ सोचने को मजबूर हो चली हैं। उत्तराखंड पर्यटन प्रदेश होने के नाते बादल फटने व ग्लेशियरों के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर होगी।

जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बुधवार को कहा कि धराली में आई आपदा चेताने वाली है। इस घटना ने पर्यावरण के प्रति सजग रहने को मजबूर कर दिया है। वर्तमान में बादल फटने की घटनाएं आम हो चली हैं। ग्लेशियर पिघलने के साथ ही ऊंची चोटियों में झीलें बनने लगी हैं, जो भयानक रूप धारण कर आपदा का कारण बन रही हैं। पहाड़ों में तेजी के साथ नए पर्यटन स्थलों का विकास हो रहा है। जहां होटलों के साथ पर्यटन गतिविधियां बढ़ रही हैं। होटल अथवा होम स्टे के निर्माण में सुरक्षा को लेकर कई तरह की अनापत्ति प्रमाण मांगे जाते हैं, लेकिन अब बादल फटने जैसी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कवायद जरूरी हो चली है, जो वैज्ञानिक दृष्टि से बेहद जरूरी है। ग्लेशियर पिघलने वाले स्थानों के नजदीकी पर्यटन स्थलों की निगरानी को गंभीरता से समझना होगा और सावधानियां बरतनी होगी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तथ्यों को समझते हुए बादल फटने वाले पर्वतीय क्षेत्रों को चिन्हित करना होगा। पर्यावरण के साथ वैज्ञानिक आधार को कतई नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। अतीत में विकास का आधार हमारी जरूरतों पर आधारित होता था जिसके चलते पर्यटन की दिशा में बहुत तेजी के साथ विकास हुआ है। मगर अब परिस्थितियां बदलने लगी हैं जिस कारण सुरक्षा बेहद जरूरी हो चली है। अब होटलों व होम स्टे के निर्माण में सुरक्षा के मद्देनजर नई नीतियां बनानी होंगी। ग्लेशियर व बादल फटने वाले क्षेत्रों ने सतर्कता बरतनी होगी।

सवाल विशेषज्ञों का कहना-बारिश के आंकड़े इस दावे का समर्थन नहीं करते

क्या बादल फटने से उत्तरकाशी में आई बाढ़

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में मंगलवार को अचानक आई बाढ़ के लिए खीर गंगा नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने की घटना को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि मंगलवार को उत्तरकाशी जिले में हुई बारिश की मात्रा इतनी नहीं थी कि उसे बादल फटने की श्रेणी में रखा जा सके।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिक रोहित थपलियाल का कहना है कि हमारे पास उपलब्ध आंकड़े बादल फटने की घटना की ओर इशारा नहीं करते। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी में मंगलवार को 27 मिलीमीटर बारिश हुई, जो कि बादल फटने की घटना या इतनी विनाशकारी बाढ़ के लिहाज से बहुत कम है।

धराली में अचानक आई बाढ़ के लिए अगर बादल फटना जिम्मेदार नहीं है, तो इसके पीछे और क्या कारण हो सकता है, के सवाल पर थपलियाल ने कहा कि विस्तृत अध्ययन के बाद ही इस बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकता है कि अचानक आई बाढ़ के पीछे कारण क्या था।

बादल फटने की घटना का यह आशय

एक्सपर्ट थपलियाल ने कहा कि मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि मौसम विभाग के पास उपलब्ध आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि बादल फटने की कोई घटना नहीं हुई। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में शामिल बादल फटने की घटना में बेहद कम समय में सीमित इलाके में भारी मात्रा में बारिश होती है। आईएमडी के मुताबिक, बादल फटने की घटना से आशय 20 से 30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेज हवाओं और आकाशीय बिजली चमकने के बीच 100 मिलीमीटर प्रति घंटे से अधिक की दर से बारिश होने से है। हालांकि, 2023 में प्रकाशित एक शोध पत्र में आईआईटी जम्मू और एनआईएच रुड़की के शोधकर्ताओं ने बादल फटने की घटना को एक छोटी-सी अवधि में 100-250 एमएम प्रति घंटे की दर से अचानक होने वाली बारिश के रूप में परिभाषित किया है, जो एक वर्ग किमी के छोटे-से दायरे में दर्ज की जाती है। बात सिर्फ बारिश की मात्रा की नहीं है। वहीं, वाडिया संस्थान के पूर्व वैज्ञानिक डीपी डोभाल ने कहा कि इतनी ऊंचाई पर बादल फटने की घटना की आशंका बहुत कम है। जिस ऊंचाई से कीचड़ और मलबा ढलानों से नीचे आया, वह अल्पाइन क्षेत्र में आती है, जहां बादल फटने की आशंका बेहद कम है।

आयोग नए सिरे से बनाए मेरिट सूची

नैनीताल: हाईकोर्ट ने दिव्यांग अभ्यर्थियों के पक्ष में अहम फैसला देते हुए उत्तराखंड लोक सेवा आयोग को वर्ष 2020 में भूगोल व रसायन विभाग के प्रवक्ता पदों की मेरिट सूची नए सिरे से तैयार करने के निर्देश दिए हैं। दिव्यांग अभ्यर्थी योगेन्द्र शाह एवं अन्य बनाम राज्य सरकार से संबंधित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने पारित किया है। वहीं, पेयजल निगम के डिप्लोमा इंजीनियरो को तय समय के भीतर वेतन न दिए जाने की याचिका पर न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने सुनवाई करते हुए सरकार से कहा है कि उनका मेहनताना हर माह में निर्धारित समय के भीतर अदा करें।

मल्ला काठगोदाम चौकी में बुधवार को इंसाफ की मांग को लेकर अमित के फोटो के साथ प्रदर्शन करते परिजन व अन्य। ● अमृत विचार

जाम खुलवाने के लिए पुलिस ने भांजी लाठियां, प्रदर्शन कर रहे लोगों को दौड़ाया। ● अमृत विचार

अमित हत्याकांड: चौकी घेरी, हाईवे किया जाम

आक्रोश में परिजन, डेढ़ घंटे तक लगा रहा जाम, हाईवे खुलवाने और चौकी खाली कराने को पुलिस को भांजनी पड़ी लाठियां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : काठगोदाम में सोमवार को हुई बंटाईदार खूबकरन के 10 वर्षीय बेटे अमित मौर्या की हत्या का राज अब भी दफन है। कब्र से उसकी लाश तो बाहर निकाल ली गई, लेकिन उसका सिर और दाहिना हाथ अब तक नहीं मिला। पुलिस की कार्यप्रणाली से आक्रोशित लोग बुधवार को मल्ला काठगोदाम पुलिस चौकी पहुंच गए और हाईवे जाम कर दिया। डेढ़ घंटे में कई किलोमीटर तक वाहनों का लंबा रेला लग गया। पहले जाम खुलवाने और फिर करीब डेढ़ सौ लोगों से घिरी पुलिस चौकी को खाली कराने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ीं। करीब चार घंटे तक हाई वोल्टेज हंगामा चलता रह। अंततः पुलिस ने सख्ती दिखाई तो आक्रोशित भीड़ को लौटना पड़ा।

गौरतलब है कि बीते 4 अगस्त को गौलापार के पश्चिमी खेड़ा काठगोदाम में रहने वाला 10 वर्षीय अमित मौर्या पुत्र खूबकरन मौर्या दोपहर करीब साढ़े 12 बजे अचानक गायब हो गया। वह घर से कोल्डड्रिंक खरीदने के लिए निकला था। परिजन उसे रातभर ढूंढते रहे लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अगली सुबह घर से करीब 100 मीटर दूर उसकी लाश एक घर के पीछे दफन मिली। अमित का सिर और दाहिना हाथ धड़ से अलग कर दिया गया था, जो बुधवार तक नहीं मिला। अमित के परिजन पहले ही दिन से पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। बुधवार को लोग अपना आपा खो बैठे। अमित की हत्या की जानकारी पर खूबकरन के मूल निवास स्थान बरेली से भी बड़ी संख्या में लोग काठगोदाम पहुंच गए। जिसके बाद भारी भीड़ मल्ला काठगोदाम चौकी पहुंची और नैनीताल हाईवे जाम करते हुए हत्यारे को फांसी देने व अमित का सिर व हाथ बरामद करने की मांग करने लगे। लोगों के आक्रोश के सामने चंद पुलिस वाले नाकाफी साबित हुए। इसके बाद हल्द्वानी कोतवाल भी टीम के साथ काठगोदाम चौकी पहुंच गए। नैनीताल रोड पर कई किमी लंबा जाम लग गया। लोग पुलिस की सुनने को तैयार नहीं थे, जिसके बाद पुलिस ने बल पूर्वक लोगों को सड़क से हटाया। इसके बाद उन्होंने पुलिस चौकी का घेराव करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। सुबह से सैकड़ों की भीड़ ने पुलिस की जांच में खलल डाल दिया। पुलिस ने समय मांगा, किंतु लोग नहीं माने। मजबूरन पुलिस को लाठियां भांज कर लोगों को खदेड़ना पड़ा। पुलिस लोगों को खदेड़ते हुए नरीमन तिराहे तक ले गई। सीओ सिटी नितिन लोहनी ने बताया कि आक्रोश की वजह से पुलिस का काफी समय बर्बाद हुआ और जांच में बाधा उत्पन्न हुई। पुलिस टीमें अमित के सिर व हाथ की तलाश कर रहीं हैं। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

अमित के हत्यारे को फांसी देने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान बेहोश हुई मां और बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

कब क्या हुआ

09:00 सुबह मल्ला काठगोदाम चौकी में भीड़ जुटना शुरू हुई
09 :30 बजे करीब डेढ़ सौ लोगों ने नैनीताल हाईवे जाम किया
10 :30 बजे पुलिस ने लोगों से जाम खुलवाने की नाकाम कोशिश की
10 :45 बजे चंद पुलिस वाले भीड़ और जाम से जूझते रहे
10 : 50 पर सुबह कोतवाल हल्द्वानी टीम के साथ पहुंचे
10 :59 पर पुलिस ने बलपूर्वक जाम खुलवाया
11 :11 पर सुबह मृतक की बहन फिर सड़क पर लेट गई
11 :31 पर सुबह पुलिस ने 4 घंटे का समय मांगा
12 :57 पर लालकुआं विधायक मोहन बिष्ट मल्ला काठगोदाम चौकी पहुंचे
01 : 27 पर सीओ नितिन लोहनी मौके पर पहुंचे
01 :44 पर लाठी भांज कर लोगों को खदेड़ा गया
01 :46 पर पुलिस ने पुलिस चौकी खाली कराई

पुलिस ने भीड़ छंटने के बाद किया आरोपियों को शिफ्ट

पुलिस ने मंगलवार को हत्यारोपी को हिरासत में ले लिया था। एहतियातन पुलिस ने परिवार के लोगों को भी साथ ले आई। माना जा रहा है कि यदि हत्यारोपी का परिवार घर में रहता तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। जिस चौकी के बाहर लोग हंगामा कर रहे थे, उसी चौकी में हत्यारोपी और उसके परिवार वालों को रखा गया था। पुलिस ने भीड़ छंटने के बाद हत्यारोपी व परिजन को अन्यंत्र शिफ्ट किया।

गुस्साया भाई बोला-इंसाफ न मिला तो चौकी को लगा दूंगा आग

अमित की हत्या सोमवार को ही कर दी गई थी और मंगलवार को उसका शव बरामद किया गया, लेकिन परिवार के लोग आखिरी बार बेटे का चेहरा नहीं देख पाए। क्योंकि सिर बरामद ही नहीं किया जा सका। अमित का चेहरा आखिरी बार न देख पाने का मलाल और गुस्सा परिवार पर बुधवार को साफ नजर आया। अमित का बदहवास भाई पुलिस को धमकाते बोला कि अगर उसे इंसाफ न मिला तो वह पुलिस चौकी को आग लगा देगा।

कार के आगे बैठी मृतक अमित की बहन। ● अमृत विचार

इंसाफ न मिलने पर पुलिस चौकी को आग लगाने की धमकी देता मृतक अमित का भाई।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारी से उलझती महिला। ● अमृत विचार

प्रदर्शनकारियों को पकड़कर ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

नैनीताल रोड स्थित काठगोदाम चौकी के पास लगा जाम। ● अमृत विचार

अमित की हत्या की सूचना पर बरेली से पहुंचीं जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार।

मल्ला काठगोदाम पुलिस चौकी में लोगों से बात करते लालकुआं विधायक मोहन बिष्ट।

बलि देने को काटा सिर! संदेह में लाल कार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : न सिर मिला और न हाथ। अमित का धड़ हत्यारोपी के घर के पीछे आम के पेड़ के नीचे खोदी गई कब्र से बरामद किया गया। अब पूरे मामले में बहुत बड़ी बात निकल कर सामने आई है और इस बात को अमित के परिजन पहले दिन से कह रहे थे। बताया जा रहा है कि अमित की हत्या बलि देने के लिए की गई और बलि दे भी दी गई। ये बलि नशेड़ी हत्यारोपी को ठीक करने के लिए दी गई। हत्या से पहले लाल रंग की एक कार को घटना स्थल की ओर जाते देखा गया है। माना जा रहा है कि अमित का सिर और हाथ इस कार से हल्दूचौड़ पहुंचा दिया गया है।

अमित सोमवार दोपहर साढ़े 12 बजे गायब हुआ। जिसके बाद अमित को उसी के घर से सौ मीटर दूर रहने वाले एक युवक (नशेड़ी हत्यारोपी) के साथ देखा गया। हत्यारोपी, अमित को अपने घर की ओर ले जा रहा था। इसके बाद अमित का शव हत्यारोपी के घर के पीछे कब्र से बरामद किया गया। इसी सीसीटीवी में हत्या से ठीक पहले एक लाल रंग की कार सूत्रों का कहना है कि लाल रंग की इस कार में एक महिला सवार थी, जो हत्यारोपी की रिश्तेदार है और हल्दूचौड़ में रहती है। इसी महिला ने हत्यारोपी की मां को बताया था कि उसकी पहचान का एक तांत्रिक है, जो उसके नशेड़ी बेटे को ठीक कर सकता है। बताया जाता है कि इसके बाद नशेड़ी की मां उस तांत्रिक से मिलने भी गई थी।

प्रदर्शन के दौरान हाथ जोड़कर लोगों से सहयोग की अपील करते सीओ सिटी नितिन लोहनी। ● अमृत विचार

हंगामा | पूर्व जिपं सदस्य के स्कूल की जांच को पहुंचे थे तहसीलदार, प्रशासनिक अधिकारियों पर लगाया परेशान करने का आरोप

स्कूल की जांच को पहुंचे तहसीलदार का लोगों ने किया घेराव

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: रामगढ़ क्षेत्र में पूर्व जिला पंचायत सदस्य और पूर्व ब्लॉक प्रमुख लाखन सिंह नेगी के निर्माणाधीन स्कूल में जिला प्रशासन की जांच के नाम पर हंगामा हो गया। स्कूल की जांच के लिए तहसीलदार वहां पर मौके पर पहुंचे, तो स्थानीय लोगों ने उनका घेराव कर लिया। लाखन सिंह नेगी ने तहसीलदार से लिखित आदेश के बारे में जानकारी चाही। हालांकि तहसीलदार ने मौखिक आदेश की बात कही। इस दौरान प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

इससे पहले बुधवार सुबह लखन सिंह नेगी ने फेसबुक लाइव के माध्यम से अपने समर्थकों को मामले की जानकारी दी थी और नियत समय में विद्यालय परिसर में पहुंचने का अनुरोध किया। जैसे ही तहसीलदार मौके पर पहुंचे, तो जनता भड़क गई। इस दौरान कांग्रेस नेता गोपाल सिंह बिष्ट भी अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए और उन्होंने इस घटना को राजनीति से प्रेरित बताया। मौजूद जनता ने मौके पर एसडीएम को बुलाने की मांग की। समाचार लिखे जाने तक घेराव जारी था। पूर्व जिला पंचायत सदस्य और ब्लॉक प्रमुख लखन सिंह नेगी ने बताया कि उनकी पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष की दौड़ में है। जिसके चलते प्रशासनिक अधिकारी उन्हें परेशान कर रहे हैं। बताया कि वह चुनावी मैदान से पीछे हटने वाले नहीं है। गोपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि उनका पूरा समर्थन जिला पंचायत चुनाव में लाखन सिंह नेगी की पत्नी पुष्पा नेगी को रहेगा।

हंगामें के दौरान विद्यालय परिसर में लाखन सिंह नेगी और गोपाल बिष्ट व अन्य।

> स्थानीय लोगों ने एक शिकायती पत्र दिया था। तहसीलदार रुटीन जांच के लिए मौके पर गए थे। सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। -**नवाजिश खलीक**, उप जिलाधिकारी नैनीताल।

हंगामें के दौरान विद्यालय परिसर में एकत्र स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

सूरज के परिजनों को अनहोनी की आशंका

हल्द्वानी : गौलापार क्षेत्र के जसपुर खोलिया निवासी लक्ष्मण सिंह ने अपने छोटे भाई 42 वर्षीय सूरज सिंह देउपा के दो महीने से लापता होने की रिपोर्ट थाना चोरगलिया में दर्ज कराई है। लक्ष्मण के अनुसार, सूरज रोज की तरह घर से घूमने निकला था, लेकिन उस दिन के बाद वह वापस नहीं लौटा।

लक्ष्मण ने बताया कि सूरज के मोबाइल पर कई बार कॉल की गई, जिस पर लगातार घंटी जाती रही, लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया। सूरज पूर्व में भी कभी-कभार घर से बाहर जाता था, लेकिन हमेशा संपर्क में रहता था। इस बार दो महीने बीत जाने के बावजूद कोई संपर्क नहीं हो सका है। परिजनों ने आशंका जताई है कि कहीं उसके साथ कोई अनहोनी न हो गई हो। चोरगलिया थानाध्यक्ष राजेश जोशी ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बोली मां, "मुझे भी इनके लड़के की बलि चाहिए"

अमित की मां का रो-रोकर बुरा हाल था। मल्ला काठगोदाम चौकी में मौजूद अमित की मां दहाड़े मारकर रो रही थी और हत्यारोपियों और उनके परिवार को कोस रही थी। वह कह रही थी कि मेरे बच्चे का सिर और हाथ दे दो और इन्हे फांसी दे दो। मुझे भी इनके लड़के की बलि चहिए, क्यों दी इन्होंने मेरे बच्चे की बलि। गरीब का बच्चाक्यों मारदिया। वहीं प्रदर्शनकारियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को याद किया और कहा, अगर अब तक अगर यूपी पुलिस और योगी की सरकार होती इंसाफमिलचुकाहोता।

रुद्रपुर की फॉरेंसिक यूनिट ने घटना स्थल से जुटाए साक्ष्य

पुलिस सोमवार रात से ही मामले की जांच में जुटी। पुलिस के साथ डॉग स्क्वाड और फॉरेसिंक टीम ने भी मंगलवार को घटना से साक्ष्य जुटाए हैं। साक्ष्यों को और मजबूती देने के लिए पुलिस ने बुधवार को रुद्रपुर से फॉरेंसिक यूनिट बुलाई और दोबारा साक्ष्य जुटाने शुरू किए गए। टीम ने घटना स्थल से लेकर आरोपी के घर तक कोने-कोने से सुबूत जुटाए। इसके अलावा आसपास रहने वाले कई लोगों से आरोपी के परिवार के बारे में जानकारी जुटाई गई।

पुलिस ने सिर व हाथ की तलाश में नदी और नाले खंगाले

एक ओर पुलिस प्रदर्शन कर रहे नाराज लोगों से निपट रही थी, वहीं दूसरी ओर पुलिस की कुछ टीमें लगातार सर्च अभियान चला रही थीं। इस सर्च अभियान में स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की मदद की। सीओ सिटी नितिन लोहनी ने बताया कि घटना स्थल के आस-पास सभी खेत, जंगल, नदी और नालों का खंगाल डाला है। संभव है कि सिर व हाथ को नहर के तेज बहाव में फेंक दिया गया हो, तो नहर के छोर तक सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

सिटी ब्रीफ

11 अगस्त तक प्रवेश की मिली अनुमति

नैनीताल : डीएसबी परिसर के छात्रावासों में प्रथम मैरिट सूची के विद्यार्थियों को अब 11 अगस्त तक प्रवेश की अनुमति दी गई है। लगातार हो रही बारिश के कारण कई विद्यार्थी समय पर परिसर नहीं पहुंच पाए, इसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। बुधवार को छात्र नेताओं ने परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा और छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. संजय पंत को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि भारी वर्षा और मार्ग बाधित होने की वजह से कई छात्र छात्रावास में समय पर प्रवेश नहीं कर सके। परिसर प्रशासन ने सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेते हुए प्रथम मैरिट के छात्रों को अब 11 अगस्त तक प्रवेश लेने की छूट दी है।

विवाह पंजीकरण को लगाया शिविर

भवाली : नगर पालिका भवाली कार्यालय में बुधवार से समान नागरिक संहिता कानून के तहत विवाह पंजीकरण के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कई लोगों ने पहुंचकर विवाह पंजीकरण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। अधिशासी अधिकारी सुधीर कुमार ने बताया कि विवाह पंजीकरण कोई भी विवाहित करवा सकता है, परंतु 2010 के बाद विवाह वालों के लिए यह अनिवार्य है। अन्यथा इसमें 10000 रुपये दंड का प्रावधान भी है।

पर्यटन कारोबार लड़खड़ाया, 95 प्रतिशत तक होटल बुकिंग कैंसल

भूस्खलन के वीडियो व रील्स से बना भ्रम का माहौल, पर्यटक आने से कर रहे हैं परहेज

संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल में वीरान पड़ा पंत पार्क। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लगातार हो रही बारिश और उत्तरकाशी में आई आपदा की खबरों ने नैनीताल के पर्यटन कारोबार को बुरी तरह प्रभावित किया है। सड़कों पर मलबा, भूस्खलन और लगातार जारी रेड अलर्ट के चलते पर्यटक नैनीताल आने से परहेज कर रहे हैं। इसका सीधा असर होटल कारोबारियों और अन्य पर्यटन व्यवसायों पर पड़ा है।

होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि बीते कुछ दिनों में 95 प्रतिशत तक होटल बुकिंग रद्द हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे भूस्खलन के वीडियो और रील्स के कारण भ्रम का माहौल बन गया है। असल में नैनीताल और इसके आसपास के अधिकतर पर्यटन स्थल पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी भूस्खलन जैसी घटनाएं हुई हैं, वहां प्रशासन तुरंत राहत व मरम्मत कार्य कर रहा है। सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। दिल्ली से आए पर्यटक सरबजीत ने बताया कि उन्होंने पूरे रास्ते में कहीं भी भूस्खलन जैसी समस्या नहीं देखी। सफर पूरी तरह सुरक्षित रहा और नैनीताल में मौसम बेहद सुहावना है। उन्होंने कहा कि पर्यटक यहां निश्चिंत होकर घूमने आ सकते हैं। इसी तरह पर्यटक मनप्रीत ने कहा कि सोशल मीडिया रील्स देखकर डर लग रहा था, लेकिन यहां आने पर सब कुछ सामान्य और शांत नजर आया। उन्होंने कहा कि रील्स में दिखाए जा रहे दृश्य काफी हद तक भ्रामक होते हैं, जबकि जमीनी हकीकत अलग है। स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि मानसून सीजन में वैसे ही पर्यटकों की संख्या कम होती है, लेकिन इस बार सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों और आपदा की खबरों ने पर्यटन को लगभग ठप कर दिया है। उनका कहना है कि नैनीताल पूरी तरह सुरक्षित है और प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। जरूरत है कि सही जानकारी लोगों तक पहुंचे, ताकि भ्रम का माहौल न बने और पर्यटन गतिविधियां फिर से रफ्तार पकड़ सकें।

गोविंद बल्लभ पंत की मूर्ति होगी शिफ्ट

नैनीताल: नैनीताल में मंदिर माला मिशन के तहत सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में पंत पार्क में स्थापित स्वतंत्रता सेनानी एवं देश के प्रथम गृहमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत की मूर्ति को स्थानांतरित किया जाएगा। बुधवार को लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के सहायक अभियंता गोविंद सिंह जनौटी और अवर अभियंता विवेक धर्मशक्तु ने पंत पार्क पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। सहायक अभियंता जनौटी ने बताया कि हाईकोर्ट से मूर्ति को शिफ्ट करने की अनुमति प्राप्त हो चुकी है। मूर्ति को पंत पार्क के भीतर ही थोड़ी पीछे की ओर स्थानांतरित किया जाएगा।

मंजुला श्रीवास्तव का हुआ निधन

रामनगर : ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल की संस्थापक मंजुला श्रीवास्तव का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। शिक्षा के क्षेत्र में मंजुला श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

मरीजों से हालचाल पूछतीं विधायक सरिता आर्या। ● अमृत विचार

किसी भी मरीज को न हो असुविधा: आर्या

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: विधायक सरिता आर्या ने मंगलवार को बीडी पांडे अस्पताल का औचक स्थलीय निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विधायक ने विशेष रूप से हालिया भारी बारिश और आपदा की दृष्टि से अस्पताल की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से संवाद कर उनकी स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली। साथ ही अस्पताल प्रशासन से चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक प्राप्त किया।

उन्होंने आपातकालीन स्थितियों में अस्पताल की भूमिका और क्षमता का भी मूल्यांकन किया। उत्तरकाशी में हुई त्रासदी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी किसी संभावित आपदा की स्थिति में नैनीताल के अस्पतालों को पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए। सीएम के नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि किसी भी मरीज को असुविधा न हो।, इसके लिए आवश्यक संसाधनों की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की, उपाध्यक्ष मोहित लाल साह, निखिल बिष्ट, आशीष बजाज, कार्यालय मंत्री भारत सिंह, डॉ. द्रौपदी गर्ब्याल, कमल जोशी, विक्रम राठौर, पंकज बरगली और सभासद गजाला कमाल आदि मौजूद थे।

मीना को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

रामनगर : नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में मदर्स ग्लोरी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मीना पांथरी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया। यह उपाधि उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उनके सर्वोच्च समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान की गई है। नई दिल्ली के प्रतिष्ठित अशोक होटल, चाणक्यपुरी में भारत गौरव रत्न सम्मान अवार्ड काउंसिल की ओर से सम्मान समारोह में देशभर से समाजसेवा, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को राष्ट्रीय मंच से सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या मीना पांथरी को यह उपाधि मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल (असम) प्रो. जगदीश मुखी एवं बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने प्रदान की।

दि कूर्माचल नगर सहकारी बैंक लि०, नैनीताल
THE KURMANCHAL NAGAR SAHKARI BANK LTD., NAINITAL
(Regd. Office : NAINITAL)
KURMANCHAL BHAWAN, Tallital, Nainital - 263002 Phone :- 236574, 231525

बैंक शाखा हेतु परिसर कि आवश्यकता है

बैंक को अपनी मौजूदा शाखा सदर बाजार, हल्द्वानी के परिसर परिवर्तन हेतु जो कि सदर बाजार, हल्द्वानी मुख्य व्यवसायिक क्षेत्र के समीप स्थित हो, परिसर का क्षेत्रफल न्यूनतम लगभग 2200 वर्ग फीट क्षेत्र वाले तैयार/निर्माणाधीन वाणिज्यिक परिसर जो की स्थानीय विकास प्राधिकरणों से स्वीकृत मानचित्र के आधार पर निर्मित/निर्माणाधीन हो, की आवश्यकता है, जिसमें पार्किंग, जनरेटर रखने की सुविधा, पर्याप्त बिजली, पानी की आपूर्ति एवं समस्त आवश्यक सुविधाये हो। भूतल (Ground Floor) को प्राथमिकता दी जायेगी।

इच्छुक व्यक्ति अपना प्रस्ताव, पूर्ण विवरण एवं साक्ष्यों सहित, बैंक के प्रधान कार्यालय में सीलबंद लिफाफे में दिनांक 18.08.2025 को शाम 5:00 बजे तक जमा कर सकते हैं।

स्वीकृत प्रस्ताव की लिखित रूप में सूचना प्रस्तावक/भवन स्वामी को प्रदान की जायेगी।

बैंक बिना कोई कारण बताये प्रस्तावों को स्वीकृत व अस्वीकृत करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

सचिव/मुख्य कार्यकारी अधिकारी
Phone : 05942-236574, 231525; Visit us at www.kurmanchalbank.com

बैठक में मौजूद महिला एकता मंच की सदस्याएं। ● अमृत विचार

बंद की सफलता को किया जनसंपर्क

रामनगर: महिला एकता मंच ने मालधन अस्पताल में डॉक्टरों की नियुक्ति व अन्य मांगों के लिए 18 अगस्त को प्रस्तावित मालधन बंद को सफल बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को मालधन के गोपाल नगर में महिलाओं की बैठक में पुष्पा ने नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों से नशा नहीं इलाज दो अभियान में शामिल होने की अपील की गई।

देवी ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालधन से फिजिशियन प्रशांत कौशिक व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना कौशिक का पिथौरागढ़ ट्रांसफर करने के बाद अस्पताल की हालत बद से बद्तर हो गई है। जनता को मिल रही नाममात्र की स्वास्थ्य सुविधाएं भी मिलनी बंद हो गई हैं। कहा कि सरकार जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जगह शराब की दुकान खोलकर जनता को नशे में डुबो रही है। ममता आर्य ने क्षेत्र की जनता से जनहित में 18 अगस्त को मालधन बाजार, शिक्षण संस्थान व बैंक बंद रखने की अपील की। अंजू देवी ग्राम प्रधान, देवी आर्य, सरस्वती जोशी, रंजनी आदि मौजूद रहीं।

एसएमसी के अध्यक्ष बने कुंवर सिंह

भीमताल: राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ौन ओखलकांडा में प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा की अध्यक्षता में शिक्षक-अभिभावक संघ व एसएमसी की बैठक हुई। इसमें नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए सर्वसम्मति से कुंवर सिंह चुलगांई को एसएमसी अध्यक्ष व पूरन सिंह चिलवाल को पीटीए अध्यक्ष चुना गया।

प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा ने विगत वर्ष की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2024-25 में विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। साथ ही व्यावसायिक शिक्षा को आईटी विषय खोलने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसकी कक्षाएं सत्र 2026 से शुरू होंगी। विद्यालय में शौचालय, पेयजल, परिसर में टाइल लगाने व नवीन यूनीफार्म आदि विषयों पर चर्चा की गई। बैठक का संचालन कार्यालय सहायक रघुवीर सिंह चुलगांई ने किया।

वाहन जब्त करने के मामले में चोलामंडलम कंपनी को नोटिस

संवाददाता, हल्द्वानी

निरीक्षण करते आरटीओ प्रशासन सुनील शर्मा व आरटीओ प्रवर्तन डॉ. गुरदेव सिंह।

अमृत विचार : लालकुआं स्थित लुधियाना ट्रांसपोर्ट यार्ड में चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी की ओर से रखे गए 60 से 70 वाहनों की शिकायतों पर परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। आरटीओ प्रशासन सुनील शर्मा और आरटीओ प्रवर्तन डॉ. गुरदेव सिंह के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम ने यार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान यार्ड संचालक वाहन कब्जे की प्रक्रिया से संबंधित किसी भी वैध दस्तावेज को प्रस्तुत नहीं कर पाया।

निरीक्षण के दौरान जब यार्ड संचालक से कोर्ट के आदेश, नोटिस की प्रति, वाहन स्वामी को भेजी गई जानकारी और पुलिस को दी गई सूचना जैसे दस्तावेज मांगे तो वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। इस पर आरटीओ की ओर से 64 गाड़ियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।

साथ ही फाइनेंस कंपनी को नोटिस भेजते हुए एक सप्ताह के भीतर सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। आरटीओ ने स्पष्ट किया है कि यदि समय सीमा में जानकारी नहीं दी गई तो कंपनी के विरुद्ध नियमानुसार अभियोग पंजीकृत किया जाएगा।

इस मामले में मंडलायुक्त दीपक रावत और संभागीय परिवहन अधिकारी को समय-समय पर शिकायतें मिलती रहती थीं कि चोलामंडलम कंपनी की ओर से वित्तपोषित वाहनों को बिना पूर्व सूचना और कोर्ट आदेशों के उल्लंघन करते हुए जबरन कब्जे में लिया जा रहा है। परिवहन विभाग की कार्रवाई से साफ है कि अब वित्तीय कंपनियों को नियमों की अनदेखी करना भारी पड़ सकता है।

बरेली इंटरनेशनल विश्वविद्यालय
प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ
सत्र : 2025-26
Accreditations, Affiliations & Approvals
प्रस्तुत पाठ्यक्रम
CUET (UG/PG) स्कोर स्वीकृत और CUET (UG/PG)-2025 में सूचीबद्ध
मेडिकल साइंसेस
एमएससी मेडिकल (एनाटॉमी/बायोकेमिस्ट्री/माइक्रोबायोलॉजी/फार्माकोलॉजी/फिजियोलोजी)
डेंटल साइंसेस
डिप्लोमा-डेंटल हाइजिनिस्ट/डिप्लोमा-डेंटल मैकेनिक्स
नर्सिंग विज्ञान
एएनएम/जीएनएम/बीएससी नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग/नर्स प्रक्टिशनर इन क्रिटिकल केयर (NPCC)/एमएससी नर्सिंग (मेडिकल सर्जिकल/चाइल्ड हेल्थ/कम्युनिटी हेल्थ/मेंटल हेल्थ/अब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजिस्ट)
फार्मेसी
डी.फार्म/बी.फार्म/एम.फार्म (फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स, फार्मासियूटिकल कैमिस्ट्री, फार्माकॉगनॉसी)
पैरामेडिकल साइंसेस
डिप्लोमा इन मेडिकल लैब तकनीशियन (DMLT)/डिप्लोमा इन एक्स-रे तकनीशियन/डिप्लोमा इन डायलिसिस तकनीशियन/डिप्लोमा इन इमरजेंसी एण्ड ट्रामाकेयर/डिप्लोमा इन एम आर आई तकनीशियन/डिप्लोमा इन रेडियोथेरेपी तकनिशियन (DRIT)/ बैचलर इन ऑप्रेशन थियेटर टेक्नोलॉजी (BOTT)/बैचलर इन फिजियोथेरेपी (BPT)/ बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (BMLT)/बैचलर ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (BRIT)/बीएससी (ऑप्टोमेट्री)/एमएससी क्लीनिकल एम्ब्र्योलॉजी/ एम.एससी इन मेडिकल लैबोरेट्री सांइस (MMLS)/ मास्टर्स इन फिजीयोथेरेपी (MPT)
फोरेंसिक साइंसेस
बीएससी फोरेंसिक विज्ञान, एमएससी फोरेंसिक विज्ञान
मैनेजमेंट एंड कॉमर्स
बी.कॉम (ऑनर्स)/बीबीए (Finance & Texation)/बीसीए/(आईटी और मल्टीमीडिया)/ एम.कॉम (ऑनर्स)/ मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA)/मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (MHA)/मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (MPH)
ह्यूमैनिटीज एंड जर्नलिज्म
बी.ए (पत्रकारिता)/बी.ए (जनसंचार)/एम.ए (अंग्रेजी)/एम.ए (मनोविज्ञान)/एम.ए (पत्रकारिता)/एमए (जनसंचार)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 9105500202, 9105500404, फोन-0581-2526153, 051, 053
पता : एडमिशन सेल, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज कैंपस, बरेली, पिन कोड-243006 (यू.पी.)
Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

मृतकों को विधायक ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, हल्द्वानी

धराली आपदा के मृतकों को श्रद्धांजलि देते विधायक सुमित हृदयेश व कांग्रेसी।

अमृत विचार : उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में आई भीषण दैवीय आपदा में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए झंडा पार्क में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। विधायक सुमित हृदयेश के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्माओं को दीप जलाकर नमन किया और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधायक सुमित हृदयेश ने इस आपदा को उत्तराखंड के लिए अत्यंत पीड़ादायक व हृदयविदारक बताते हुए राज्य सरकार की आपदा प्रबंधन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। कहा कि समय रहते अलर्ट सिस्टम लागू न होना एक बड़ी लापरवाही है। भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने तथा ड्रोन की सहायता से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी किए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मधु सांगुड़ी, हरीश मेहता, एनबी गुणवंत आदि मौजूद थे।

लाभार्थियों को चेक वितरित करते बैंक के अधिकारी। ● अमृत विचार

लाभार्थियों को वितरित किए चेक

कालाढूंगी: बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से 3 माह के वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत देशभर में विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को इसी कार्यक्रम के तहत बैंक की कालाढूंगी शाखा की ओर से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को 20 लाख रुपये के चेक वितरित किए गए। प्राचीन शिव मंदिर में आयोजित शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल ने किया। उन्होंने सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। शिविर में एलडीएम अमित बाजपई, अतुल पांडेय, मुकेश बेलवाल आदि मौजूद रहे।

सवाल — खिलाड़ियों को हो रही परेशानी, स्वीकृत हुई थी 97 लाख की धनराशि

अधर में लटके मिनी स्टेडियम में निर्माण कार्य

संवाददाता, कालाढूंगी

मिनी स्टेडियम में लगे मिट्टी के ढेर, जोकि बरसात में बह रहे हैं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अनदेखी के चलते पांच साल से मिनी स्टेडियम में निर्माण कार्य अभी तक पूरे नहीं हो पाए हैं। ट्रैक व कोर्ट बनने के लिए आई मिट्टी बरसात में बह रही है। आलम यह है कि शौचालय व चेंज रूम का कार्य भी पूरे नहीं होने से खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

4 फरवरी 2020 में तत्कालीन खेल मंत्री अरविंद पांडे व विधायक बंशीधर भगत ने राजकीय इंटर कॉलेज कालाढूंगी के मैदान में स्वीकृत मिनी स्टेडियम का शिलान्यास किया था। हालांकि स्टेडियम की कुछ जमीन को वन विभाग ने अपनी बताकर काम रूकवा दिया था। कार्यदायी संस्था की ओर से 97 लाख रुपये की धनराशि से चेंज रूम व शौचालय का कार्य पूरा करना था।

● बरसात में बह रही ट्रैक व कोर्ट बनाने को आई मिट्टी

अभी तक खिलाड़ियों के दौड़ने के लिए ट्रैक की व्यवस्था भी नहीं हो पाई है। इसके अलावा खिलाड़ियों के लिए खो-खो व कबड्डी कोर्ट भी अस्तित्व में नहीं आया है। इस वजह से अभ्यास करने आने वाले खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

फॉरेस्ट लैंड की आपत्तियों के कारण काम रूक गया था। डीएम के निर्देश के बाद फॉरेस्ट लैंड को छोड़कर कार्य शुरू किया गया है। शौचालय व चेंज रूम का कार्य अंतिम चरण में है। जल्द ही हैंडओवर कर दिया जाएगा। **-प्रतीक जोशी**, जिला युवा कल्याण विभाग अधिकारी।

खेल मैदान में पीने का पानी न होने का कारण हम लोग सड़क पार कर थाने में बने वाटर कूलर से पानी पीते हैं। **-अर्जुन करायत**, राष्ट्रीय खिलाड़ी।

खेल मैदान में समतीलकरण नहीं हुआ है। 4 महीने पहले आई मिट्टी का उपयोग अभी तक मैदान पर नहीं हुआ है। इससे हमें अभ्यास कराने में परेशानी का सामना उठाना पड़ रहा है। **- राजेंद्र सिंह नेगी**, कबड्डी कोच

शौचालय न होने की दशा पर हम लड़कियां रोड पर कर थाने में बने शौचालय का उपयोग करती हैं। **- राशि मेहरा**, राष्ट्रीय खिलाड़ी

स्टेडियम के मैदान में समतलीकरण कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। पिछले चार माह से मैदान पर पड़ी मिट्टी बह रही है। खिलाड़ियों को दौड़ने में परेशानी होती है। खिलाड़ी स्वयं खेलने की जगह में मिट्टी भर रहे हैं। **-अजय**, खिलाड़ी

दीप चंद्र अध्यक्ष व सतीश बने सचिव

भीमताल: आदर्श रामलीला कमेटी डाक बंगला भीमताल की बैठक में सर्वसम्मति से दीप चंद्र तिवारी को अध्यक्ष, देवेंद्र सिंह फत्याल मोहित प्रकाश श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, सतीश पांडे सतीश कुमार टम्टा को सचिव चुना गया। वहीं, रवि कुमार कौशल पांडे को उप सचिव, कैलाश गिरी, विक्रम सिंह जीना को कोषाध्यक्ष, प्रेम लोन सुषमा और ज्योति पूरी को महिला उपाध्यक्ष बनाया गया। संरक्षक कमेटी में डीके डालाकोटी, नवीन नौटियाल, हेमचंद पंत, भुवन चंद गिरी, प्रकाश जोशी, गोपेश बिष्ट, विपिन सनवाल, गोविंद सिंह नेगी, जगदीश सनवाल तारांचद गोस्वामी शामिल किए गए। 16 अगस्त को जन्माष्टमी पर भजन संध्या व 17 को डोला आयोजन पर चर्चा हुई।

सिटी ब्रीफ

क्षतिग्रस्त नाले का किया निरीक्षण, होगा पुनर्निर्माण

हल्द्वानी : वार्ड 38 में नाले की दीवार क्षतिग्रस्त होने पर बुधवार को नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने मौके का निरीक्षण किया। जिसके बाद उन्होंने संबंधित को क्षतिग्रस्त दीवार का पुनर्निर्माण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बीते दिनों हुई बारिश के कारण नाले का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। जिस पर स्थानीय लोगों की सूचना पर बुधवार को निरीक्षण किया गया। इस दौरान वार्ड के पार्षद मनोज भट्ट व अन्य उपस्थित रहे।

आपदा की मार: सब्जियों और फलों के दाम बढ़े

नैनीताल : मानसून और आपदा का सीधा असर अब सब्जियों और फलों की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। स्थानीय बाजारों में 20 प्रतिशत तक की मूल्य वृद्धि दर्ज की गई है। जिससे उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर पड़ा है। ट्रांसपोर्ट और आपूर्ति श्रृंखला पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। सड़कों के अवरुद्ध होने से मालवाहक वाहन समय पर बाजार नहीं पहुंच पा रहे। जिससे आवश्यक वस्तुओं की किल्लत हो रही है। टमाटर जहां पहले 80 रुपए प्रति किलो था, अब 100 रुपये पहुंच गया है। आलू 35 से 40 रुपये किलो बिक रहा है। शिमला मिर्च 40 रुपए से 60 रुपये पर आ गई है। कद्दू 40 से बढ़कर 60, अमरूद 100 रुपये, सेब 80 रुपये से 120 और अनार 120 रुपये से बढ़कर 140 प्रति किलो के भाव पर बिक रहे हैं। स्थानीय दुकानदार कैलाश उपाध्याय ने बताया समय पर सप्लाई नहीं होने से दामों में इजाफा हुआ है।

कालाढूंगी में जान जोखिम में डालकर निहाल नदी को पार करते ग्रामीण।

उफान पर नदी, धापला गांव का संपर्क कटा

कालाढूंगी : निहाल नदी के उफान पर होने से कालाढूंगी मुख्यालय से 8 किमी दूर धापला गांव का संपर्क कट गया है। जान जोखिम में डालकर ग्रामीण नदी पार करने को मजबूर हैं। नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान पुष्पा कुमारी ने बताया कि नदी का रूख गांव की ओर हो गया है। कृषि भूमि भी नदी में समा गई है। पूर्व ग्राम प्रधान दयानंद आर्या ने बताया कि कई बार सुरक्षा दीवार की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मुसीबत के कारण 700 से अधिक ग्रामीणों की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बाधित हो जाती है। बारिश के कारण कालाढूंगी, कोटाबाग, बैलपड़ाव व चकलुवा में जनजीवन प्रभावित है। सोयाबीन, भट्ट, उड़द व धान आदि सब्जियों की फसलें प्रभावित हुई हैं। एसडीएम परितोष वर्मा ने बताया कि नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

आफत की बारिश : पहाड़ों में विगत कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के बाद बुधवार को उफान पर आई गौला ने नदी किनारे के समूचे क्षेत्र को अपने आगोश में समेट लिया। ● अमृत विचार

रामनगर में टेंपो पर गिरा पेड़ बाल-बाल बचीं सवारियां

संवाददाता, रामनगर

पेड़ को काटते अग्निशमन कर्मी।

अमृत विचार : पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में तीन दिन से हो रही लगातार बारिश के बाद जहां एक ओर आम जनजीवन पूरी तरह ठहर गया है, तो वहीं कई स्थानों पर बारिश का कहर लगातार जारी है। बुधवार की सुबह नेशनल हाईवे 309 रामनगर-काशीपुर मार्ग पर एक टेंपो के ऊपर अचानक पेड़ गिरने से अफरा- तफरी मच गई।

टैंपो में बैठे यात्रियों में चीख पुकार मच गई। मोहल्ला खताड़ी निवासी सावेज बुधवार सुबह ग्राम टांडा से टेंपो में दो सवारियों को बैठाकर रामनगर की ओर जा रहा था। इसी बीच रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे एक पेड़ टूटकर अचानक टेंपो के ऊपर गिर गया। किसी तरह टेंपो चालक एवं उसमें सवार यात्रियों को बाहर निकाला गया। दुर्घटना में टेंपो चालक के चोट लगी हैं। उसे उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया। पेड़ की चपेट में आने से कुछ विद्युत पोल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। फायर स्टेशन अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि टीम ने पेड़ को काटकर यातायात को शुरू कराया। उन्होंने बताया कि हाथीडगर मालधन चौड़ रोड पर दो से तीन पेड़ों के गिरने की सूचना मिली। सीतावनी क्षेत्र में पर्यटकों की कार नाले में फंस गई। मौके पर पहुंचकर कार को निकाला गया।

हल्द्वानी-अल्मोड़ा हाईवे समेत जनपद के 23 मार्ग बंद

लगातार हुई भारी बारिश से बरसाती गधेरे व नाले उफान पर, कई मार्गों पर आया मलबा, कुछ देर शाम हुए सुचारू

- लगातार हो रही बारिश लोगों के लिए बनी समस्या

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जनपद नैनीताल में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश ने जमकर कहर मचाया। बुधवार की सुबह हुई भारी बारिश से बरसाती गधेरे व नाले उफान पर आने और मलबा आने से हल्द्वानी-चोरगलिया एवं हल्द्वानी-अल्मोड़ा हाईवे समेत 23 मार्ग बंद हो गए। हालांकि देर सायं कई मार्ग यातायात के लिए खोल दिए गए।

बुधवार को सुबह बारिश होने से सूर्या नाला व शेर नाला उफान पर आ गया जिसकी वजह से चोरगलिया हाईवे पानी में डूब गया। वहीं पहाड़ से मैदान तक लगातार बारिश से जल स्तर लगातार बढ़ रहा था। इस पर चोरगलिया पुलिस ने बैरियर लगाकर चोरगलिया हाईवे बंद कर दिया। ज्योलीकोट में पायलट बाबा आश्रम के समीप मलबा आने से मार्ग पर ट्रैफिक बंद करना पड़ा। वहीं क्वारब की पहाड़ियों से लगातार भूस्खलन से मलबा गिरने पर अल्मोड़ा हाईवे पर ट्रैफिक बाधित हो गया। गर्जिया-बेतलाघाट-खैरना स्टेट हाईवे भी मलबा आने से बंद हो गया। हल्द्वानी-नैनीताल हाईवे पर रूसी बाईपास पर मलबा आ गया जबकि डोलमार के पास एक विशालकाय वृक्ष सड़क पर गिर गया। ट्रैफिक बाधित होने से पुलिस ने यातायात डायवर्ट किया लेकिन लोगों को जाम से जूझना पड़ा। इसके अलावा 20 से अधिक ग्रामीण मार्ग भी बंद हो गए। खबर लिखे जाने तक लोनिवि, राष्ट्रीय राजमार्ग डिवीजन, पीएमजीएसवाई डिवीजन जेसीबी से मलबा हटाकर मार्ग खुलवाने में जुटी थीं। वहीं, जिले में हुई अतिवृष्टि से एक भवन पूर्ण, छह भवन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया जबकि तीन सुरक्षा दीवार ढह गईं।

रामनगर में बुधवार को भी नजर आया कोसी नदी का रौद्र रूप। ● अमृत विचार

चोरगलिया में नंधौर नदी से हो रहे भूकटाव का जायजा लेते प्रशासन व वन विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

ये मार्ग हैं बंद

- सूखा-घोड़िया टापू मार्ग
- पटोड़ी-जोशीखोला-हल्दयानी-बेतालघाट
- तल्ला रामगढ़-रातीघाट मार्ग
- हरतपा-तितोली मार्ग
- भौर्सा-पिनरो मार्ग
- हली-हरतपा मार्ग
- फतेहपुर बेल मार्ग
- बिनकोट-चंद्रकोट मार्ग
- मल्यूटी-भद्यूनी मार्ग
- तल्लीपाली-मल्लीपाली मार्ग
- अंबेडकर-रिखोली मार्ग
- रातीघाट-बुधलाकोट मार्ग
- कांडा-डॉन-परेवा
- चमरियाल-लोहानी
- ढोली गांव-कैड़ागांव
- हरीशताल मोटर मार्ग
- देवीपुरा-सौड़
- सलियाकोट-अनर्पा मार्ग

सबसे ज्यादा हल्द्वानी और सबसे कम रामनगर में बरसे बदरा

हल्द्वानी : जिले में औसत बारिश 95 मिमी हुई। जनपद में सबसे ज्यादा बारिश हल्द्वानी में 147 मिमी हुई। फिर कालाढूंगी में 112, मुक्तेश्वर में 107 .4, बेतालघाट में 105, नैनीताल में 98 .5, कैंचीधाम में 97 .3, खनस्यूं में 90 और सबसे कम रामनगर में 21 .4 मिमी बारिश हुई। क्रमिक वर्षा 624 .58 और औसत वर्षा 95 .9 मिमी हुई।

गौला का जल स्तर चेतावनी के निशान से ऊपर

हल्द्वानी : जिले में लगातार हो रही बारिश से नदियों ने भी रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। गौला नदी का जल स्तर 12408 क्यूसेक रहा जो कि चेतावनी स्तर से 2408 क्यूसेक ज्यादा है। वहीं, कोसी का जल स्तर 29524 क्यूसेक चेतावनी से 19524 क्यूसेक ज्यादा रहा है। नंधौर नदी का जल स्तर 9873 क्यूसेक आंका गया है जोकि चेतावनी स्तर के आसपास ही है। नंधौर नदी में पानी से आसपास के गांवों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

उफान पर नदी-नाले यातायात प्रभावित

रामनगर : बारिश के चलते कोसी नदी समेत सभी नदी-नाले उफान पर रहने से कई स्थानों पर यातायात प्रभावित हुआ। कोसी नदी में बुधवार के तड़के चार बजे तक कोसी नदी में बैराज से में 38 हजार क्यूसेक पानी मापा गया। जोकि दोपहर में घटकर 18 हजार क्यूसेक था। सुबह के समय धनगढ़ी नाले के उफान पर रहने के कारण दोपहर तक रामनगर का कुमाऊं-गढ़वाल से संपर्क कटा था। प्रशासन ने बेरियर लगाकर वाहनों की आवाजाही को रोक दिया। एसडीएम रामनगर प्रमोद कुमार ने आपदा संभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया।

प्रशासन व वन विभाग ने नंधौर नदी से हुए भूकटाव का किया निरीक्षण

हल्द्वानी : जिला प्रशासन व वन विभाग की संयुक्त टीम ने नंधौर नदी के जलस्तर में वृद्धि होने से हो रहे भूकटाव का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग को चैनलाइजेशन के निर्देश दिए। एसडीएम राहुल शाह व तराई पूर्वी वन डिवीजन के एसडीओ संतोष पंत ने सर्वप्रथम नंधौर नदी से आबादी की ओर हो रहे भूकटाव का जायजा लिया। फिर उन्होंने आमखेड़ा, मुखानी खड़कू, बिहारी नगर एवं आस-पास के क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण किया और स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम ने बताया कि नंधौर नदी के तेज प्रवाह से कुछ स्थानों पर वन भूमि का कटाव किया हालांकि काश्तकार इस भूमि का उपयोग खेतीबाड़ी के लिए कर रहे हैं। अभी तक राजस्व भूमि प्रभावित नहीं हुई है। प्रशासन ने नुकसान का प्रारंभिक आकलन के लिए राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग को नंधौर नदी में सुरक्षात्मक काम एवं चैनलाइजेशन के लिए निर्देश दिए हैं ताकि और नुकसान को रोका जा सके। इसी के साथ रिपोर्ट डीएम को सौंपी जा रही है ताकि ठोस व दीर्घकालिक योजना बनाई जा सके। इस दौरान नायब तहसीलदार दयाल चंद्र मिश्रा आदि रहे।

पालिकाध्यक्ष ने प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : लगातार हो रही वर्षा से भीमताल की व्यवस्था बेपटरी हो गई है। नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने अधिकारियों और सभासदों के साथ भीमताल नगर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। नगर क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था खासी प्रभावित हुई है। कई स्थानों पर दीवार गिरने के मामले सामने आए हैं।

पालिकाध्यक्ष ने मलबा आने से क्षतिग्रस्त वार्ड नंबर-3 बिलासपुर नौल बिजौली की पेयजल लाइन व क्षतिग्रस्त संपर्क मार्ग का निरीक्षण किया। मल्लीताल क्षेत्र में वार्ड संख्या 7 और 8 में नलों में मलबा आने से जलभराव हो गया था। तत्काल मलबा हटाने के निर्देश दिए गए। पालिकाध्यक्ष ने सतर्कता बरतने की अपील की है। सभासद रामपाल सिंह गंगोला, दीपक आर्य, शुभम नैनवाल, योगेश कुमार रहे।

नगर क्षेत्र का निरीक्षण करतीं पालिकाध्यक्ष।

लैप्रोस्कोपी ऑपरेशन करने का प्रशिक्षण दिया

हल्द्वानी : मेडिकल कॉलेज के स्त्री व प्रसूति रोग विभाग की ओर से दो दिवसीय कार्यशाला में महाराष्ट्र से आए चिकित्सकों ने स्त्री व प्रसूति रोगों का दूरबीन विधि (लैप्रोस्कोपी) से ऑपरेशन करने का प्रशिक्षण दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. गोदावरी जोशी ने बताया अनुभवी संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों को जटिल ऑपरेशनों की तकनीक सिखाई। इससे क्षेत्रीय व दूरदराज के मरीजों को लाभ मिलेगा, जिन्हें पहले इस प्रकार के ऑपरेशन के लिए एम्स या दिल्ली जैसे बड़े शहरों में जाना पड़ता था। यह तकनीक डॉक्टरों को अधिक सटीकता से ऑपरेशन करने में मदद करती है। इस दौरान प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी, एमएस डॉ. जीएस तितियाल, डॉ. एके सिन्हा, डॉ. महिमा रानी, डॉ. सुरभि गुप्ता रहे।

रोजगारपरक कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने के निर्देश

संवाददाता, हल्द्वानी

- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने मुख्यमंत्री धामी से मुलाकात की
- मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी हासिल की

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने बीते सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी ली और विशेष रूप से दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और रोजगारपरक कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

प्रो. लोहनी ने विश्वविद्यालय की ओर से तैयार की गई प्रचार सामग्री मुख्यमंत्री को प्रस्तुत की और राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों तक पहुंच बनाने के लिए चलाए जा रहे प्रचार अभियान की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय रेडियो, सोशल मीडिया, विभागीय वीडियो और प्रचार टीमों के माध्यम से राज्यभर में सक्रिय प्रचार-प्रसार कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इससे पहले उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की थी।

यूओयू की परीक्षाएं हुईं स्थगित, अब 4 और 8 सितंबर को होंगी परीक्षाएं

हल्द्वानी, अमृत विचार : पूरे राज्य में बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने बुधवार को द्वितीय पाली की परीक्षा से लेकर आज गुरुवार की सभी पाली की परीक्षाएं स्थगित कर दीं हैं। अब बुधवार की द्वितीय और तृतीय पाली की परीक्षाएं 4 सितंबर और आज की सभी पाली की परीक्षाएं 8 सितंबर को संपन्न होंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. सोमेश कुमार ने बताया कि प्रदेशभर में विभिन्न जगह बारिश से हो रही दिक्कतों के चलते परीक्षाएं स्थगित की गई हैं। उन्होंने बताया कि सभी शेष परीक्षाएं अगले माह आयोजित की जाएंगी।

फिल्टर प्लांट को नहीं गया पानी, जल संकट

संवाददाता, हल्द्वानी

- फिल्टर प्लांट पर निर्भर आबादी को नहीं मिला पानी

अमृत विचार : गौला बैराज में पानी ज्यादा होने की वजह से शीशमहल स्थित फिल्टर प्लांट को पानी नहीं दिया गया। शहर में हजारों की आबादी को पेजयल सप्लाई बंद हो गई।

फिल्टर प्लांट से शहर की बड़ी आबादी को पानी की सप्लाई होती है। शीशमहल, दमुवाढूंगा, बमौरी, ब्यूराखाम, पॉलीशीट, मुख्य बाजार, सुभाष नगर, आवास विकास इलाकों में इससे पानी की सप्लाई होती है। अभी तक हो रही बारिश से बैराज में सिल्ट की मात्रा बढ़ गई थी जिस वजह से लोगों के घरों में पानी तो आ रहा था लेकिन उसमें प्रेशर बहुत ही कम था। इधर बैराज का जलस्तर बढ़ने के बाद बुधवार को सभी छह गेटों को खोलना पड़ा और फिल्टर प्लांट को पानी की आपूर्ति ठप हो गई। पूरे दिन फिल्टर प्लांट के लिए पानी नहीं दिया गया। गुरुवार को भी यही हाल रहने के आसार हैं। अधिकारियों के अनुसार बैराज का जलस्तर पांच हजार क्यूसेक तक पहुंचने के बाद स्थिति सामान्य हो जाती है लेकिन अभी भी बारिश हो रही है। जल संस्थान के जेई सतीश बिष्ट ने बताया कि फिल्टर प्लांट को जैसे ही पानी मिलना शुरू हो जाएगा, पेयजल आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

चेतावनी | 18 घंटे के लिए जारी हुआ भारी बारिश का रेड अलर्ट, राज्य के कई हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश

रहें सावधान : जनपद में आज सुबह 9 बजे तक रेड अलर्ट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने राज्य में 18 घंटे के लिए भारी से भी अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया। यह रेड अलर्ट बुधवार के अपराह्न तीन बजे से गुरुवार की सुबह 9 बजे तक के लिए जारी किया गया। पूरे राज्य में कई स्थानों पर मूसलाधार बारिश दर्ज की गई है।

राज्य में मूसलाधार बारिश का क्रम जारी है। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक बारिश हो रही है। कहीं बहुत ही तेज बारिश हो रही है तो कहीं रिमझिम बारिश हो रही है। हालत यह हैं कि राज्य में पिछले तीन दिनों से ढंग से धूप नहीं निकली है। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार की सुबह ही पूरे राज्य में रेड अलर्ट जारी किया था। इसका असर गुरुवार की सुबह नौ बजे तक रहेगा।

इसके अलावा पूरे राज्य में अभी बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। 10 अगस्त तक राज्य में बारिश का अलर्ट है। यह अलर्ट रेड अलर्ट में भी बदल सकता है। प्रशासन ने सलाह दी है कि बहुत ही जरूरी होने पर यात्रा करें और इस समय सतर्क रहें।

हल्द्वानी में 147 मिमी वर्षा

हल्द्वानी : पूरे नैनीताल जिले में मूसलाधार बारिश हो रही है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार हल्द्वानी में 147 मिमी बारिश दर्ज की गई है। शहर में मंगलवार की पूरी रात बारिश होती रही। सुबह 11 बजे तक बारिश रुकी है। हालांकि आसमान में काले बादल छाए रहे। कालाढूंगी में 112 मिमी, मुक्तेश्वर में 107 .4 मिमी, नैनीताल में 98 .5 मिमी, कैंचीधाम में 97 .3 मिमी, खनस्यू में 90 मिमी बारिश हुई है। हल्द्वानी में तापमान में भारी गिरावट आई है।

गौला नदी खतरे के निशान से ऊपर

हल्द्वानी : बारिश की वजह से गौला नदी खतरे के निशान से ऊपर आ गईं हैं। गौला बैराज में बुधवार की शाम जलस्तर 12615 क्यूसेक रहा। जो खतरे के निशान से 2615 क्यूसेक ज्यादा है। नदी का जलस्तर बुधवार सुबह से बढ़ने लगा। नंधौर नदी का जलस्तर 9873 क्यूसेक दर्ज हुआ है।

नैनीताल जिले में 23 सड़कों पर यातायात बंद

हल्द्वानी : बारिश, भूस्लखन, मलबा आने और नालों के उफान पर आने की वजह से नैनीताल जिले में कुल 23 सड़कें बंद हैं। इन्हें खोलने का प्रयास किया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार क्वराब से ज्योलीकोट, रामनगर से बुआखाल, हल्द्वानी से चोरगलिया, भुजान से बेतालघाट, गर्जिया से बेतालघाट, शीतला से छतौला, मौना ल्वेसाल से कालापताल, काठगोदाम से हैड़ाखान, सेनिटोरिया से सिरोड़ी, नलनी मोटर मार्ग, हरतपा हली मार्ग, लमजाला मार्ग, बजून से अक्सू, फतेहपुर से बेल मोटर मार्ग, भुजियाघाट से सूर्यागांव, रामनगर से भंडारपानी, कांडा से परेवा, देवीपुरा से सौड़, गर्जिया से खैरना, छिड़ाखान से अमजड़, कोटाबाग से देवीपुरा और सलियाकोट से अनर्पा मार्ग बंद हैं।

प्रशासन ने 100 से अधिक लोगों को अंबेडकर पार्क में किया शिफ्ट

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार : नगर से सटे हुए क्षेत्र में जलभराव होने पर प्रशासन ने 100 से अधिक लोगों को उनके घरों से लालकुआं अंबेडकर पार्क में शिफ्ट किया है। प्रभावित परिवारों को भोजन के साथ ही उनकी चिकित्सकीय जांच भी कराई गई है।

तहसीलदार लालकुआं कुलदीप पांडे, कानूनगो मनोज कुमार, उप राजस्व निरीक्षक पूजा रानी, लक्ष्मी नारायण यादव, ईओ राहुल कुमार सिंह आदि ने वीआईपी गेट और खड्डी मोहल्ला क्षेत्र से 100 से अधिक लोगों को सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल की बसों से लालकुआं वार्ड नंबर एक स्थित अंबेडकर पार्क में शिफ्ट किया है। तहसीलदार ने बताया कि उन्होंने बिंदुखत्ता और गौला नदी क्षेत्र का अभी निरीक्षण किया है, जहां स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। अंबेडकर पार्क में रह रहे लगभग 100 से अधिक लोगों को भोजन कराने के साथ ही उन्हें कपड़े और उनकी चिकित्सकीय जांच उप जिलाधिकारी रेखा कोहली द्वारा कराई गई।

अंबेडकर पार्क में शिफ्ट किए लोगों को कपड़े वितरित करतीं एसडीएम एवं तहसीलदार।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 7 अगस्त 2025

रुद्रपुर

भगन्दर, बवासीर

सभी प्रकार के बार-बार ऑपरेटेड
Complex Fistula (जटिल भगन्दर)
पाइल्स तथा एनल फिसर एवं
Anal Stenosis की क्षार सूत्र द्वारा
पूर्ण सफल चिकित्सा

सुश्रुत क्लीनिक
क्षार चिकित्सा गुदा एवं वृहदांत्र रोग
[COLO-RECTAL-CENTER]
28.बी, एकता नगर
स्टेडियम रोड, बरेली
9897030475
9411221895
7060162071

डॉ. लालता प्रसाद (सर्जन)
B.sc., B.A.M.S., D.Ay.M. सर्जरी
(I.M.S), (B.H.U.) वाराणसी
गुरू /प्रोफेसर - राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ
आयुष मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली
भू.पू. वरिष्ठ लेक्चरार
एस. आर. एम. स्टेट आयु कॉलेज, बरेली
Life-Member Association of Anaesthetists of Indian Medicine
45 वर्षो का कुशल अनुभव

डॉ. अभय प्रकाश (सर्जन)
B.A.M.S., M.S सर्जरी
क्षार सूत्र एवं गुदा रोग विशेषज्ञ

बाल गुदा रोग विशेषज्ञ व समस्त गुदा रोग भगन्दर, बवासीर, ऐनल फिसर रेक्टल पालिप, पाइलोनिडल साइनस, कोलाइटिस

गुदा रोगों के लक्षण
मलद्वार से खून मवाद आना गांठ का मल द्वार से बाहर निकलना मल द्वार के आस पास बार-बार फोड़ा बनना एवं फूटना, बार-बार मल त्याग करना, मल द्वार में दर्द एवं खुजली होना

समय
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायं 7:00 से 8:00 बजे तक
रविवार
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायंकाल अवकाश

मंगलम व बीकानेर स्वीट्स पर खाद्य विभाग का छापा

दोनों ही दुकानों से उठाए नमूने, मंगलम फर्म में दूसरी बार चेकिंग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : रक्षाबंधन त्यौहार को देखते हुए खाद्य विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने शहर के नामचीन स्वीट्स एवं फास्ट फूड फर्म पर छापामार कार्रवाई की और दोनों ही फर्म के खाद नमूने जांच को भेजे। जबकि मंगलम स्वीट फर्म पर खाद विभाग ने दूसरी बार छापेमारी की। इससे पहले हुई कार्रवाई में फर्म के खिलाफ मुकदमा भी पंजीकृत हुआ था।

बुधवार को खाद्य आयुक्त उत्तराखंड शासन और जिलाधिकारी नितिन भदौरिया के आदेश पर सहायक आयुक्त खाद्य संरक्षा / जिला अभिहित अधिकारी ललित कुमार पांडेय और थाना प्रभारी ट्रांजिट कैंप मोहन चंद्र पांडेय के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया और नैनीताल हाईवे स्थित नामचीन मंगलम स्वीट्स एवं फास्ट फूड की फैक्ट्री पहुंचे। जहां टीम को निर्मित स्थल पर खाद पदार्थों में कुछ संदेह हुआ। जिसके आधार पर मंगलम स्वीट्स फर्म से खोया का एक, काजू टुकडा का एक, मैदा का एक और कला कंद का एक नमूना जांच के लिए सील मोहर बंद किया गया। बता दें कि जुलाई में भी खाद्य विभाग की टीम ने मंगलम स्वीट्स में छापेमारी कर खाद्य नमूने जांच को भेजे थे। जांच रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों में कई खामियां पाई गई थीं। जिसके आधार पर फर्म के खिलाफ मुकदमा भी पंजीकृत हुआ था। दूसरी कार्रवाई करते हुए संयुक्त टीम बीकानेर स्वीट्स एवं फास्ट फूड की फर्म पहुंची और वहां भी संदेह होने पर दो नमूने काजू कतली व पेड़ा के लिए और सील मोहर बंद करते हुए सैंपल को एफएसएसए लैब जांच के लिए भेज दिया है। अब देखना यह है कि क्या मंगलम स्वीटस पर एक बार कार्रवाई होने के बाद दूसरी जांच रिपोर्ट में क्या आता है। इस मौके पर तहसीलदार दिनेश कुटोला,वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अपर्णा साह,खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशा आर्या,सिडकुल चौकी प्रभारी जीडी भट्ट आदि मौजूद रहे।

स्वीट्स फर्मों से सैंपल लेती खाद्य विभाग की टीम। ● अमृत विचार

> खाद सचिव उत्तराखंड शासन और डीएम के आदेश पर नैनीताल हाईवे स्थित मंगलम एवं बीकानेर स्वीट्स फर्मों पर छापामार कार्रवाई की है। छह जुलाई 2025 को भी खाद सुरक्षा अधिकारी आशा आर्या ने मंगलम स्वीट्स में छापा मारा था और जांच रिपोर्ट में खामियां मिली थीं। जिसके आधार पर एफएसएसए 2006 की धारा 56 के तहत एडीएम वित्त की अदालत में मुकदमा दर्ज किया गया था। बुधवार को दो फर्मों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी **-एलएम पांडेय**, सहायक खाद्य आयुक्त

भौतिक विज्ञान के छात्रों की कैरियर काउंसलिंग की

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान के 40 छात्र-छात्राओं की कैरियर काउंसलिंग की गई।

बुधवार को महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'कक्षा से परे भौतिकी में करियर की खोज' नामक शीर्षक के तहत करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ हरेंद्र सिंह बोहरा, असिस्टेंट प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड साइंस, भीमताल ने व्याख्यान दिया। उन्होंने भौतिक विज्ञान विषय के साथ डिग्री प्राप्त करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों जैसे शोध, अनुसंधान, विकास, अंतरिक्ष विज्ञान, संगणक भौतिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इंजीनियरिंग, उद्योग, चिकित्सीय भौतिकी, शिक्षण, विज्ञान प्रसार आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने अन्य क्षेत्रों जैसे जलवायु विज्ञान, नैनो टेक्नोलॉजी, नवीकरणीय ऊर्जा, जैव भौतिकी, डाटा साइंस आदि क्षेत्रों में भी भौतिक विज्ञान की उपयोगिता व नौकरी प्राप्त करने के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम के रूबेन वेदी, बीएससी प्रथम सेमेस्टर से सुरभि, निशा, अहमद रजा, मनीष चौहान, बलजोत सिंह, शोध छात्रा रिया गोला आदि सहित कुल 40 प्रतिभागी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आयोजन सचिव डॉ. रेणुका चौहान, डॉ. महेंद्र जोशी, असिस्टेंट प्रोफेसर भौतिक विज्ञान डॉ. अर्चना भट्ट आदि मौजूद रहे।

34 अधिवक्ताओं ने की अपनी दावेदारी

नामांकन पत्र जमा करने के आखिरी दिन दावेदारी करते अधिवक्ता।

संवाददाता, रुद्रपुर

- बुधवार था नामांकन जमा करने का अंतिम दिन
- नाम वापसी के बाद जारी होगी फाइनल सूची

अमृत विचार : जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में नामांकन पत्र जमा करने के आखिरी दिन अध्यक्ष पद सहित 34 अधिवक्ताओं ने अपनी दावेदारी पेश की और कई पदों पर अपना नामांकन प्रपत्र मुख्य चुनाव अधिकारी के सामने पेश किया। अब देखना यह है कि प्रपत्र जांच व नाम वापसी की तिथि तक कोई दावेदार बैठता है या फिर सभी दावेदार मजबूती के साथ चुनाव लडेंगे।

मुख्य चुनाव अधिकारी नवीन चंद अधिकारी ने बताया कि जिला बार एसोसिएशन कार्यकारिणी चुनाव की छह अगस्त नामांकन पत्र जमा करने की आखिरी तिथि थी। शाम चार बजे तक अध्यक्ष पद पर तीन, उपाध्यक्ष पर दो, कलेक्ट्रेट उपाध्यक्ष पर एक, सचिव पर तीन, उपसचिव पर पांच, कोषाध्यक्ष पर चार, लेखा परीक्षक पर दो, पुस्तकालय अध्यक्ष पर तीन, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पर पांच और कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पर भी पांच अधिवक्ताओं ने अपनी दावेदारी पेश की। उन्होंने बताया कि सात अगस्त की दोपहर 12 बजे से चार बजे तक नामांकन प्रपत्रों की जांच, आठ अगस्त की दोपहर दो बजे से चार बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। उसके बाद ही दावेदारों की फाइनल सूची जारी की जाएगी।

मेलाघाट व्यापार मंडल की चुनाव प्रक्रिया शुरू

- अध्यक्ष पद के लिए एक नामांकन

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उद्योग व्यापार मंडल आंबेडकर नगर मेलाघाट की चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन के पहले दिन एक प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया जबकि 11 संभावित प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र खरीदा है। पांच पदों के लिए मतदान 17 अगस्त को होगा।

मेलाघाट व्यापार मंडल चुनाव संपन्न कराने के लिए वरिष्ठ व्यवसायी रामचंद्र को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। चुनाव अधिकारी रामचंद्र की देखरेख में बुधवार को व्यापार मंडल के पांच पदों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, सचिव और कोषाध्यक्ष के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के पहले दिन अनिल कुमार ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया जबकि 11 संभावितों ने नामांकन पत्र खरीदा। यह भी बताया कि नामांकन बृहस्पतिवार को भी कराए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच आठ को और चुनाव चिह्न का आवंटन 10 अगस्त को होगा। चुनाव अधिकारी रामचंद्र ने बताया कि मतदान 17 अगस्त को प्रातः आठ से दो बजे तक होगा और चार बजे से मतगणना होगी।

मेलाघाट में व्यापार मंडल चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करता प्रत्याशी।

किराना स्टोर में धधकी भीषण आग

- आवास विकास इलाके की है घटना, फायर फाइटर्स पहुंचे, बुझाई आग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : आवास-विकास चौकी इलाके में स्थित एक किराना स्टोर की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने गोदाम में रखा सारा सामान जला दिया। सूचना मिलने पर फायर फाइटर्स मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार आवास विकास निवासी विपिन चंद्र भट्ट की कुछ ही दूरी पर किराना स्टोर की दुकान है। रोजमर्रा की भांति दुकान स्वामी दुकान पर पहुंचे और साढ़े 11 बजे जब एक ग्राहक द्वारा नमकीन का पैकेट मांगने पर गोदाम में गए तो देखा कि गोदाम के अंदर आग लग चुकी थी। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। सूचना मिलने पर व्यापारी नेता व दमकल विभाग की गाड़ी में घटनास्थल पहुंची और थोड़ी देर बाद ही आग पर काबू पाया गया। दुकान स्वामी ने बताया कि अग्निकांड से गोदाम में रखा करीब तीन लाख से अधिक का सामान जलकर राख हो गया। आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी।

अग्निकांड स्थल पर खड़ी दमकल की टीम। ● अमृत विचार

गृह स्वामी की गैरमौजूदगी में घर में चोरों का धावा

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में गृह स्वामी की गैर मौजूदगी में चोरों ने घर में कीमती सामान चुरा लिया। गृह स्वामी जब लौटा तो उसे घटना की जानकारी हुई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में ग्राम आनंदपुर, कोतवाली किच्छा निवासी रमेश कुमार पाल ने बताया कि उसके पिता नत्थू लाल करीब दो माह पूर्व अपने छोटे भाई कमलकांत पाल के छतरपुर, नई दिल्ली स्थित आवास पर गए थे। इस दौरान उनके ग्राम आनंदपुर वाले मकान पर ताला लगा हुआ था। बताया कि उसके पिता जब अपने छोटे भाई के साथ घर वापस लौटे तो घर के मुख्य द्वार का ताला लगा हुआ था, लेकिन घर के अंदर सभी कमरों तथा अलमारी के ताले टूटे हुए थे और घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। बताया कि चोरों ने घर में रखा लाखों रुपये कीमत का सामान एवं नगदी जेवर चुरा लिए और मौके से फरार हो गए। पीड़ित गृह स्वामी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुरज कुमार व पुत्रवधू रेखा दोनों का व्यवहार मेरे परिवार के साथ सही न होने के कारण मेरे व मेरे परिवार के समस्त सदस्यों ने अपने-अपने संबंध विच्छेद कर लिये है। सूरज कुमार व रेखा का मेरा व मेरे परिवार का कोई सरोकार वास्ता नहीं रह गया है। **मंगत राम पुत्र श्री गहला राम, निवासी मझरा झुन्नी, सकैनिया, गदरपुर, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखंड)।**

वॉलीबॉल में डायनेस्टी को मिला कांस्य पदक

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: सीबीएसई द्वारा आयोजित क्लस्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म के छात्रों ने कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

जेएमएस पब्लिक स्कूल हापुड़ यूपी में 31जुलाई से 4 तक आयोजित अंडर-19 वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्रों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया और उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। आयोजक मंडल द्वारा विद्यार्थियों को कांस्य पदक, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने विद्यार्थियों सहित खेल प्रशिक्षक भरत बिष्ट को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आइवन, हरीश भट्ट, दिगंबर भट्ट, सुरेश ओली, अशोक जोशी, सुरेंद्र रावत, मनीष ठाकुर, हेमलता बोरा, शिल्पा सक्सेना, लिंसी त्यागी, दीपा भट्ट, दीपा डसीला, सचिन तिवारी, रमेश जोशी, गिरीश जोशी, ललित मोहन कापड़ी, माया जोशी, मंजू चंद, नरसिंह कुंवर, चामू दानू, बालकृष्ण थापा आदि मौजूद रहे।

11 से शुरू होगी राज्य स्तरीय शतरंज स्पर्धा

किच्छा : देवभूमि शतरंज संघ के तत्वावधान में 11 अगस्त से तीन दिवसीय ओपन व महिला वर्ग की राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन लालपुर स्थित भारतीयम पब्लिक स्कूल में किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए शतरंज संघ के महासचिव संजीव चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के बालक- बालिका प्रतिभाग करेंगे तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शीर्ष स्थान पाने वाले चार खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ससुराल आए युवक पर साढ़ू ने हमला कर किया घायल

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: ससुराल गए युवक के साथ उसी के साढ़ू ने रास्ते में घेरकर गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। घटना में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया और पीड़ित ने मौके से भाग कर अपनी जान बचाई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना पुलिस को दी शिकायत में संजय नगर, थाना लालकुआं निवासी विनोद कुमार ने कहा कि विगत 22 जुलाई को वह पुलभट्टा थाना अंतर्गत जीरोबन्दा क्षेत्र में अपने ससुराल आया था और रात्रि करीब 8 बजे घर के बाहर टहल रहा था। पीड़ित के अनुसार इसी दौरान डैम के ऊपर खड़े पीड़ित के सांढू स्थानीय निवासी अमरीक सिंह उर्फ विक्की ने पीड़ित को बिना वजह गाली देना शुरू कर दिया। पीड़ित में बताया कि उसने साढू अमरीक सिंह से डैम से नीचे उतरकर बात करने तथा गाली गलौज करने का कारण पूछा। आरोप लगाया कि डैम से नीचे आए आरोपी अमरीक सिंह ने नीचे आते ही पीड़ित के साथ मारपीट शुरू कर दी और हमला कर पीड़ित को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी अमरीक सिंह भविष्य में जान से मारने की धमकी देता हुआ मौके से फरार हो गया।

वेयर हाउस का निरीक्षण करते एडीएम। ● अमृत विचार

एडीएम ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

रुद्रपुर : ईवीएम मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए एडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयर हाउस का मौका मुआयना किया और सुरक्षा अधिकारी को आदेशित किया। उन्होंने आदेशित किया कि सुरक्षा को लेकर समय समय पर चेक किया जाए और खामियां मिलने पर तत्काल दुरुस्त की जाएं। बुधवार को एडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कौस्तुभ मिश्रा, सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र अधिकारी के साथ ईवीएम वेयर हाउस पहुंचे और सबसे पहले एंट्री रजिस्ट्री को देखा। इसके बाद एडीएम ने वेयर हाउस परिसर का स्थलीय निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी कैमरों और अग्निशमन यंत्रों की वर्तमान स्थिति को देखा। उन्होंने कहा कि ईवीएम मतदान प्रक्रिया का अहम उपकरण है। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया का डाटा भी रहता है। ऐसे में ईवीएम मशीनों की सुरक्षा अहम है। उन्होंने आदेशित किया कि समय समय पर सुरक्षा को लेकर निरीक्षण किया जाए और तत्काल ठीक भी किया जाएं।

मिलावटी पेट्रोल से तीन वाहनों के इंजन खराब

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: नगर के बिज्टी चौराहे पर हाल ही में शुरू हुए एचपी के एक नवनिर्मित पेट्रोल पंप पर लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। यहां पेट्रोल के टैंक में पानी की मिलावट पाए जाने से तीन वाहनों के इंजन जलकर खराब हो गए।

पीड़ित करण सिंह, तरुण शाह, सोनू राणा ने आरोप लगाए कि यहां से तेल डलवाने से वाहन 2 किलोमीटर चलने के बाद बंद हो गए और वाहनों के इंजन बुरी तरह से खराब हो गए। जैसे ही उपभोक्ताओं को इसकी भनक लगी, पंप पर भारी हंगामा शुरू हो गया। नाराज वाहन मालिकों ने पंप पर खड़े होकर जमकर नारेबाजी की और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही आपूर्ति निरीक्षक केके बिष्ट और रिहाना कुरैशी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टैंकों से पेट्रोल के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि प्राथमिक तौर पर पेट्रोल में पानी की मात्रा पाई गई है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पेट्रोल में मिलावट के कारण उन्हें हजारों रुपये का नुकसान हुआ है, और यह सीधा उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल पंप पर जांच करते पूर्ति निरीक्षक केके बिष्ट और रिहाना कुरैशी। ● अमृत विचार

रुद्रपुर में जलमग्न हुआ जगतपुरा का इलाका। ● अमृत विचार

रुद्रपुर में कॉलोनियों में भरा कल्याणी नदी का पानी। के ● अमृत विचार

रुद्रपुर के मुख्य बाजार में जलभराव के बाद लगी बैरिकेडिंग। ● अमृत विचार

कल्याणी उफनाई, हालात बेकाबू, प्रशासन हुआ अलर्ट

रुद्रपुर में सैकड़ों घर हुए जलमग्न, खाली कराया गया इलाका, बनाए गए राहत कैंप, मेयर विकास शर्मा ने किया निरीक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : 48 घंटे हो रही मूसलाधार बारिश के बाद अचानक देर रात्रि को कल्याणी नदी का जलस्तर बढ़ गया और नदी किनारे के घर जलमग्न हो गए। इलाके में लगातार बढ़ रहे जलस्तर को देख सैकड़ों परिवार भयभीत हो गए और देर रात्रि को ही अपना घर छोड़कर पलायन करने लगे। सुबह तड़के ही जिला एवं नगर निगम प्रशासन भी अलर्ट हुआ और नजदीकी सरकारी स्कूलों को राहत कैंप बनाया गया। जहां लोगों को घरों से निकालकर कैंप तक पहुंचाया गया। साथ ही हिदायत दी कि बिना अनुमति के कोई भी परिवार अपने घर नहीं लौटेगा।

बताते चलें कि मौसम विभाग की चेतावनी के बाद तराई भाबर में पिछले 48 घंटे से मूसलाधार बारिश का प्रकोप जारी है। मंगलवार की शाम तक स्थिति बेकाबू नहीं थी, बुधवार की रात्रि ढाई बजे अचानक कल्याणी नदी ने अपना रौद्र रूप धारण कर लिया। जिसके बाद संजय नगर खेड़ा, जगतपुरा मुखर्जी, पहाड़गंज, दूधिया नगर के अलावा कल्याणी नदी किनारे इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई और देखते ही देखते पूरा इलाका जलमग्न होने लगा। घरों के अंदर पानी का बहाव आने लगा और जब लोग घरों से बाहर निकले तो कमर से ऊपर तक पानी का तेज बहाव था। जिसके बाद कुछ परिवारों ने तो रात्रि को ही अपना घर छोड़ दिया, लेकिन ज्यादातर सुबह होने व राहत दल के आने की प्रतीक्षा करने लगे, क्योंकि देर रात्रि होने के कारण कोई भी व्यक्ति जोखिम उठाना नहीं चाहता था। जैसे ही बुधवार की सुबह हुई वैसे ही मेयर विकास शर्मा, एमएनए नरेश दुर्गापाल और एसडीएम मनीष बिष्ट ने पैदल ही आपदा प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया और तत्काल नजदीकी ही सरकारी स्कूलों को राहत कैंप में तब्दील करने का आदेश दिया। जिसके बाद ही बाढ़ प्रभावित इलाकों के स्कूलों में लोगों को ले जाया गया और मेयर सहित निगम अधिकारियों ने कई स्थानों पर ट्रैक्टर की मदद लेकर फंसे लोगों को जल्द ही राहत दिलाने का आश्वासन दिया और देखते ही देखते कल्याणी नदी किनारे बसे इलाकों में अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। जिसके बाद जलभराव में फंसे लोगों को कंधों या फिर रस्सी के जरिए निकाला गया। फिलहाल अभी तक किसी के साथ अप्रिय घटना की कोई खबर नहीं है, लेकिन इतना जरूर है कि यदि बारिश का कहर लगातार जारी रहता है तो स्थिति बेकाबू हो जाएगी। ऐसे में प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में मुनादी करा कर लोगों को राहत कैंपों में जाने की सलाह दी।

ट्रैक्टर से इलाके का भ्रमण करते मेयर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

कल्याणी नदी में बहा किशोर, खोजबीन तेज

रुद्रपुर : बुधवार दोपहर अचानक पुलिस को खबर मिली कि रंपुरा बस्ती निचले इलाके का रहने वाला 17 वर्षीय किशोर कल्याणी नदी के बहाव में बह गया। लोगों का कहना था कि किशोर सूरज कोली घर के सामने खड़ा था कि अचानक तेज बहाव उसे बहा ले गया। वहीं खड़े युवकों ने आवाज मारकर लोगों को इकट्ठा किया। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार व एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और किशोर की खोजबीन की। बावजूद इसके किशोर का कोई सुराग नहीं लगा।

रुद्रपुर में निरीक्षण करते डीएम नितिन भदौरिया। ● अमृत विचार

डीएम ने रुद्रपुर, बाजपुर, काशीपुर का किया दौरा

रुद्रपुर : 48 घंटे की मूसलाधार बारिश के कारण कल्याणी नदी का जलस्तर बढ़ने पर डीएम नितिन भदौरिया ने अपनी टीम के साथ जलभराव प्रभावित इलाकों का भ्रमण किया और प्रभावितों को बनाए गए राहत कैंप में रखने का आदेश दिया। उन्होंने प्रभावित लोगों से भी मुलाकात की और खाद्य सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि ड्रोन कैमरे के माध्यम से जलभराव प्रभावित इलाकों और नदी किनारे बसे अतिक्रमणकारियों को भी चिह्नित करने का आदेश दिया। साथ ही हिदायत दी कि अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जगतपुरा स्थित विद्यालय पहुंचकर प्रभावितों का हाल जाना और बच्चों को बिस्कुट व पानी की बोतल भी वितरित की। इस मौके पर एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम मनीष बिष्ट, एमएनए नरेश दुर्गापाल व उप नगर आयुक्त शिप्रा जोशी आदि रहे। काशीपुर में डीएम नितिन भदौरिया और एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र हेमपुर-इमाईल के हिम्मतपुर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान 30 लोगों का रेस्क्यू कर राहत कैंपों तक पहुंचाया और पांच लोगों को पांच-पांच हजार रुपये आर्थिक सहायता दी। बाजपुर में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने बाजपुर के चकरपुर, इंदिरा कालोनी व अपर जिलाधिकारी ने झारखंडी का स्थलीय निरीक्षण किया।

बाजार में बैरिकेडिंग लगाई, रोकी आवाजाही

रुद्रपुर : लगातार हो रही बारिश के कारण जहां कल्याणी नदी किनारे इलाकों में हालात बेकाबू होने लगे थे। वहीं मुख्य बाजार, अग्रसेन चौक, गांधी पार्क, काशीपुर बाईपास मार्ग के अलावा कई बाजारी इलाकों में जलभराव हो गया। आलम यह थे कि बाजार में प्रवेश करनी वाली कार हो या फिर बाइक। सभी पानी में डूबने लगी थी। जिसको देखते हुए व्यापारी नेता संजय जुनेजा ने निगम को सूचना दी और मुख्य बाजार के मुख्य मार्ग के अलावा प्रवेश रास्तों पर बैरिकेडिंग लगाकर आवाजाही को रोक दिया।

बछड़े की मौत, बाढ़ में फंसे लोगों को निकाला

रुद्रपुर : आवास विकास-जगतपुरा वार्ड में सबसे ज्यादा इलाका प्रभावित हुआ है। जहां पानी में डूबकर एक बछड़े की मौत हो गई। वहीं सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री एवं किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ अपने वार्ड पार्षद पुत्र सौरभ राज बेहड़ के साथ प्रभावित इलाके पहुंचे और लोगों को आश्वासन दिया। इस दौरान पार्षद ने आवास विकास स्थित विद्यालय में बनाए गए राहत कैंप में 170 लोगों को पहुंचाया और खाने-पीने की व्यवस्था भी कराई।

सोशल मीडिया में दिखी नेताओं की सक्रियता

रुद्रपुर : नगर निगम के कल्याणी नदी इलाकों में हुए जलभराव के बाद जहां प्रशासन बेहद संजीदा दिखा। वहीं नेता भी अलर्ट रहे। उनकी सक्रियता सोशल मीडिया में ज्यादा देखने को मिली। सोशल मीडिया में विपक्षी नेता निगम के दावों की हकीकत दिखा रहे थे। वहीं सत्ताधारी नेता जनता का हितैषी बनने का दिखावा कर रहे थे। यही कारण है कि बुधवार की सुबह से ही नेता पानी में घुसकर लोगों को बाहर निकालते हुए फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड रहे थे।

> मंगलवार की देर रात्रि से प्रशासन बाढ़ प्रभावित इलाकों की निगरानी कर रहा है और सुबह होते ही बड़े पैमाने पर राहत कार्य प्रारंभ किया। सबसे ज्यादा जगतपुरा मुखर्जी नगर सहित कल्याणी नदी के इलाके प्रभावित हैं। उन इलाकों के सरकारी स्कूलों को राहत कैंप में तब्दील कर दिया है। 300 से 400 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम को अलर्ट कर दिया है। अभी तक जनहानि की कोई सूचना नहीं है। **-मनीष बिष्ट**, एसडीएम।

किच्छा में गौला नदी का निरीक्षण करते विधायक तिलक राज बेहड़।

विधायक बेहड़ ने हुसली नदी का निरीक्षण किया

किच्छा : कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ ने किच्छा क्षेत्र में भारी बरसात के कारण गौला नदी से हुए कटान एवं जल भराव वाले जल भराव वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किच्छा अंतर्गत ग्राम बंडिया स्थित नमक फैक्ट्री के निकट हुसली नदी पर बने पुल तथा पुरानी गल्ला मंडी स्थित गौला नदी पर बने रपटा पुल का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से उनकी समस्याएं जानीं। इसके अलावा उन्होंने नगर के तमाम क्षेत्रों का निरीक्षण करने के साथ ही स्थानीय निवासियों की समस्या सुनते हुए वर्षा ऋतु के कारण हो रही जल भराव संबंधी तथा जल निकासी की समस्याओं का अवलोकन किया। इस दौरान निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन कोली, ओमप्रकाश दुआ, गुरचरण सिंह, देवकी नंदन, संतोष रघुवंशी, अख्तर हाफिज, जमील अहमद, रामचंद्र, डिंपल सिंह आदि मौजूद रहे।

एसडीएम गौरव पांडे ने दिए आवश्यक निर्देश

किच्छा : उप जिलाधिकारी गौरव पांडे एवं तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण करने के साथ ही गौला नदी किनारे बसे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर लोगों को सतर्क किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान नदी में मछली पकड़ रहे लोगों की फटकार लगाते हुए नदी से दूर रहने की नसीहत दी। एसडीएम के निर्देश पर प्रशासन द्वारा लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी भी कराई जा रही है। एसडीएम पांडे ने प्रशासन द्वारा बनाई गई चौकियों का निरीक्षण कर टीम को सचेत रहने को कहा।

दानीबंगर- डोली वन मार्ग राहगीरों के लिए खोला

शक्तिफार्म : गत दो दिनों से अत्यधिक वर्षा होने के कारण, किशनपुर वन क्षेत्र के मध्य से गुजरने वाला हल्द्वानी- चोरगलिया मार्ग, स्टेट हाईवे 41 में नदी का जल स्तर बढ़ जाने के कारण, राहगीरों को हो रही परेशानियों को देखते हुए वन विभाग ने दानीबंगर डोली वन मोटर मार्ग को आम राहगीरों के लिए खोले जाने का निर्णय लिया। हल्द्वानी-चोरगलियां मोटर मार्ग में स्थित नदी नालियों का जल स्तर बढ़ जाने के कारण, हल्द्वानी से चोरगलिया, सितारगंज, शक्ति फार्म, नानकमत्ता, खटीमा आदि स्थानों से आने-जाने वाले राहगीरों को, काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राहगीरों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए, प्रभागीय वनाधिकारी तराई पूर्वी वनप्रभाग, हिमांशु बांगरी द्वारा राहगीरों की आवाजाही हेतु, वन मोटर मार्ग दानीबंगर से तुनीखाल को खोलने के दिशा निर्देश दिए गए। जिसके क्रम में वन क्षेत्राधिकारी किशनपुर घनानंद चनियाल द्वारा, दानीबंगर गेट से तूनीखाल गेट, राहगीरों की आवागमन के लिए खोल दिया गया। वन क्षेत्राधिकारी घनानंद चनियाल ने कहा कि, राहगिरो को असुविधा न हो, इसके लिए दानीबंगर गेट प्रभारी बालकिशन पांडे, वन दरोगा दिलीप सिंह कार्की एवं तूनीखाल गेट प्रभारी वेद प्रकाश सहयोग के लिए तैनात रहेंगे, साथ ही वन विभाग के अन्य कर्मी भी अपने-अपने क्षेत्र में राहगीरों एवं वन व वन्य जीवों को किसी प्रकार से हानि न पहुंचे इसके लिए सतर्क रहेंगे।

घर में पानी घुसने से फंसी 78 वर्षीय लक्ष्मी को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर ले जाती एनडीआरएफ टीम।

लेवड़ा नदी में आई बाढ़ के पानी में जलमग्न हुआ रेलवे अंडरपास व आसपास का क्षेत्र। ● अमृत विचार

बाजपुर में गड़प्पू नदी के उफनाने से ग्राम झारखंडी में घुसा बाढ़ का पानी। ● अमृत विचार

बाजपुर के सरकारी अस्पताल का जायजा लेते सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल।

धराली क्षेत्र की घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर

बाजपुर : उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में बादल फटने से आई प्राकृतिक आपदा के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने बाजपुर उपजिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और परिसर में हुई जलभराव की स्थिति को देखा। इस दौरान मातहतों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। बुधवार को दोपहर बाद बाजपुर पहुंचे सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल ने सरकारी अस्पताल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि उत्तरकाशी के धराली में हुई प्राकृतिक आपदा के चलते उच्चाधिकारियों से मिले निर्देशों पर जनपदभर के सभी कर्मचारियों-अधिकारियों के अवकाश निरस्त कर दिए हैं और उन्हें तुरंत ड्यूटी पर पहुंचने व अलर्ट मोड पर रहने एवं जनपद की सारी एंबुलेंस, जनरेटर इत्यादि में फ्यूल इत्यादि की पूरी व्यवस्था रखने के आदेश दिए हैं। आपदा को देखते हुए जनपद स्तर पर फिजिशियन, सर्जन, आर्थोपैडिक सर्जन आदि को मिलाकर दो टीमें गठित कर दी गई हैं, जो कहीं पर भी आवश्यकता पड़ने पर मौके पर पहुंचेंगी जिसमें उत्तरकाशी भी जाना पड़ा तो यह टीमें वहां जाकर अपनी सेवाएं देंगी। मौसम की स्थिति को देखते हुए सारी दवाइयां एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्थाएं दुरुस्त करवा दी गई हैं। बाजपुर अस्पताल में पानी भरा हुआ मिला है। जलजमाव वाले स्थानों पर जरूरी दवाइयां छिड़कवाई जाएंगी। उन्होंने डायरिया आदि से निपटने के लिए भी पूरी तैयारियां करने की बात कही है। इस मौके पर एसीएमओ हरेंद्र मलिक व डॉ. डीपी सिंह, बाजपुर के सीएमएम डॉ. पीडी गुप्ता, सीएमएस किच्छा डॉ. पंकज माथुर, डॉ. विनय यादव, चीफ फार्मेसिस्ट दलजीत सिंह गोराया आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में कई कॉलोनियां जलमग्न, लेवड़ा नदी का तटबंध टूटा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश से कई कॉलोनियों में जलभराव हो गया है जिससे प्रभावित परिवारों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। वहीं पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश के कारण लेवड़ा, गड़प्पू, गड़री आदि नदियां उफान पर आ गई हैं। भू-कटाव के चलते मेहता कॉलोनी के पास लेवड़ा नदी का तटबंध टूट गया है, जिससे कॉलोनी जलमग्न हो गई है। उफनाई लेवड़ा नदी की बाढ़ का पानी नैनीताल स्टेट हाईवे पर आ गया और मुख्यमार्ग का करीब एक किलोमीटर का दायरा नदी में तब्दील रहा जिससे आवागमन बंद हो गया तथा वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी हुई। 15वीं वाहिनी एनडीआरफ की महिला-पुरुष टीम द्वारा बाजपुर में राहत एवं बचाव कार्य करते हुए इंदिरा कॉलोनी, मेहता कॉलोनी में रेस्क्यू कर कई महिला-पुरुष व बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

पर्वतीय क्षेत्र के साथ ही तराई भाबर में हुई बारिश से नदी-नालों का जल स्तर एक बार फिर से बढ़ गया है। मंगलवार से लेकर बुधवार को दोपहर 11 बजे तक जमकर मेघा बरसे जिससे मोहल्ला शक्तिनगर, राजीवनगर, इंदिरा कॉलोनी, मेहता कॉलोनी, मोहल्ला बांकेनगर, भोना कॉलोनी, मझरा-प्रभु, चकरपुर, धनसारा, गुमसानी आदि में जलभराव हो गया। इन जगहों पर जलभराव की वजह से लोग काफी परेशान हैं तथा लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पर्वतीय क्षेत्र में हुई बारिश के कारण चूनाखान बरसाती नाले के पानी से लेवड़ा नदी में बाढ़ आ गई है और नैनीताल-बाजपुर मुख्यमार्ग पर बाढ़ व बारिश का पानी पहुंच गया है। लेवड़ा नदी पुल के दोनों ओर मुख्यमार्ग पर पानी नदी बनकर दौड़ता रहा जिससे राहगीरों व वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतें हुई। घरों, दुकानों पर बाढ़ का पानी घुस गया है जिसमें आमजन व व्यापारियों का सामान खराब होने से उन्हें काफी नुकसान हुआ है। बाजपुर पहुंचे एडीएम पंकज उपाध्याय के साथ ही एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा, तहसीलदार अक्षय कुमार भट्ट, ईओ मनोज कुमार दास आदि ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में घूम कर स्थलीय निरीक्षण किया। अभी तक किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। नदियों में अधिक पानी आने के चलते लोगों को सजग रहने को कहा है। एडीएम पंकज उपाध्याय ने मातहतों व सभी बाढ़ सुरक्षा चौकियों के प्रभारियों को भी सतर्क रहने के आदेश दिए गए हैं। वहीं पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते, भाजपा नेता गौरव शर्मा आदि ने भी नगर के गली-मोहल्लों में घूमकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया।

बाजपुर की मेहता कॉलोनी में बाढ़ का जायजा लेते एडीएम पंकज उपाध्याय।

बाजपुर के मोहल्ला गांधीनगर में घुसा बाढ़ का पानी। ● अमृत विचार

बाजपुर के उप जिला चिकित्सालय व आवासीय परिसर में भी जलभराव

बाजपुर : पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने के चलते नगर के मध्य स्थित उपजिला चिकित्सालय व आवासीय परिसर में बारिश से जलभराव हो गया है और चिकित्सकों-कर्मचारियों के साथ ही आवासीय कॉलोनी में रह रहे परिवार के सदस्यों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि हर साल चिकित्सालय के साथ ही पीछे बनी आवासीय कॉलोनी में पानी भरता है। समस्या के बारे में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन सुनवाई अभी तक नहीं हुई है। वहीं इस संबंध में समाजसेवी सौरभ परमार द्वारा एसडीएम व सीएमओ को ज्ञापन प्रेषित कर समस्या के समाधान की मांग की है। वहीं अस्पताल के सीएमएस डॉ. पीडी गुप्ता द्वारा नगरपालिका प्रशासन से पानी निकासी की मांग की है।

काशीपुर के हिम्मतपुर गांव में बाढ़ के पानी में नहाते बच्चे। ● अमृत विचार

काशीपुर में जलमग्न हुआ मुख्य बाजार। ● अमृत विचार

आफत की बारिश से काशीपुर का आधा इलाका जलमग्न

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में दिखा बारिश का कहर, जगह-जगह नहरें और नाले उफनाए, 177 एमएम बारिश दर्ज की गई

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: मंगलवार से शुरू हुई आफत की बारिश ने आधे काशीपुर को जलमग्न कर दिया। कहीं नदियों के उफान ने लोगों को रातभर सोने नहीं दिया तो कहीं नहरों और नालों के उफान ने कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न कर दी। स्थिति यह रही कि काशीपुर के अधिकतर इलाके पानी से जलमग्न दिखाई दिये।

पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश न केवल पर्वतीय क्षेत्रों बल्कि तराई क्षेत्रों में भी तबाही मचा रही है। नदियों के उफान से कई इलाके जलमग्न हो गये हैं। काशीपुर में मंगलवार से हो रही बारिश बुधवार सुबह तक जारी रही। काशीपुर में इस दौरान 177 एमएम बारिश दर्ज की गई। बारिश से शहर के कई वार्डों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सैनिक कॉलोनी, पशुपति बिहार, जसपुर खुर्द, साई धाम कॉलोनी, मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन रोड, रतन सिनेमा रोड, मो. किला, गड्ढा कॉलोनी, मालवा फार्म समेत कई अन्य वार्डों में जलभराव हो गया। इससे लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई वार्डों में खाली पड़े प्लॉट पानी से लबालब भर गये।

काशीपुर में महादेव नहर के ओवरफ्लो के चलते पलटा ई-रिक्शा। ● अमृत विचार

महादेव नहर के उफान से कई इलाकों में घुसा पानी

काशीपुर : बहल्ला नदी का पानी महादेव नहर में आने से यह उफान पर आ गई। इससे कई जगहों पर नहर का पानी ओवरफ्लो होकर नहर किनारे बसे इलाकों में घुसने लगा। डिफेंस कॉलोनी, श्यामपुरम समेत अन्य इलाकों में जबरदस्त जलभराव हो गया। लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो गये। लोग दिनचर्या का सामान लाने के लिये पानी से होकर गुजरते दिखाई दिये। पानी इतना ओवर फ्लो था कि सड़क से गुजरने वाले वाहन भी पानी के बहाव में बहने लगे। वहीं कुछ बच्चों के लेकर आ रहा एक ई-रिक्शा भी पानी के बहाव में पलट गया। हालांकि लोगों के मदद करने के बाद ई-रिक्शा और सवारियों को बाहर निकाला जा सका।

मानपुर नई बस्ती में घुसा पानी

ग्राम मानपुर नई बस्ती में नाले पर अतिक्रमण के चलते पानी गांव में घुस गया। जिससे वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में एक नाला था जिसका पानी ढेला नदी में जाता था। अब अतिक्रमण के चलते इस नाले का पानी काशीपुर के कई वार्डों में जा रहा है। कहा कि यदि इस नाले को पूर्व की तरह खोल दिया जाए तो शहर में जलभराव की आधी समस्या समाप्त हो जाएगी।

खोखरा मंदिर जाने वाली सड़क पर यातायात रुका

काशीपुर : महादेव नहर में आये पानी और कटाव के चलते खोखरा मंदिर जाने वाली सड़क में पानी आ गया। तेज बहाव के चलते कई दोपहिया वाहन चालक रुक गये। हालांकि चौपहिया वाहन चालक काफी मशक्कत बाद पार हो सके। दो पहिया वाहन चालकों ने बताया कि पार जाने के लिये दूसरा रास्ता खड़कपुर देवीपुरा से है, लेकिन वहां भी पानी है।

एसडीएम ने बाढ़ चौकियों का किया निरीक्षण

खटीमा : उपजिलाधिकारी तुषार सैनी ने बुधवार को राजस्व टीम के साथ सुबह सुनपहर बाढ़ चौकी और जलभराव संभावित क्षेत्रों का मौका मुआयना किया और तैनात कर्मियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। खाली महुवट के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान नेहा के घर आंगन और रास्ते में पानी भर गया जो वर्षा रुकने के बाद घट गया। बुधवार सुबह ग्राम कुटरी पचौरिया निवासी मनीराम का कच्चा मकान गिरने से खासा नुकसान हुआ है। तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवान ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया और पीड़ित परिवार को राशि प्रदान की।

काशीपुर में बहल्ला नदी के कटाव के बाद खेत में घुसता पानी। ● अमृत विचार

बहल्ला नदी के किनारों के कटाव से कई एकड़ फसल बर्बाद

काशीपुर : बहल्ला नदी के किनारों में कटाव होने से नदी का पानी कई एकड़ खेतों में घुस गया। जिससे किसानों के खेतों में लगी फसल पूरी तरह पानी से डूब गई। पानी के बहाव से कई एकड़ खेत पूरी तरह पानी में जलमग्न हो गये। किसानों के मुताबिक उन्हें खेतों में पानी घुसने से लाखों रुपयों का नुकसान हो गया है।

ढेला नदी का बढ़ा जलस्तर, लेकिन कोई हानि नहीं

काशीपुर : कोसी नदी के उफान में आने से रामनगर स्थित कोसी बैराज से पानी छोड़ा गया। जिससे काशीपुर से गुजरने वाली ढेला नदी का जलस्तर बढ़ गया। लेकिन जलस्तर बढ़ने के बाद भी ढेला नदी किनारे बसे लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा। हालांकि बुधवार दोपहर तक पानी का जलस्तर कम हो गया। वहीं प्रशासन के मुताबिक बुधवार को 3777 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जबकि 38 हजार क्यूसेक को चेतावनी लेवल और 48 हजार क्यूसेक पानी आने पर खतरनाक लेवल माना जाता है। प्रशासन के मुताबिक वर्तमान में ढेला नदी का जलस्तर सामान्य है।

हर साल बाढ़ का दंश झेल रहा हिम्मतपुर गांव

काशीपुर में हिम्मतपुर गांव का निरीक्षण करते एसडीएम और तहसीलदार।

कुंदन बिष्ट, काशीपुर

- पुलिया का निर्माण होने के बाद भी नहीं मिली राहत

अमृत विचार : हेमपुर-इस्माइल का हिम्मतपुर गांव हर साल बहल्ला नदी में आई बाढ़ का दंश झेल रहा है। पिछले साल भी बहल्ला नदी में बाढ़ आने से यहां के लोगों को रेस्क्यू सेंटर शिफ्ट किया गया। इसके बाद गांव में पुलिया बनाए जाने की मांग उठी थी। लेकिन पुलिया बनाने के बाद भी बाढ़ का कोई समाधान नहीं हो सका है।

ग्राम हिम्मतपुर का बहल्ला नदी में आने वाली बाढ़ से दशकों पुराना संबंध है। हर साल बहल्ला में बाढ़ आने की स्थिति में हिम्मतपुर गांव के निचले इलाके में रहने वाले परिवारों को बाढ़ का सामना करना पड़ता है। इससे ग्रामीणों को तो हजारों रुपये आर्थिक क्षति होती ही है, तो वहीं बच्चों की पढ़ाई भी कई दिनों तक प्रभावित हो जाती है। बीते साल बहल्ला नदी में आई बाढ़ के बाद से ग्रामीणों ने गांव में पुलिया का निर्माण नहीं होने से पानी की निकासी नहीं होने की बात कही थी। जिसके बाद बाजपुर विधायक यशपाल आर्य ने ग्रामीणों से पुलिया बनाने का वादा किया था। इसके बाद करीब 8.72 लाख रुपये की लागत से विधायक निधि से गांव में पुलिया का निर्माण किया जा चुका है। बावजूद इसके इस साल हिम्मतपुर गांव के लोगों को बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। इधर प्रशासन ने राधेहरि डिग्री कॉलेज में रेस्क्यू सेंटर बनाया है। वहीं गांव के ही एक स्कूल में रेस्क्यू सेंटर बनाया गया है। प्रशासन पूरी तरह से बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

बाढ़ के पानी में बही बच्ची, ग्रामीणों ने बचाया

काशीपुर : हिम्मतपुर गांव में घुसा बहल्ला नदी का पानी जहां ग्रामीणों को चिंता में डाल रहा है। वहीं गांव के बच्चे जान जोखिम में डाल कर पानी में नहा रहे हैं। ऐसे ही पानी में नहाते समय एक बच्ची बह गई। बच्ची के चिल्लाने की अवाज पर ग्रामीणों ने बच्ची को बचा लिया। लेकिन इस तरह बच्चों के बाढ़ के पानी में नहाने से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

> हर साल बाढ़ आने से गांव वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रशासन को ठोस कदम उठाने को तैयार नहीं है।
> **-अमित कुमार**, पीड़ित, हिम्मतपुर गांव

> प्रत्येक वर्ष बाढ़ आने से हमें हजारों रुपयों की आर्थिक क्षति पहुंचती है। प्रशासन बाढ़ के पानी को रोकने को कई ठोक कदम नहीं उठा रहा है। **-प्रताप सिंह**, पीड़ित, हिम्मतपुर गांव

> बाढ़ के पानी से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित तो होती है। वहीं रात दिन अनहोनी का खतरा बना रहता है।
> **-रामकुंवर**, पीड़ित, हिम्मतपुर गांव

कालीनगर गांव में एक दर्जन घरों में घुसा पानी

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: दो दिन से लगातार हो रही बरसात से ग्राम पंचायत विजयनगर के ग्राम कालीनगर के पास से बहने वाली कत्यानी सेतु में वर्षा के पानी का बहाव तेज होने से कालीनगर गांव, चंडीपुर के आसपास घरों, गोकुल धाम व गायत्री विहार की आवासी कॉलोनियां सहित लगभग दो दर्जन घर जलमग्न हो गए। सूचना पर पहुंची नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान मीना विश्वास व जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास ने क्षेत्र का मौके पर जाकर मुआयना किया। उन्होंने कत्यानी सेतु में कालीनगर गांव के पास जमा मलबे को जेसीबी से हटवाकर साफ करवाया। जिससे कत्यानी सेतु का जलस्तर घट गया। मौके पर पहुंचे राजस्व उप निरीक्षक जगदीश सिंह दिगारी ने क्षेत्र में जलभराव का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने जलमग्न धान की फसल का निरीक्षण भी किया।

बुधवार को ग्राम पंचायत विजयनगर की नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान मीना विश्वास व जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास ने क्षेत्र का दौरा कर घरों में घुसे पानी को निकालने के लिए कालीनगर के पास कत्यानी सेतु में वर्षों से जमा मलबा जेसीबी से हटवाया। जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास ने बताया कि कत्यानी सेतु टांडा जंगल से निकलकर ग्राम पंचायत विजयनगर से रायपुर होते हुए अन्य नदियों में जाकर मिल जाती है। उनका आरोप था कि सिंचाई विभाग ने वर्षों से कत्यानी सेतु की सफाई नहीं कराई है। ग्राम प्रधान मीना विश्वास ने कहा कि जलभराव व धान की फसल जलमग्न होने की सूचना प्रशासन को दे दी है।

कालीनगर गांव में जायजा लेते ग्राम प्रधान मीना विश्वास व त्रिनाथ विश्वास।

दिनेशपुर-जाफरपुर मुख्य मार्ग तीन घंटे रहा बाधित

दिनेशपुर : मंगलवार की प्रात: से नगर व ग्रामीण क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बुधवार की प्रात: से फिर शुरु हुई झमाझम बारिश के चलते लोग घरों मे ही दुबके रहे। नगर के निचले क्षेत्र वार्ड- तीन, चार, सात व नौ के अलावा हरिमंदिर परिसर के आसपास के इलाकों में जलभराव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जाफरपुर मार्ग पर थाने के सामने सड़क के ऊपर से बरसाती नाले का पानी बहने से राहगीर को आने- जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। वही यातायात तीन घंटे बाधित हुआ। दोपहर बाद जल स्तर कुछ कम होने पर यातायात सुचारू हो पाया। बारिश के चलते नगर क्षेत्र से सटे सभी नदी नाले उफान पर रहे।

शक्तिफार्म में जलस्तर बढ़ने से खौफ में सैकड़ों परिवार

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : मंगलवार रात से लगातार हो रही बारिश के कारण ग्राम सभा अरविंद नगर के गांव 7,8 एवं 9 के लगभग 350 परिवार के लोग खौफ में हैं। गांव में कई-कई फीट पानी भर जाने के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

मंगलवार को झमाझम हुई बरसात के बाद अरविंद नगर ग्राम सभा के निचले ग्राम नंबर 7,8 एवं 9 में पानी भरना आरंभ हो गया। सुबह होते- होते गांव में कई कई फीट तक पानी भर चुका था। वन क्षेत्र से सटे लगभग चार दर्जन से अधिक परिवार के लोग खौफ के साए में ही रात गुजारने को मजबूर हुए। वहीं जल स्तर बढ़ता देख तीनों गांव के लगभग 350 से अधिक परिवारों के लोग खौफ में हैं। बाढ़ कंट्रोल रूम को पानी भरने की सूचना मिलने के बाद, उप जिलाधिकारी रविंद्र जुबांठा ने मौका मुआयना किया। साथ ही बैगुल एवं सूखी नदी के जल स्तर का भी जायजा लिया। उप जिलाधिकारी रविंद्र जुवांठा ने कहा कि प्रशासन नदियों के बढ़ते जलस्तर पर पैनी नजर बनाए हुए है, बैगुल नदी का जल स्तर बढ़ा है परंतु स्थिति सामान्य है।

अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे ही वार्ता करते एसडीएम। ● अमृत विचार

घरेलू सामान समेटकर खुद ही सुरक्षित स्थान पर जाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

दौरा तो किया पर गाड़ी से नहीं उतरे एसडीएम साहब

शक्तिफार्म : जलभराव की सूचना मिलने के पश्चात, उपजिलाधिकारी रविंद्र जुवांठा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। उनकी गाड़ी को आता देख लगभग एक दर्जन से अधिक लोग एकत्रित हुए। उन्हें लगा कि एसडीएम साहब उनकी समस्या सुनेंगे लेकिन एसडीएम साहब, गाड़ी से नीचे ही नहीं उतरे। गाड़ी में बैठे-बैठे ही दो-चार लोगों की बातें सुनी व चल दिए। जिससे ग्रामीणों में खासी नाराजगी देखी गई। इस दौरान ग्रामीण गांधी वैद्य, अशोक दास, गणेश मल्लिक, वारेन सिकदार, गणेश जयधर, ठाकुरदास, तरुण जयधर आदि मौजूद थे।

ग्रामीण खुद ही जाने लगे सुरक्षित स्थान

शक्तिफार्म : मंगलवार रात से ही हो रही बरसात के बाद अरविंद नगर ग्राम सभा के निचले गांव में जल स्तर बढ़ता देख ग्रामीण खुद ही अपने घरेलू सामान को लेकर सुरक्षित स्थान के ओर जाने लगे। गांव के ही गणेश जयधर, सविता विश्वास, बुजुर्ग ठाकुर दास एवं तरुण जयधर ने कहा कि हर वर्ष प्रशासन जलभराव से पूर्व ही, ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए व्यवस्था दुरुस्त कर लेते आए हैं, परंतु इस वर्ष प्रशासन की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं की गई है। गांव में अभी तक न तो कोई नाव पहुंची और न कोई बचाव कर्मी।

प्रभावित ग्रामीणों से मिले पूर्व विधायक पाल

शक्तिफार्म : भारी बारिश के बाद गांव अरविंद नगर में पूर्व विधायक नारायण पाल प्रभावित लोगों से मिले एवं हर संभव मदद का आश्वासन दिया। अरविंद नगर पहुंचे पूर्व विधायक नारायण पाल ने जल भराव से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर ग्रामीणों की समस्याओं को जाना एवं निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने सिंचाई विभाग के एसडीओ डीसी पंत से बैगुल नदी के बढ़ते जलस्तर की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने प्रशासन द्वारा ग्रामीणों के लिए बनाए गए राहत शिविरों की व्यवस्था का भी जायजा लिया। पूर्व विधायक नारायण पाल ने बाढ़ चौकी पर तैनात वीपीडीओ बलजीत सिंह एवं पटवारी से खाने-पीने की व्यवस्था की जानकारी ली।

शक्तिफार्म में जल भराव से प्रभावित ग्रामीणों से वार्ता करते पूर्व विधायक नारायण पाल।

शोक पूर्व सैनिक संगठन की बैठक में दो मिनट का मौन धारण किया गया

उत्तरकाशी की घटना पर संवेदना व्यक्त की

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: पूर्व सैनिक संगठन की बैठक में उत्तरकाशी में हुई दर्दनाक घटना में हुए भारी नुकसान और सैनिक परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया गया। पूर्व सैनिकों ने दो मिनट का मौन धारण कर संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर अध्यक्ष गंभीर सिंह धामी, धन सिंह सामंत, वासुदेव देवी, भूपेंद्र खोलिया, किशन सिंह, रमेश चंद्र, इंद्र सिंह कुंवर, मनोहर सिंह ज्याला, त्रिलोक सिंह, दौलत सिंह, कृपाल सिंह कार्की, भूपेंद्र पांडे, नवीन चंद, हीरा सिंह, कल्याण सिंह भंडारी, फकीर सिंह, मोहन सिंह धामी, केडी जोशी, ईश्वरी दत जोशी आदि रहे।

इधर नगर में सिक्ख समाज सहित तमाम लोगों में एक निजी प्रतिष्ठान में उत्तरकाशी में हुई त्रासदी को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस त्रासदी में अपना सब कुछ गंवा चुके लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर गुरसेवक सिंह, अवतार सिंह खिंडा, हरप्रीत सिंह, हरजीत सिंह, जितिन ग्रोवर, पन्नालाल, हरभजन सिंह खिंडा, अनिल बत्रा, गुरमीत सिंह, हरदीप सिंह, गुरदीप सिंह, साधु सिंह आदि शामिल रहे।

खटीमा में उत्तरकाशी की हृदय विदारक घटना के प्रति संवेदना व्यक्त करते पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

सावन महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: वन्या थारू उत्थान समिति के तत्वावधान में सावन महोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव में लोक सांस्कृतिक महिला कलाकारों को सम्मानित किया गया।

थारू विकास भवन के सभागार में आयोजित सावन महोत्सव का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी और राणा थारू परिषद अध्यक्ष दान सिंह राणा ने मां सरस्वती व महाराणा प्रताप के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पालिकाध्यक्ष जोशी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन से युवाओं को अपनी संस्कृति को जानने का अवसर मिलता है। थारू लोक सांस्कृतिक दलों, लोक गायकों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान समिति ने थारू संस्कृति से जुड़ी 230 महिला कलाकारों को सम्मानित किया गया। समिति सचिव बंटी राणा ने कहा कि महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य थारू संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर संस्थापक प्रनीलम राणा, विजय चौहान, राजकुमार राणा, मनोज बाधवा, विवेक रस्तोगी, रानू राणा, रिंकू राणा, मनोहर सिंह, सुनीता देवी, पुष्पा देवी, सुमित्रा देवी आदि मौजूद रहे।

खटीमा में आयोजित सावन महोत्सव में सम्मानित महिलाओं के साथ कलाकार, अतिथि और आयोजक। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनंद को दी विदाई

रानीखेत : रानीखेत के संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनंद का देहरादून मे संयुक्त मजिस्ट्रेट पद पर स्थानांतरण होने पर उन्हें तहसील के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। तहसील कर्मियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने अल्पकाल में क्षेत्र के विकास कार्यों को अपना पूर्ण योगदान दिया। संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनंद ने कहा कि उनका कार्यकाल रानीखेत में मात्र 11 माह ही रहा। विदाई समारोह में तहसीलदार दीपिका आर्य सहित तहसील परिषद के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दुकान में चोरी का प्रयास

टनकपुर : टनकपुर पीलीभीत चुंगी के पास मंगलवार की रात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो पाए। चोरों ने दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़ने का किया लेकिन उनकी हरकत कैमरे में कैद हो गई। दुकानदार नीरज चंद्र भट्ट पुत्र मदन मोहन भट्ट निवासी छीनीगोठ ने कोतवाली में तहरीर दी है। कहा है कि मंगलवार की रात भारी वर्षा के बीच चोरों ने सड़क किनारे स्थित उनकी दुकान को निशाना बनाने की कोशिश की। चोरों ने दुकान का ताला और बाहर लगा सीसीटीवी तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन कैमरे में वारदात रिकार्ड हो गई। चोर काउंटर व आसपास के क्षेत्र में कुछ चीज तलाशता नजर आता है।

आफत: राष्ट्रीय राजमार्ग समेत कई सड़कें बंद

जिले में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित, ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात ठप होने से लोग परेशान

- कैबिनेट मंत्री रेखा ने आपदा पीड़ितों की तुरंत मदद के निर्देश दिए

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : अल्मोड़ा में इन दिनों बारिश का दौर लगातार जारी है। जिले के सभी 11 ब्लॉकों में जमकर मेघ बरस रहे है। बारिश से पहाड़ी से मलबा आने से अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के क्वारब समेत तीन स्टेट हाइवे और 14 ग्रामीण मोटर मार्ग बंद है जिससे 20 हजार से अधिक की आबादी सीधे प्रभावित रही। हालांकि प्रशासन की ओर से सभी बंद मोटरमार्गों को खोलने के लिए जेसीबी मशीने लगाई गई हैं।

जिलेभर में बीते मंगलवार देर शाम से अगले दिन बुधवार दिनभर जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण इलाकों में जमकर मेघ बरसे। जिससे जगह-जगह पहाड़ियों से भूस्खलन हुआ और एक राष्ट्रीय राजमार्ग समेत तीन स्टेट हाइवे और 14 ग्रामीण मोटर मार्ग बंद हो गए।

वहीं, मुख्यालय के विभिन्न वार्डों में नालियां चोक होने से सड़कों पर पानी भरा रहा। जिससे आने-जाने वालों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सोमेश्वर में आपदाग्रस्त इलाकों का निरीक्षण करतीं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या।

अल्मोड़ा में ग्रामीण सड़कों से मलबा हटाती जेसीबी। ● अमृत विचार

आपदाग्रस्त क्षेत्रों में पहुंचीं कैबिनेट मंत्री

अल्मोड़ा : कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बुधवार को सोमेश्वर में आपदाग्रस्त इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित लोगों की मदद करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर रह रहे कई परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट भी कराया। कहा कि लगातार बारिश के चलते प्रदेश में कई जगहों पर आपदा जैसी स्थितियां पैदा हो गई है। प्रदेश सरकार 24 घंटे हर नागरिक के साथ खड़ी है और हर किसी की मदद करने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा में जिन लोगों का नुकसान हुआ है उनकी भरपाई के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है और हर पीड़ित की मदद की जाएगी। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तरकाशी के धराली में हुई आपदा बेहद दुखदाई है और प्रदेश सरकार की सभी एजेंसियां पीड़ितों को राहत पहुंचाने में दिन-रात जुटी हुई है।

ताकुला में सर्वाधिक 144 मिमी हुई बारिश

अल्मोड़ा : जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार रात से बुधवार दिन भर झमाझम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में अल्मोड़ा में 47 .0 मिमी, रानीखेत में 55 .0 मिमी, द्वाराहाट में 74 .0 मिमी, चौखुटिया में 75 .0 मिमी, भिकियासैंण में 47 .0 मिमी, सोमेश्वर में 136 .0 मिमी, जागेश्वर में 82 .0 मिमी, ताकुला में 144 .0 मिमी, सल्ट में 121 .0 मिमी, शीतलाखेत में 41 .5 मिमी, मासी में नील, जैंती में 80 .0 मिमी और ताकुला में सर्वाधिक 144 .0 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

मलबा आने से ये सड़कें रहीं बंद

अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग क्वारब, मेहचौरा-छुवाबाण-चौखुटिया मोटर मार्ग, खैरना-रानीखेत मोटर मार्ग, बौरमल्ला-बौरतल्ला, ज्वारनेडी-बसगांव, कालीका-दलमोटी, बौरमल्ला-बौरतल्ला, पीपना मंहेत-डंगूला, चकना-अधेथात, गुरूड़ाबाज-अडोली, पच्चीसी-काटली, भाकुड़ा-तल्ला चनौली, गनाई-जौरासी, मंगलता-त्रिनेली, चलमोड़ी-गाड़ा कलोटा, जैंती-भनाली, पुनवानौला-वृद्ध जागेश्वर, वेतनधार-मारकुवा बाखाल मोटर मार्ग रहे।

कोसी नदी के तेज बहाव में बहा बुजुर्ग, तलाश शुरू

- सोमेश्वर थाना पुलिस एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम का रेस्क्यू अभियान जारी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: देर रात से हो रही लगातार बारिश से कोसी नदी उफान पर है। वहीं, बुधवार को एक बुजुर्ग नदी के तेज बहाव में बह गया। सूचना के बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा। लेकिन देर शाम तक बुजुर्ग का कहीं पता नहीं लग सका है।

सकार गांव निवासी 62 वर्षीय बुजुर्ग महिपाल सिंह भगतोला से सामान लेकर अपने गांव की तरफ जा रहे थे। इस बीच गांव से पहले पैदल पुल पर पहुंचने के बाद बुजुर्ग नदी छोर की ओर उतरे। लेकिन इस बीच अचानक नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गए और कोसी नदी में बह गए। बताया जा रहा है कि पास में ही कुछ काम कर रही महिलाओं की नजर नदी में बहते हुए बुजुर्ग पर पड़ी। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना अन्य लोगों को दी। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और थाना सोमेश्वर टीम को दी। मौके पर पहुंची राहत एवं बचाव दल ने नदी में बह गए बुजुर्ग की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। लेकिन देर शाम तक बुजुर्ग का पता नहीं चल सका। उधर इस संबंध में थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह बताया कि सूचना के बाद टीम मौके पर पहुंची सकार पुलिस से बैराज तक अभियान चलाया। बताया कि बुजुर्ग मानसिक रुप से अस्वस्थ चल रहे थे।

शारदा नदी उफान पर, रेड अलर्ट

बनबसा : पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बरसात के चलते शारदा नदी उफान पर है। शारदा बैराज की सुरक्षा को देखते हुए यूपी सिंचाई विभाग के द्वारा रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। अलर्ट के चलते भारत नेपाल अंतर्राष्ट्रीय मार्ग को जोड़ने वाले शारदा बैराज पुल से वाहनों के आवागमन पर रोक लगी है। यूपी सिंचाई विभाग के एसडीओ प्रशांत कुमार वर्मा ने बताया कि शारदा बैराज का जलस्तर 170000 क्यूसेक पहुंच गया था। एक लाख क्यूसेक से अधिक जलस्तर होने पर बैराज की सुरक्षा को देखते रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। बड़े वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई है।

यात्रियों की सुरक्षा ही सर्वोच्च प्राथमिकता

निरीक्षण के दौरान वार्ता करते डीएम विनोद गोस्वामी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : डीएम विनोद गोस्वामी ने बुधवार को विकासखंड धारचूला का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने आपदा से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी स्थल पर जाकर विभागीय अधिकारियों से प्राप्त की।

चौथे दल के कैलाश मानसरोवर यात्रियों से मुलाकात करते हुए डीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि जैसे ही सड़क मार्ग पुनः सुचारू होते हैं, उनकी यात्रा तत्काल पुनः प्रारंभ कर दी जाएगी। बताया कि सड़क मार्गों को खोलने के लिए जिला प्रशासन एवं बीआरओ द्वारा युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है और यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पाटी थाने में मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

लोहाघाट/पाटी : एकल विद्यालय अभियान की बहनों ने पाटी थाने में रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। संच उपाध्याक्ष रवीश पचौली के नेतृत्व में निशा ,शिवानी, पायल, सुमन, कनक, निर्मला, चांदनी ने डा. ओमप्रकाश, अनंतराम राणा, प्रमोद भट्ट, इंद्रसिंह रावत, रमेशनाथ, संतोष सिंह, कमलनाथ, खीम गिरी, दीपक सिंह सहित अन्य जवानों की कलाई में राखी बांधी। इस अवसर पर बलराज पाटनी, कपिल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। एकल विद्यालय अभियान की बहनें हर साल उन जवानों को राखी बांधती हैं, जो कि ड्यूटी के कारण रक्षाबंधन के पर्व पर अपने घर नहीं पहुंच पाते। यह पहल पुलिस और जनता के बीच सौहार्द को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक एकता का संदेश देती है।

ब्यूटी पार्लर में घुसकर दी जान से मारने की धमकी

- गौरव नेगी उर्फ अक्कू ठाकुर पर अभद्रता और धमकी का आरोप
- पीड़िता बोली- लगातार कर रहा कॉल आरोपी, मुकदमा हुआ दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शोहदों के हौसले बुलंद हैं। एक युवक ने ब्यूटी पार्लर में घुस कर महिला के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ की। उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

टीपीनगर चौकी क्षेत्र के मानपुर पश्चिम क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने इस मामले में कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि 4 अगस्त को दोपहर 1 बजे के करीब जब वह महर्षि स्कूल रोड, सेंट लॉरेन्स के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में कार्य कर रही थीं, तभी गौरव नेगी उर्फ अक्कू ठाकुर नामक व्यक्ति वहां पहुंचा और उन्हें खुलेआम जान से मारने की धमकी दी।

आरोप यह भी है कि गौरव ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। साथ ही उन्हें बार-बार अन्य मोबाइल नंबरों से कॉल कर परेशान कर रहा है। पीड़िता ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। उधर इस संबंध में कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

डीएम ने मार्ग का किया निरीक्षण अफसरों को दिए आवश्यक निर्देश

- स्थिति का जायजा लेकर ग्रामीणों से भी की वार्ता

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

टनकपुर चम्पावत राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार।

अमृत विचार : लगातार हो रही भारी वर्षा से उत्पन्न हालातों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने टनकपुर चम्पावत राष्ट्रीय राजमार्ग के स्वाला में बार -बार हो रहे मार्ग बाधित का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात संचालन में आ रही समस्याओं तथा भारी वर्षा से प्रभावित हिस्सों की बारीकी से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रशासन इस दिशा में सतर्कता बरते हुए हैं। मुख्य विकास अधिकारी डा. जीएस खाती ने बुधवार को जनपद के ललुआपानी रोड, नरियालगांव रोड, हिंगला देवी रोड, थूम और पुनावे सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सड़कों पर हो रहे भूस्खलन व मलबा जमा होने की स्थिति का आकलन किया। स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों से वार्ता कर जमीनी हालात की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल मलबा हटाने, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने और अवरुद्ध यातायात को प्राथमिकता के आधार लोनिवि के अधिशासी अभियंता एमसी पलड़िया ने बताया कि बंद पड़े मार्गों को खोलने का काम जारी है।

मां बाराही मंदिर में विराट पूजन कर श्रद्धालुओं ने नवाया शीश

संवाददाता, टनकपुर/देवीधुरा

अमृत विचार : देवीधुरा बग्वाल मेले के दूसरे दिन बुधवार को विराट पूजन कर मां बाराही के दरबार में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने शीश नवाया। सुबह से ही मंदिर में भीड़ उमडनी शुरू हो गई। देर शाम तक पूजा-पाठ का सिलसिला चलता रहा।

चम्पावत, अल्मोड़ा, नैनीताल, पिथौरागढ़ जिलों से पहुंचे लोगों ने विशेष पूजा अर्चना की। मां बाराही संस्कृत महाविद्यालय देवीधुरा के वेदपाठी छात्रों ने वेदमंत्रों के साथ पूजा अर्चना की शुरूआत की। पीठाचार्य कीर्ति बल्लभ शास्त्री ने पूजा संपन्न कराई। मुख्य पुजारी देवी दत्त पुजारी ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। पूजा में गहड़वाल खाम के त्रिलोक सिंह बिष्ट, चम्याल खाम के गंगा सिंह चम्याल, बालिक खाम के बद्री सिंह बिष्ट, लमगड़िया खाम के प्रमुख वीरेंद्र लमगड़िया के अलावा सिरगुरो कोट भैंसखं , टकना तथा फुलारा कोट के चौहान लोगों ने भी परंपरा के अनुसार मां बाराही की विराट पूजा में भाग लिया। मंदिर समिति के मोहन सिंह बिष्ट ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान रोशन सिंह लमगड़िया, दीपक चम्याल, रमेश राणा, ईश्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

देवीधुरा के मां बाराही मंदिर में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त करें

अल्मोड़ा : पूर्व सैनिक लीग की बुधवार को मासिक बैठक आयोजित हुई। इस दौरान बैठक में पूर्व सैनिकों समेत नगर की तमाम समस्याओं पर चर्चा की गई। वहीं, नगर की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर नाराजगी जताई गई। कचहरी बाजार स्थित लीग कार्यालय में आयोजित बैठक में पूर्व सैनिकों ने स्वतंत्रता दिवस मनाने, सितंबर में कुमाऊं रेजीमेंट सेक्टर में होने वाली रैली आदि पर चर्चा की। उत्तरकाशी के धराली में प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक संवेदना भी व्यक्त की गई। वयहां बैठक में लीग अध्यक्ष दिनेश चंद्र तिवारी, संरक्षक मोहन सिंह अल्मियां, जीवन नाथ वर्मा, राजेंद्र सिंह साही, मोहन बिष्ट, नंदन लाल साह, मनमोहन वर्मा, देवेंद्र लाल साह आदि मौजूद रहे।

तेजी से निस्तारित करें शिकायतें

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने यहा तहसील में आयोजित तहसील दिवस में प्रतिभाग कर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

तहसील दिवस के दौरान नागरिकों द्वारा भूमि संबंधी मामलों, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, राजस्व एवं पेंशन आदि से संबंधित कुल 51 शिकायती प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किए गए। जिलाधिकारी ने अधिकांश मामलों का मौके पर ही निस्तारण करते हुए शेष प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। डीएम ने शिकायतों से संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अग्रेषित शिकायतों का निस्तारण 15 दिन के भीतर कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि तहसील दिवस की अवधारणा को मुख्यमंत्री बहुत गंभीरता से मॉनिटर कर रहे हैं। अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कतई न बरतें। क्षेत्रवासियों की समस्या को व्यक्तिगत रूप से महसूस करें तथा देखें कि यदि उन्हें उन शिकायतों से जूझना पड़े तो कितना कष्ट होता है। उन्होंने कहा कि लोगों के कामों के लिए उन्हें परेशान न किया जाए। तहसील दिवस में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, संयुक्त मैजिस्ट्रेट रानीखेत राहुल आनंद, तहसीलदार दीपिका आर्य, मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेश सयाना, जिला विकास अधिकारी एसके पंत समेत संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

तहसील दिवस में शिकायती पत्र प्राप्त करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

एलएलबी में प्रवेश परीक्षा को आवेदन शुरू करने की मांग

अल्मोड़ा : आर्यन छात्र संगठन ने एसएसजे में एलएलबी में प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन शुरू नहीं होने पर नाराजगी जताई। मामले को लेकर परिसर निदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि अगस्त शुरू हो गया है, लेकिन एलएलबी एंट्रेंस एक्साम के लिए आवेदन अभी तक शुरू नहीं हुए है। मेरिट के आधार पर प्रवेश होंगे या प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश होंगे यह स्थिति भी स्पष्ट नहीं है। छात्रनेता निशांत पांडे ने कहा कि समय पर आवेदन शुरू नहीं होंगे तो प्रवेश देरी से होंगे। इससे सेमेस्टर व्यवस्था सही ढंग से नहीं चल सकेगी। यहां आशु रौतेला, प्रखर, हेमंत, दीपेश और गौरव आदि शामिल रहे।

आर्थिक मुसीबत | खाद्य पदार्थों के लगातार बढ़ते दामों ने बढ़ाई परेशानियां, तेल, टमाटर समेत जरूरी चीजों के दाम बढ़े

मानसून में परिवहन खर्च ने बढ़ायी महंगाई, रसोई का बजट भी बिगाड़ा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले में महंगाई सिर चढ़कर बोल रही है। जिले में रिटेल दामों में गिरावट के बावजूद भी ग्रामीण इलाकों में महंगाई चरम पर है। खाद्य सामग्री में महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ कर रख दी है। इसके चलते शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लोगों की जेब ढीली हो रही है। खासकर मध्यम वर्गीय परिवार की मुश्किल बढ़ गई है।

जिले में मानसून के बीच शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई में दस फीसद की बढ़ोतरी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों के दुकानदारों का कहना है कि वह लोग शहर से माल उठाते हैं। वहां से गांव तक पहुंचाने में भाड़ा, खर्चा बढ़ने से दाम बढ़े हैं। वहीं मानसून सीजन के बीच सड़कों की दयनीय हालत के चलते के माल भाड़े में बढ़ोतरी से भी ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों के दामों में इजाफा हुआ है। लोग भी लगातार बढ़ रहे दामों से परेशान हैं। ग्राहक दुकानदारों से दाम बढ़ाने का कारण पूछते है, तो दुकानदार भी झट से जवाब देते है कि माल भाड़े में बढ़ोतरी के चलते सामान के भी दाम बढ़ गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शहर की अपेक्षा दाम अधिक बढ़ गये हैं। महंगाई सीधे तौर पर मांग और आपूर्ति के हिसाब से बढ़ती घटती रहती है। साथ ही आज के दौर में ट्रांसपोर्टेशन भी दाम बढ़ाने का बड़ा कारण होता है। ग्रामीण इलाकों में सामान पहुंचाना, शहरी इलाकों की तुलना में ज्यादा खर्चीला हो जाता है। इन दिनों मानसून सीजन के बीच सड़कों की खस्ताहालत को लेकर स्थिति और भी खराब हो रही है। माल भाड़ा बढ़ने से खाद्यान्य सामानों में बढ़ोत्तरी हुई है।

अल्मोड़ा बाजार की एक दुकान में रखी सब्जियां। ● अमृत विचार

एक सप्ताह के भीतर बढ़े हुए दाम

खाद्य सामग्री	पहले	अब
आटा	355	360
चावल	445	450
सरसों तेल	160	180
रिफाइंड तेल	130	120
अरहर	120	140
मल्का	85	90
उरद	110	120
चना दाल	100	90

सब्जियां	पहले	अब
आलू	25	30
प्याज	25	30
टमाटर	50	100
लौकी	35	40
कद्दू	35	40
भिंडी	30	40
शिमला मिर्च	80	100
फूल गोभी	55	60
बंद गोभी	40	50

"इन दिनों माल भाड़ा बढ़ने से दामों में बढ़ोतरी हुई है। जिसके चलते खाद्य पदार्थों के दामों में थोड़ा बहुत बढ़ोत्तरी हुई है। हल्द्वानी से ही यहां दाम बढ़कर पहुंचे रहे है। **-ललित सिंह,** रिटेल कारोबारी।

टमाटर के दामों ने लगाया शतक

अल्मोड़ा : सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। वहीं दैनिक जीवन में खाने पीने की चीजों के साथ-साथ सब्जियों के दाम में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। यहां पर टमाटर भी 100 रुपये किलो पहुंच गया है। सभी प्रकार की सब्जियों के दामों में 15 से 30 फीसद तक बढ़ोत्तरी हुई है। टमाटर के दाम 50 रुपये से सीधे 100 रुपये प्रति किलो पहुंच गए हैं। लोअर मालरोड स्थित सब्जी विक्रेता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि बारिश के चलते जगह-जगह सड़कें में मलबे से पट गई है और यातायात पूरी तरह प्रभावित है। हल्द्वानी मार्ग भी अवरूद्ध होने से यहां सब्जियां मंडी से बढ़कर पहुंच रही है। एक सप्ताह के भीतर टमाटर और सब्जियों के दामों में इजाफा हुआ है।

रेस्टोरेंट-कैफे बुरांश बाइट्स का शुभारंभ

कैफे के शुभारंभ के दौरान मौजूद अधिकारी व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : विकासखंड कनालीछीना स्थित ग्राम सतगढ़ में मल्लिकार्जुन स्वयं सहायता महिला समूह की ओर से संचालित रेस्टोरेंट/कैफे द बुरांश बाइट्स का उद्घाटन बुधवार को 119 इंडिपेंडेंट इन्फैंट्री ब्रिगेड के कमांडर गौतम पठानिया आदि ने संयुक्त रूप से किया। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी भी विशेष रूप से समूह की महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिए मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने समूह की महिलाओं को स्वाद और सेवा के इस समन्वय को निरंतर बनाए रखने की बात कही। इस मौके पर सीडीओ डॉ. दीपक सैनी, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास आशीष पुनेठा, एसडीएम डीडीहाट खुशबू पांडेय, डीटीई राजेश सिंह बिष्ट, बीएमएम बलवंत जोशी आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
गुरूवार, 7 अगस्त 2025

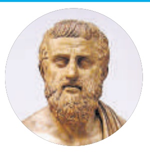

मेरा ध्यान अपने जीवन को शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से गौरवशाली बनाने पर था। -सोफोक्लीज

अमेरिका को आईना

भारत ने डोनाल्ड ट्रंप की 25 फीसदी से अधिक टैरिफ बढ़ाने को सर्वथा अनुचित और तर्कहीन बताकर अमेरिकी राष्ट्रपति को आईना दिखा दिया है कि किसी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह भारत अपने राष्ट्रीय हित और आर्थिक सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। यह सही है कि रूसी तेल का भारत सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन ट्रंप का यह कहना बिल्कुल भी सही नहीं है कि भारत बड़ी मात्रा में रूस से तेल खरीदकर उसे खुले बाजार में बेचकर मुनाफा कमा रहा है। भारत द्वारा रूस से तेल आयात को लेकर ट्रंप जिस तरह रूस-यूक्रेन युद्ध के बहाने भारत पर आंखें तरेर रहे हैं, उसे लेकर भारत ने अमेरिका को अपने गिरेबां में झांकने की नसीहत देकर ठीक ही किया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कह दिया है कि आप भी तो रूस से अपने परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात कर रहे हैं। यानी, आप रूस से व्यापार करें तो ठीक, और हम करें तो गैरकानूनी, यह दोहरी नीति नहीं चलने वाली। तनातनी के इस माहौल में भारत के जवाब से ऐसा लगता है कि ट्रेड डील का दबाव बनाने की कोशिश में ट्रंप अपनी ही धमकियों के जाल में फंस गए हैं और भारत उनकी गीदड़ भभकी के आगे जरा भी झुकने के लिए तैयार नहीं है। दरअसल, ट्रंप से निपटने की चुनौती में भारत की ओर से जिस तरह की सधी और संतुलित प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं, वह अमेरिकी राष्ट्रपति की चिढ़ और बढ़ा रही हैं। इसके चलते ही वह लगातार बार-बार भारत को घेरने और झुकाने वाले बयान दे रहे हैं, लेकिन अभी तक यह नहीं बता पाए हैं कि भारत पर कितना ज्यादा टैरिफ थोपना चाहते हैं। साफ है कि ट्रंप दबाव बनाकर भारत को ट्रेड डील के लिए वार्ता की मेज पर समाधान के लिए मजबूर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि वह यह भलीभांति जानते हैं कि आज की दुनिया में भारत को नाराज या नजरअंदाज करके अमेरिका का काम नहीं चलने वाला है। भारत की तकनीकी क्षमता और मानव संसाधन अमेरिका के लिए अपरिहार्य है। यही वह बात है, जो अमेरिकी निवेशकों को भारत में अवसर प्रदान करती है। अमेरिकी कंपनियां एपल और टेस्ला इसी कारण अगर भारत में निवेश बढ़ा रही हैं, तो कई दूसरी कंपनियां आने को तैयार बैठी हैं। हालांकि भारत अकेला देश नहीं है, जो ट्रंप के टैरिफ टेरर का सामना कर रहा है। चीन पर तो शुरुआत में ट्रंप ने टैरिफ 140 प्रतिशत तक बढ़ा दिए थे। यूरोपीय संघ को भी धमकाया था, लेकिन बाद में रिश्ते सुधारे और चीन पर टैरिफ घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया। यूरोपीय संघ तथा वियतनाम के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ। ऐसे में इस बात से इंकार नहीं है कि भारत भी अपने हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका के साथ ट्रेड डील की उम्मीद कर सकता है, लेकिन फिलहाल तो यही कहा जा सकता है कि ट्रंप की कारगुजारियों से अमेरिका ने भारत का भरोसा खो दिया है और पुराने विश्वसनीय तथा स्वभाविक मित्र रूस को भारत के और करीब आने का मौका दे दिया है।

प्रसंगवश

मानसून करता है हकीकत को उजागर

हाल ही में एक समाचार देखा, जिसमें बिहार के एक जिला मुख्यालय में स्थित जिला अस्पताल में घुटनों पानी भरा था। अस्पताल परिसर लबालब था। तिस पर कहा जा रहा था कि बरसात से मरीज परेशान हैं। हकीकत तो यह है कि इस घटना ने अस्पताल परिसर का निर्माण करने वाले इंजीनियरों के तकनीकी ज्ञान पर सवाल खड़े किए थे। जरा ध्यान दें! जहां भी जल भराव हो रहा है, उनमें से अधिकांश स्थान वे हैं, जहां के नदी-तालाब पर समाज ने कब्जा कर रखा था। विनाश कर दिया। नष्ट कर दिया। उजाड़ दिया। बर्बाद कर दिया। बीते महीने से भारत के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उस बात के लिए ये नफरतें घंटों-पन्नों में उकेरी जा रही हैं, जिसके संरक्षण के लिए सरकार-समाज चिंतित है और उसके सहेजने के लिए पूरी ताकत लगाई जा रही है।

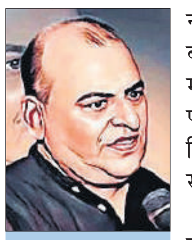

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

असल में पानी को ले कर हमारी सोच प्रारंभ से ही त्रुटिपूर्ण है- हमें पढ़ा दिया गया कि नदी, नहर, तालाब झील आदि पानी के स्रोत हैं। हकीकत में हमारे देश में पानी का स्रोत केवल मानसून ही हैं। नदी-दरिया आदि तो उसको सहेजने का स्थान मात्र हैं। मानसून की हम कदर नहीं करते और उसकी नियामत को सहेजने के स्थान पर हमने खुद उजाड़ दिए। गंगा-यमुना के उद्गम स्थल से छोटी नदियों के गांव-कस्बे तक बस यही हल्ला है कि बरसात ने खेत-गांव सब कुछ उजाड़ दिया। यह भी सच है कि अभी मानसून विदा होते ही उन सभी इलाकों में पानी की एक-एक बूंद के लिए मारा-मारी होगी और लोग पीने के एक गिलास पानी में आधा भर कर जल-संरक्षण के प्रवचन देते और जल जीवन का आधार जैसे नारे दीवारों पर पोतते दिखेंगे।

यह हम सभी जानते हैं कि भारत के लोक-जीवन, अर्थ व्यवस्था, पर्व-त्योहार का मूल आधार बरसात या मानसून का मिजाज ही है। कमजोर मानसून पूरे देश को सूना कर देता है। कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी है। जो महानगर-शहर पूरे साल वायु प्रदूषण के कारण हल्कान रहते हैं, इसी मौसम में वहां के लोगों को सांस लेने को साफ हवा मिलती है। खेती-हरियाली और साल भर के जल की जुगाड़ इसी बरसात पर निर्भर है। इसके बावजूद जब प्रकृति अपना आशीष इन बूंदों के रूप में देती है, तो समाज और सरकार इसे बड़े खलनायक के रूप में पेश करने लगते हैं। इसका असल कारण यह है कि हमारे देश में मानसून को सम्मान करने की परंपरा समाप्त होती जा रही है। कारण भी है, तेजी से हो रहा शहरों की ओर पलायन और गांवों का शहरीकरण।

भारतीय मानसून का संबंध मुख्यता गरमी के दिनों में होने वाली वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तन से है। गरमी की शुरुआत होने से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के उत्तरायण के साथ-साथ अंतः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का भी उत्तरायण होना प्रारंभ हो जाता है। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है। इस तरह तापमान बढ़ने से निम्न वायु दाब निर्मित होता है। दक्षिण में हिंद महासागर में मेडागास्कर द्वीप के समीप उच्च वायु दाब का विकास होता है इसी उच्च वायु दाब के केंद्र से दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्पत्ति होती है। जान लें तापमान बढ़ने के कारण एशिया पर न्यून वायु दाब बन जाता है। इसके विपरीत दक्षिणी गोलार्द्ध में शीतकाल के कारण दक्षिण हिंद महासागर तथा उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पास उच्च दाब विकसित हो जाता है। परिणामस्वरूप उच्च दाब वाले क्षेत्रों से अर्थात् महासागरीय भागों से निम्न दाब वाले स्थलीय भागों की ओर हवाएं चलने लगती हैं। सागरों के ऊपर से आने के कारण नमी से लदी ये हवाएं पर्याप्त वृष्टि प्रदान करती हैं। जब निम्न दाब का क्षेत्र अधिक सक्रिय हो जाता है तो दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक हवा भी भूमध्य रेखा को पार करके मानसूनी हवाओं से मिल जाती हैं। इसे दक्षिण-पश्चिमी मानसून अथवा भारतीय मानसून भी कहा जाता है। इस प्रकार एशिया में मानसून की दो शाखाएं हो जाती हैं- भारत में भी दक्षिण-पश्चिम मानसून की दो शाखाएं हो जाती हैं- बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की शाखा। जलवायु परिवर्तन का गहरा असर भारत में अब दिखने लगा है, इसके साथ ही ठंड के दिनों में अलनीनो और दीगर मौसम में ला नीना का असर हमारे मानसून-तंत्र को प्रभावित कर रहा है।

प्रकृति की अनदेखी से उपजा उत्तराखंड जल-प्रलय

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम बौने ही हैं।

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम बौने ही हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें।

उत्तराखंड के उत्तर काशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हर्शिल के तेल गाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। इन प्राकृतिक आपदाओं को हमें प्रकृति के गुस्से के रूप में देखने की जरूरत है। धराली में तो 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मीटर चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। हिमालय के बीचोंबीच बसा खूबसूरत धराली गांव में सैलाब नीचे उतरते हुए दिखा, उससे लगता है, मौतें कहीं अधिक हुई हैं। प्रलय इतनी तीव्रता से आया कि उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया। अब धराली मलबे में दफन है।

इस भूक्षेत्र के गर्भ में समाई प्राकृतिक संपदा के दोहन से उत्तराखंड विकास की अग्रिम पांत में आ खड़ा हुआ था, वह विकास भीतर से कितना खोखला था, यह इस क्षेत्र में निरंतर आ रही इस आपदाओं से पता चलता है। बरिश, बाढ़, भूस्खलन, बर्फ की चट्टानों का टूटना और बदलों का फटना, अनायास या संयोग नहीं है, बल्कि विकास के बहाने पर्यावरण विनाश की जो पृष्ठभूमि रची गई, उसका परिणाम है। तबाही के इस कहर से यह भी साफ हो गया है कि आजादी के 78 साल बाद भी हमारा न तो प्राकृतिक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आपदा से निपटने में सक्षम है और न ही मौसम विभाग आपदा की सटीक भविष्यवाणी करने में समर्थ हो पाया है। यह विभाग केरल और बंगाल की खाड़ी के मौसम का अनुमान लगाने का दावा तो करता है, किंतु भारत के सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र हिमालय में बादल फटने की भी सटीक जानकारी नहीं दे पाता है। धराली क्षेत्र में एक साथ दो जगह बादल फटे और कुछ मिनटों में हुई तेज बारिश ने श्रीखंड पर्वत से निकली खीरगंगा नदी को प्रलय में बदलकर 90 प्रतिशत गांव को हिमालय के गर्भ में समा दिया।

बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी व्यास की परिधि में फटने के बाद अतिवृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंटीमीटर या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में परिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर, उस क्षेत्र में होने वाली औसत, वार्षिक वर्षा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेते हैं, लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते। इस कारण बादल फटने की घटनाओं की भविष्यवाणी भी नहीं करते हैं।

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम बौने ही हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। विडंबना है कि घरेलू विकास दर को बढ़ावा देने के मद्देनजर अधोसंरचना विकास के बहाने देशी-विदेशी पूंजी निवेश को बढ़वा दिया जा रहा है। पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों को राज्य सरकारें अब अनदेखा करने लगी हैं। इससे साबित होता है कि अंततः हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं।

उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण सबंधी कठोर नीतियों को लचीला बनाकर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का करण बना हुआ है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आई इन तबाहियों का आकलन इसी परिप्रेक्ष्य में करने की जरूरत है।उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश से विभाजित होकर 9 नवंबर 2000 को अस्तिव में आया था। 13 जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसदी साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किलोमीटर में फैला है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नादियों का उद्गम स्थल है। इन नादियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल हैं, इसीलिए इसे धर्म-ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव विविधता के पर्याय हैं। तय है, उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से प्रलय जैसे प्रकोप बार-बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा वर्षा रहे हैं।

आमने

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार के विधानसभा भवन के एक हिस्से को 'फांसी घर' बताने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे इतिहास के साथ खिलवाड़, शहीदों का अपमान और जनता के साथ धोखा करार दिया। उन्होंने विधानसभा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बिना किसी प्रमाण के 'फांसी घर' घोषित कर दिया।

सामने

आप विधायक संजीव झा ने कमरे के ऐतिहासिक महत्व का बचाव करते हुए तर्क दिया कि ऐसे कई निष्पादन स्थलों को कभी आधिकारिक रूप से दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों के ऐसे स्थानों पर अलग-अलग विचार हैं। इस इमारत के 1912 के नक्शे में, यह एकमात्र दो मंजिला संरचना है जो फांसी कक्ष के अनुरूप है। झा ने कहा कि साइट से सामग्री की जांच भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा की जाए।

एआई से अवसर तो मिलेंगे, पर नौकरियां...!

प्रकाश श्रीवास्तव
स्वतंत्र लेखक

सिलिकॉन वैली के दिग्गज अरबपति वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदय को 'मानव इतिहास के सबसे बड़े बदलावों में से एक' बताया है।

एक अनुमान के अनुसार, पिछले वर्ष भारत में आईटी सेक्टर से जुड़े लगभग पचास हजार लोगों की नौकरियां खत्म हो गईं। साथ ही देश की शीर्ष छह आईटी सर्विस कंपनियों में कर्मचारियों को नियुक्त करने में 72 फीसदी गिरावट आई है। कहने की जरूरत नहीं कि देश का आईटी क्षेत्र जो सामाजिक गतिशीलता और गरीबी में जन्मे बच्चों द्वारा शिक्षा और कड़ी मेहनत से उच्च वेतन वाली नौकरियां हासिल करने का जरिया रहा है, ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के आने से तेजी से नया रूप लेता जा रहा है। प्रमुख कंपनियों में नौकरियों का जाना या उसमें कमी आना यह कोई अकेली घटना नहीं है। पर ये घटनाएं भारत में ऐसी नौकरियों, जिसमें विशिष्ट कौशल, उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है और ये आमतौर पर वित्त, स्वास्थ्य सेवा, कानून और प्रौद्योगिकी जैसे सेक्टर से जुड़ी होती है, कि प्रकृति में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत लिए हैं।

पेशेवर, प्रबंधकीय या प्रशासनिक कार्य से जुड़े लोग जिन्हें शहरी समृद्धि की रीढ़ माना जाता है, ऑटोमेशन को अपनाए जाने से कम किए जा रहे हैं। भारत का सॉफ्टवेयर सर्विस सेक्टर, जिसका सकल घरेलू उत्पाद और शहरी उपभोग वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान है, आज संकट के काल से गुजर रहा है। ऐसी नौकरियां लम्बे समय तक के लिए सुरक्षित नहीं रह गईं हैं। कंपनियां अपने कर्मचारियों को पुनः प्रशिक्षित करने की तुलना में तेजी से ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को अपना रही हैं। इस उथल-पुथल से हर ओर से चिन्ताजनक बयान सामने आ रहे हैं।

ब्रिटिश-कनाडाई कंप्यूटर वैज्ञानिक और 2024 का भौतिकी में नोबेल पुरस्कार विजेता जेफ्री एवरेस्ट हिंटन, जिन्हें 'एआई का गॉडफादर' माना जाता है, की यह चेतावनी गौर करने लायक है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर एआई सिस्टम ने अपने लिए खुद की सोचने की भाषा विकसित कर ली तो इंसानों के लिए ये समझना मुश्किल होगा कि वे क्या करने वाले हैं? क्या सोच रहे हैं? उनकी यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब चैटजीपीटी निर्माता ओपनआई की रिपोर्ट में सामने आया है कि उसके कुछ एडवांस एआई मॉडल अपनी मर्जी से तथ्य गढ़ रहे हैं। कंपनी ने खुद माना कि उसे यह नहीं पता कि यह कैसे हो रहा है।

हिंटन का 'वन डिसीजन पॉडकास्ट' में दिया गया भाषण इस बात को रेखांकित करता है कि एआई क्षमताएं किस गति से बढ़ रही हैं। सिलिकॉन वैली के दिग्गज अरबपति वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदय को 'मानव इतिहास के सबसे बड़े बदलावों में से एक' बताया है और भविष्यवाणी की है कि अगले पांच वर्षों में यह आज की अधिकांश नौकरियों की जगह ले लेगा। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों के भीतर, एआई कानून और वित्त से लेकर चिकित्सा और ग्राहक सहायता तक लगभग हर उद्योग में अधिकांश कार्य करेगा।

दिग्गज कंप्यूटर वैज्ञानिक भी एआई के जरिए होने वाले सृजनकारी काम की गति देखकर अचंभित हैं। अब जो उपकरण उपलब्ध हैं, वे कुछ ही सेकंड में वह काम कर सकते हैं, जिसे करने में पहले पूरी टीम को लगाना पड़ता था और टीम भी वह काम घंटों में कर पाती थी। भारत ने सेवा-आधारित जो विकास किया है, उसमें बड़ी संख्या में मुख्यतः विशेषज्ञों का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में इन विशेषज्ञों की नियुक्तियां कंपनियां करती रही हैं। जैसे-जैसे एआई, डेटा सिक्यूरिटी और क्लाउड आर्किटेक्चर में विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है, मौजूदा आईटी कर्मचारियों का अधिकांश हिस्सा खुद को कमजोर स्थिति में पा रहा है। कंपनियां अपने हजारों योग्य कर्मचारियों को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकालने पर मजबूर हैं, क्योंकि नए तकनीकी मॉडल में उनकी क्षमताओं का उपयोग करने के लिए कोई गुंजाइश नहीं है।

देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की नियोक्ता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जो सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी भी है और टीसीएस जैसी अन्य कंपनियां भी, जो दशकों से कम लागत पर सॉफ्टवेयर बनाने के लिए सस्ते कुशल श्रम पर निर्भर रही हैं, पारंपरिक व्यावसायिक मॉडल में आए बड़े बदलावों के बीच नए क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं। ये कंपनियां बड़े पैमाने पर एआई का इस्तेमाल कर रही हैं। इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि व्हाइट-कॉलर जॉब से जुड़े कर्मचारियों के चलते ही भारत के रियल एस्टेट, महंगी गाड़ियों की खरीद और व्यापक उपभोक्ता अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिली है।

शीर्ष आईटी फर्मों में नौकरियों में गिरावट और छंटनी आम बात हो जाने की खबरों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव मध्यम वर्ग पर दिखने लगे हैं। इन नौकरियों से जुड़े लोगों और उनकी परिवारजनों पर चिन्ता की लकीरें दिख रहीं हैं। आईटी नौकरियों के आधार पर टिकी मध्यम वर्ग की आकांक्षाएं टूटने लगी हैं। जैसे-जैसे विदेशों में एआई को अपनाए जाने की प्रक्रिया में तेजी आ रही है, भारतीय कंपनियों पर कम कर्मचारियों के साथ अधिक उत्पादन करने का दबाव बढ़ रहा है। नए उभरते क्षेत्र जैसे- फिन-टेक, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और स्टार्टअप को तो बढ़ावा देते हैं, पर बड़ी संख्या में रोजगार उत्पन्न करने में असमर्थ ही रहे हैं। इसका परिणाम सामने आया है कि यूनिवर्सिटी से निकले युवाओं के पास नौकरियां नहीं हैं। रोजगार पर निगाह रखने वाले विशेषज्ञों के अनुसार इन युवाओं को न केवल बेरोजगारी के हालात का सामना करना पड़ सकता है, बल्कि उन्हें तेजी से बदलते बाजार में उनके अप्रासंगिक हो जाने का भी सामना करना पड़ सकता है।

सामयिकी

भारतीयता का पुनर्जागरण और राष्ट्र के प्रति नई दृष्टि

आज का भारत एक अभूतपूर्व संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर जहां हम तकनीकी, आर्थिक और सामरिक क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक, भाषायी और राजनीतिक चेतना में पश्चिमी प्रभाव की छाया अब भी बनी हुई है। यह वह समय है जब हमें आत्ममंथन करते हुए यह तय करना होगा कि राष्ट्रहित और राष्ट्रप्रथम की भावना हमारे चिंतन, व्यवहार और नीतियों के केंद्र में है या नहीं।

हमें हर उस दृष्टिकोण की पुनः समीक्षा करनी चाहिए, जिसे हमने केवल इसलिए स्वीकार कर लिया क्योंकि वह पश्चिम से आया था। उदाहरण स्वरूप, हम आज भी अरब देशों को 'मिडल ईस्ट' या 'मध्य पूर्व' कहते हैं, जबकि वे भारत की दृष्टि से स्पष्ट रूप से पश्चिम में स्थित हैं। यह शब्दावली पश्चिमी भूगोल के संदर्भ में गढ़ी गई, और हमने इसे बिना विचार किए अपनाकर अपनी दृष्टि को भी परावलंबी बना लिया।

इतना ही नहीं, हम अब 'राम' को 'रामा', 'योग' को 'योगा', और 'असीम' को 'आशो' कहने लगे हैं। यह केवल उच्चारण की त्रुटि नहीं है, बल्कि हमारे आत्मगौरव और सांस्कृतिक अस्मिता पर एक सूक्ष्म किंतु गहरा प्रहार है। भारतीय संस्कृति में भाषा, उच्चारण और अर्थ का गहरा संबंध है। जब हम अपने शब्दों को पश्चिमी लहजे में तोड़-मरोड़कर बोलते हैं, तो दरअसल हम अपनी जड़ों से कटते हैं। राष्ट्र प्रथम का मतलब केवल सीमाओं की रक्षा या झंडा फहराना नहीं होता, बल्कि यह उस चेतना का नाम है, जिसमें हम अपनी संस्कृति, परंपरा और पहचान को आत्म गौरव के साथ धारण करें।

एम. अफसर खान
युवा पत्रकार

भारत एक प्राचीन सभ्यता है, जिसकी जड़ें केवल इतिहास की किताबों में नहीं, बल्कि आज भी जीवंत परंपराओं में हैं। हमारी भाषाएं, रीति-रिवाज, वस्त्र, भोजन और व्यवहार, सब कुछ हमें एक विशेष सांस्कृतिक पहचान देता है। यदि हम इसी को 'मॉडर्नाइजेशन' के नाम पर त्याग देंगे, तो हम उधार की पहचान लेकर एक खोखली आधुनिकता की ओर बढ़ेंगे, जिसका अंत हमेशा सांस्कृतिक पराजय में होता है।

देश के लोकतंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केवल चुनावी सुधार या तकनीकी बदलाव काफी नहीं हैं, जब तक हमारे नेताओं की सोच में राष्ट्र प्रथम की भावना न हो। संसद और विधानसभाओं में बैठे जनप्रतिनिधियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर यह देखना होगा कि उनके निर्णय राष्ट्र के दीर्घकालिक हित में हैं या नहीं।

आज की राजनीति में 'कुर्सी' केंद्र बन चुकी है, 'कर्तव्य' नहीं। चुनाव केवल सत्ता प्राप्ति का साधन बनते जा रहे हैं, जबकि लोकतंत्र की आत्मा जन सेवा है। आवश्यकता इस बात की है कि उम्मीदवारों की योग्यता, आचरण और राष्ट्रहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी चुनाव प्रक्रिया का मानदंड बनाया जाए। इसके लिए राजनीतिक दलों को भी आत्मचिंतन करना होगा कि वे किस प्रकार के लोगों को टिकट दे रहे हैं। केवल धनबल, जातीय समीकरण और लोकप्रियता के आधार पर या सचमुच राष्ट्रसेवा की भावना से युक्त लोगों को ?देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। यदि यह पीढ़ी दिशाहीन, निराश और भ्रमित रहेगी, तो कोई भी विकास स्थायी नहीं हो सकता। दुर्भाग्यवश आज का युवा सोशल मीडिया, आभासी पहचान और विदेशी जीवनशैली की चकाचौंध में उलझा हुआ है। हमें उसे यह बताना होगा कि देश भक्ति केवल सेना में भर्ती होने से नहीं होती, बल्कि अपने कार्य क्षेत्र में ईमानदारी, समाज में नैतिकता और राष्ट्रीय संस्कृति के प्रति सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण योगदान देता है। शिक्षा प्रणाली को इस दिशा में सबसे बड़ा हस्तक्षेप करना होगा। हमारी पाठ्य पुस्तकों में केवल सूचनाएं नहीं, बल्कि संस्कृति, नैतिकता और राष्ट्र प्रेम भी समाहित किया जाना चाहिए। जब तक हम बच्चों को यह नहीं सिखाते कि भारत सिर्फ एक देश नहीं, एक विचार है।

सोशल फोरम

हिरोशिमा की याद

6 अगस्त को हम हिरोशिमा पर हुए उस विनाशकारी परमाणु बम विस्फोट को याद करते हैं, जिसने 1945 में न केवल एक शहर को तबाह कर दिया, बल्कि असंख्य लोगों की जिंदगियों को भी बदल कर रख दिया। इस दिन मुझे 'हिरोशिमा माई लव' याद आ रही है। अब तक की देखी गई कुछ सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक। जो हमें इस भयानक त्रासदी के बीच इंसानियत, प्रेम और पुनर्निर्माण की उम्मीद की झलक दिखाती है।

सचिन श्रीवास्तव
लेख

1959 में आई इस रोमांटिक ड्रामा को फ्रांसीसी निर्देशक एलैन रेने ने निर्देशित किया था और फ्रांसीसी लेखिका मार्गुएरिट ड्यूरास ने लिखा था। यह फिल्म एक फ्रांसीसी अभिनेत्री एमी और एक जापानी आर्किटेक्ट लुई के बीच 24 घंटों की व्यक्तिगत बातचीत पर आधारित है। फिल्म में रेस्ने ने अनूठे फ्लैश बैक का उपयोग किया है। कैसे दो अलग-अलग देशों के, अलग-अलग लोगों के शहर इस फ्लैशबैक में एक होते चले जाते हैं।

फ्रांसीसी अभिनेत्री एमी, जिसने हिरोशिमा में अपने परिवार को खो दिया था, फिल्म की शूटिंग के लिए उस शहर में वापस आती है। यहां उसकी मुलाकात जापानी आर्किटेक्ट लुई से होती है, जो अपने काम के सिलसिले में वहां होता है। अपने-अपने युद्ध के अनुभव और व्यक्तिगत त्रासदियों को साझा करे हुए, वे एक-दूसरे के दर्द को समझते हैं और सांत्वना देते हैं। बाद में एमी हिरोशिमा में रहने का फैसला करती है। वह बंद हो चुके कॉफी हाउस में जाती है और लुई उसे ढूंढ लेता है और रहने के लिए कहता है। वह कमजोर होकर कहती है कि वह रहेगी, लेकिन फिर से जाने के लिए कहती है। वे शहर के चारों ओर घूमते हैं, साथ और अलग, हिरोशिमा की छवियां नेवर्स की छवियों के साथ बदलती रहती है।

इसका आखिरी दृश्य कमाल का है। अभिनेत्री के होटल के कमरे में, आर्किटेक्ट दरवाजा खटखटाता है। वह उसे अंदर आने देती है और चिल्लाती है कि वह उसे भूलने लगी है, लेकिन अचानक शांत होकर कहती है कि उसका नाम 'हिरोशिमा' है। वह जवाब देता है कि हाँ, और उसका नाम 'नेवर्स' है।हिरोशिमा की इस कहानी को याद करते हुए आज के दिन, हम उन सभी लोगों को याद करते हैं, जिन्होंने उस विनाशकारी घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया। साथ ही, हम यह भी याद करते हैं कि कैसे इंसानियत और प्रेम हमें सबसे कठिन समय में भी संभाल सकते हैं।

-फेसबुकवालसे

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

जानवरों की पढ़ाई और जान बचाने की दवाई

बरेली के इज्जतनगर में स्थित भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान (आईवीआरआई) अपने 136 साल के सफर में तमाम उपलब्धियों भरी यादें समेटे हुए है। पशुओं की बीमारियों और उपचार पर बेहतरीन शोध, 50 से ज्यादा वैक्सीन, एक सैकड़ा से अधिक नई टेक्नालॉजी का विकास तथा पशु उत्पादन एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान का योगदान उसे महत्वपूर्ण बनाता है। यहां वीवीएससी, एमवीएससी, पीएचडी और पीजी डिप्लोमा कोर्स संचालित होते हैं। संस्थान का कैंपस 440.40 एकड़ में फैला है। इसमें अत्याधुनिक लैब, पशु अस्पताल, प्रशिक्षण केंद्र, आवासीय परिसर और कृषि भूमि शामिल है। यहां वर्ष 1969 में स्थापित जैविक मानकीकरण विभाग वैक्सीन क्वालिटी कंट्रोल का काम करता है। यहां उन्हीं वैक्सीन की जांच होती है, जो राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में इस्तेमाल की जाती हैं। पशु पोषण विभाग देशभर के चिड़ियाघरों में जानवरों को दिए जाने वाले आहार की जांच कर सुझाव देता है।

पशु स्वास्थ्य क्षेत्र में शोध-अनुसंधान की उपलब्धियों से भरा है भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान का 136 साल का सफर

1899 में एंटी-रिंडरपेस्ट सीरम का पहला बैच तैयार किया

- बात साल 1889 की है, देश में रिंडरपेस्ट नामक बीमारी जिसे मवेशियों का प्लेग भी कहा जाता है, महामारी के रूप में फैल चुकी थी। तत्कालीन ब्रिटिश शासन ने इस विनाशकारी संक्रामक बीमारी के साथ पशुओं में फैलने वाली अन्य प्रमुख बीमारियों के उन्मूलन के लिए एक सुव्यवस्थित अनुसंधान संस्थान की जरूरत महसूस की। महाराष्ट्र के पुणे में इंपीरियल बैक्टीरियोलॉजिकल लैबोरेटरी खोली गई, लेकिन वहां की जलवायु इस काम के लिए उपयुक्त नहीं थी, इसलिए 1893 में इसे उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में इज्जतनगर क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया। बाद में इसका नाम बदलकर इंपीरियल वेटरिनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट और आजादी के बाद भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) कर दिया गया।
- संस्थान ने 1899 में एंटी-रिंडरपेस्ट सीरम का पहला बैच तैयार किया। इसी के बाद मवेशियों और अन्य जानवरों में फैलने वाली प्लेग की बीमारी पर काबू पाया जा सका। एशिया में पशु चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में शुमार आईवीआरआई का इतिहास न सिर्फ गौरवशाली है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों की नींव भी है। संस्थान ने कई प्रमुख पशु रोगों की पहचान, रोकथाम और टीका विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रिंडरपेस्ट, एफएमडी, ब्रुसेलोसिस और स्वाइन फीवर जैसी बीमारियों के टीकों का विकास संस्थान की ही देन है।

पशुओं में प्लेग की महामारी दूर भगाई, वैक्सीन बनाकर बीमारियों से जान बचाई

उपलब्धियों भरा सफर

- रिंडरपेस्ट बीमारी का उन्मूलन, एफएमडी, लंपी डिजीज वैक्सीन का विकास।
- पशुओं की टूटी हड्डी जोड़ने की नई तकनीक को विकसित किया जाना।
- पशुओं में हड्डियों के फ्रैक्चर के इलाज में स्टेम सेल पद्धति का प्रयोग।
- 34 पेटेंट, 26 डिजाइन, 46 कॉपीराइट, 21 मोबाइल एप तथा 5 चैटबोट एप
- ऑनलाइन पशु चिकित्सा क्लीनिक, टेली कन्सलटेंसी सर्विस संचालित।

13 नए डिग्री, 22 पीजी डिप्लोमा स्टार्टअप और नवाचार पर भी जोर

- संस्थान के निदेशक और वाइस चांसलर डॉ. त्रिवेणी दत्त पशुधन उत्पादन, प्रबंधन और प्रजनन के क्षेत्र में देश के अग्रणी वैज्ञानिकों में गिने जाते हैं। स्टार्टअप संवर्धन और वैज्ञानिक नवाचारों में खास रुचि रखते हैं। उनके नेतृत्व में 'वृंदावनी' गाय, 'लैंडली' सुअर तथा रोहिलखंडी बकरी जैसी नस्लों का विकास एवं पंजीकरण हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत उन्होंने 13 नए डिग्री प्रोग्राम, 22 पीजी डिप्लोमा, 68 प्रमाण पत्र कोर्स और 5 दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम आरंभ किए हैं।
- संस्थान ने हाल ही में पहली बार स्वदेशी तकनीक से कूल्हा प्रत्यारोपण की नई उपलब्धि हासिल की है। अभी तक देश में कुत्तों के लिए आर्टिफिशियल हिप उपलब्ध नहीं था। विदेशी ुपकरणों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिसकी कीमत पांच लाख रुपये तक होती थी। लेकिन आईवीआरआई ने सीमेंटेड तकनीक पर आधारित हिप सिस्टम विकसित कर दिखाया है।

शेर, अजगर, चमगादड़ से लेकर घोड़ा और ऊंट तक के कंकाल

संस्थान परिसर में वर्ष 2015 में पशु शरीर संरचना विज्ञान अनुभाग की स्थापना हुई थी। यहां छात्र-छात्राओं को एनॉटॉमी के अंतर्गत जानवरों के शरीर की संरचना समझायी जाती है। इसके संग्रहालय में बिल्ली, कुत्ता, शूकर, भेड़, भैंस, शेर, टाइगर, घोड़ा, मेंढक और गिलहरी के साथ अजगर, एमू, चमगादड़, और ऊंट के कंकाल सुरक्षित हैं। संस्थान ग्रामीण क्षेत्र में किसानों और पशुपालकों को प्रशिक्षण देकर पशुधन उत्पादन में वृद्धि और बीमारी प्रबंधन में सहयोग करता है।

लेखक: शिवांग पांडेय, बरेली

नई किताबें

राष्ट्र प्रेम व स्वाधीनता की दुर्लभ कविताओं की कृति

'राष्ट्र प्रेम और स्वाधीनता के गीत' काव्य कृति में युवा रचनाकार विदर्भ कुमार ने दुर्लभ कविताओं में देश प्रेम के गीतों-गजलों और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में बच्चों के लिए प्रेरक गीतों को संग्रहित किया है। स्वतंत्रता संग्राम को अभिव्यक्त करती कविताओं में तत्कालीन कालखण्ड का अनुभूति पूर्ण बखान भी है।

पुस्तक : राष्ट्र प्रेम और स्वाधीनता के गीत
लेखक :विदर्भ कुमार
मूल्य :रुपये 300
प्रकाशक : शतरंग प्रकाशन, लखनऊ।
संपर्क : 8787093085, ईमेल : ltp284403@gmail.com

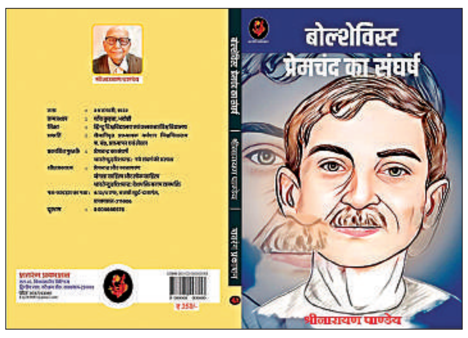

प्रेमचंद को सही परिप्रेक्ष्य में समझाती है यह पुस्तक

'बोल्शेविस्ट प्रेमचंद का संघर्ष' पुस्तक साहित्यकार श्रीनारायण पाण्डेय द्वारा कथा-शिल्पी, उपन्यास-सम्राट प्रेमचंद को लेकर सत्य का अनुसंधान करती है। यह आलोचनात्मक पुस्तक प्रेमचंद के संघर्ष के सभी पक्षों को पाठकों के सामने रखती है। पहली बार 1987 में नौ अध्याय में छपने वाली इस पुस्तक का 93 वर्षीय लेखक ने संशोधित स्वरूप दिया है। शतरंग प्रकाशन लखनऊ द्वारा प्रकाशित 124 पृष्ठों की पुस्तक में कुल 12 आलेख है जिनमें 11 लेखक तथा एक आलेख आलोचक गोपाल प्रधान का है। प्रेमचन्द का प्रसिद्ध कहानी संग्रह 'सोज-ए-वतन' उर्दू में (1908 ई0) में आया था फिर हिन्दी में प्रकाशित हुआ। ब्रिटिश हुकूमत ने सोजे वतन को जब्त कर प्रतियां जला दी थीं। इसके बाद उनकी राष्ट्रीय-चेतना और तीव्र होती गई। बोल्शेविस्ट प्रेमचंद का साहित्य समाज को सजीवता के साथ स्वाधीनता के लिए प्रेरित कर रहा था। देशवासियों में नवीन चेतना जागृत करना एक वर्ग के लिए पच नहीं रहा था। आलोचनात्मक लेखों के माध्यम से प्रेमचंद पर हमले हुए। प्रेमचंद और उनके समय को सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए पुस्तक अत्यंत उपयोगी है।

पुस्तक : बोल्शेविस्ट प्रेमचंद का संघर्ष
लेखक : श्री नारायण पाण्डेय
मूल्य : रुपये 350
प्रकाशक : शतरंग प्रकाशन, लखनऊ।
(**समीक्षक** : सुरेन्द्र अग्निहोत्री।

जॉब अलर्ट

यूपी में एलटी शिक्षक आवेदन

- कुल पदों की संख्या- 7666
- न्यूनतम योग्यता – स्नातक एवं बीएड
- आयु सीमा – 21 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 28 अगस्त
- आवेदन लिंक- upsc.up.nic.in

बिहार कर्मचारी चयन आयोग की स्नातक स्तरीय सम्मिलित परीक्षा

- कुल पद – 1064
- आयु सीमा- अधिकतम 37 वर्ष
- अंतिम तिथि – 19 सितंबर
- वेबसाइट - https:// bsasc.bihar.gov.in

एम्स नर्सिंग आफिसर भर्ती

- कुल पदों की संख्या- 3500
- न्यूनतम योग्यता – बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग या बीएससी नर्सिंग तथा दो वर्ष का अनुभव।
- आयु सीमा – 21 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 11 अगस्त

एयरपोर्ट अथॉरिटी में सीनियर असिस्टेंट की नियुक्ति

- कुल पदों की संख्या- 32
- न्यूनतम योग्यता – स्नातक
- अनुभव – संबंधित क्षेत्र में 2 वर्ष
- आयु सीमा – 18 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 26 अगस्त
- ऑन लाइन आवेदन –aai.aero

हरियाणा में कृषि विकास अधिकारी के पद पर भर्ती

- कुल पदों की संख्या- 785
- न्यूनतम योग्यता – बीए आनर्स
- आयु सीमा – 18 से 42 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 25 अगस्त
- ऑन लाइन आवेदन – http://hpsc.gov.in

आईआईटी कानपुर की अनूठी पहल

तकनीकी शिक्षा में भाषाई चुनौती का समाधान करता शिवानी केंद्र

आईआईटी, कानपुर में हर साल देश भर से सैकड़ों छात्र-छात्राएं, विविध भाषाई और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से, तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने आते हैं। लेकिन उच्च शिक्षा में अंग्रेजी भाषा का ही उपयोग होने के कारण उनको अक्सर कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसी चुनौती का समाधान करके छात्रों को सुगम शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के प्रयास का नाम है, शिवानी। शिवानी केंद्र की कोशिश रहती है कि तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई और शोध में भाषा कोई बाधा न बने और हर छात्र-छात्रा को अपनी मातृभाषा में समझ के साथ आगे बढ़ने का मौका मिले।

हिंदी साहित्य की लोकप्रिय लेखिका थीं शिवानी

शिवानी केंद्र 22 साल पहले आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र मुक्तेश (मिक्की) पंत के सहयोग से स्थापित हुआ था। यह केंद्र, उनकी मां गौरा पंत, जिन्हें प्रसिद्ध कथाकार शिवानी के नाम से जाना जाता है, की स्मृतियों को श्रद्धांजलि है। शिवानी (जन्म 17 अक्टूबर, 1923, राजकोट, गुजरात, निधन 21 मार्च 2003), हिंदी साहित्य की प्रतिष्ठित और लोकप्रिय लेखिका थीं। वर्ष 1982 में हिंदी साहित्य में योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। उनके नाम पर आईआईटी कानपुर में स्थापित केंद्र का उद्देश्य नए छात्र-छात्राओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना और उन्हें भाषा संबंधी सहायता प्रदान करना है।

नई टेक्नालॉजी के जरिए अलग अलग भाषाओं को आसानी से समझने पर चल रहा काम

- केंद्र यह सुनिश्चित करता है कि अंग्रेजी भाषा में शिक्षण की गति के कारण कोई भी छात्र मूलभूत अवधारणाओं को समझने में पीछे न रह जाए। इसके लिए केंद्र हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में शैक्षणिक सामग्री बनाने अथवा अनुवाद करने के लिए संकाय सदस्यों और शिक्षकों को समान रूप से प्रेरित करता है,ताकि छात्र अपनी मातृभाषा में अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझ सकें। राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी साहित्य सभा के साथ मिलकर कार्यशालाओं, पुस्तक मेलों, संगोष्ठियों और कार्यक्रमों का आयोजन करता है, ताकि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के समृद्ध साहित्य-भंडार एवं रचनात्मक संस्कृति से छात्र-छात्राएं परिचित हो सकें। केंद्र केवल भाषा सीखने और साहित्यिक संवर्धन तक ही सीमित नहीं है, तकनीकी योगदान देने और हिंदी-आधारित सॉफ्टवेयर के प्रचलित उपयोग को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्र में वर्चुअल रियलिटी जैसी नई टेक्नोलॉजी के जरिए अलग-अलग भाषाओं में बातचीत को आसान बनाने और समझने पर भी काम चल रहा है।

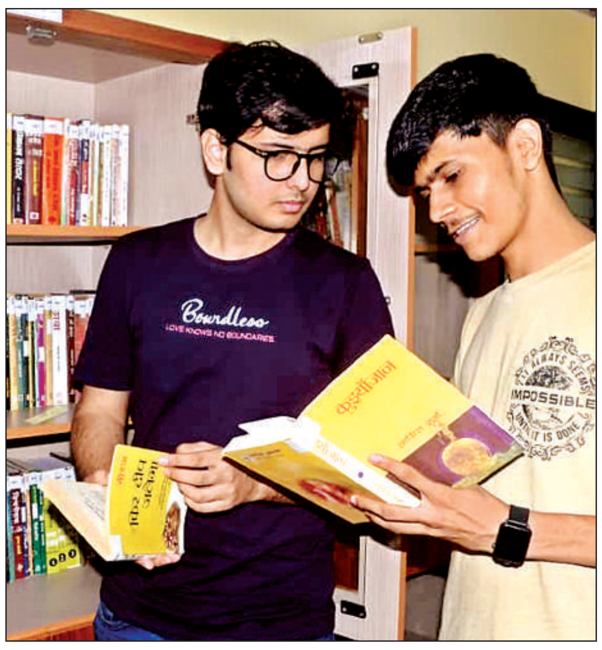

प्रस्तुति: प्रोफेसर डॉ. कांतेश बलानी लेखक शिवानी केंद्र, आईआईटी. कानपुर में समन्वयक का दायित्व संभाल रहे हैं।

इंडस्ट्री में सीखो और नौकरी पक्की करो

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत पूरे प्रदेश में करीब पांच लाख युवाओं को 400 से अधिक ट्रेड में ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। मिशन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लक्ष्य सभी प्रशिक्षण प्रदाताओं को आवंटित कर दिया है। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए जिलों में औद्योगिक क्षेत्र की मांग, उपलब्ध संसाधन, प्रशिक्षण प्रदाताओं की उपलब्धि तथा सेवायोजन क्षमता का आकलन किया गया। प्रशिक्षण को नौकरी देने वाला बनाने के लिए 47 प्रतिशत औद्योगिक इकाइयों को प्रशिक्षण प्रदाता बनाया गया है। बीते साल औद्योगिक इकाइयों को प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में मात्र तीन प्रतिशत भागीदारी दी गई थी। इस कदम से औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदाता अपनी औद्योगिक इकाई के अनुरूप प्रशिक्षण देकर बेहतर सेवायोजन उपलब्ध करा सकेंगे। हालांकि अब एक प्रशिक्षण प्रदाता केवल पांच जिलों में ही प्रशिक्षण प्रदान कर सकेगा।

इस साल पूरे प्रदेश में करीब पांच लाख युवाओं के पास 400 से अधिक ट्रेडों में प्रशिक्षण का मौका

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में 47 फीसदी औद्योगिक इकाइयों को प्रशिक्षण प्रदाता बनाया गया

प्रतिभागियों के कौशल को बाजार की मांग के अनुरूप निखारा जाता

- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन वास्तव में स्किल इंडिया मिशन के समान है। योजना में प्रशिक्षण केंद्रों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके प्रतिभागियों के कौशल को बाजार की मांग के अनुरूप निखारा जाता है। फैशन डिजाइनिंग, मोटर वाहन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, ब्यूटीशियन, स्वास्थ्य सेवा जैसे तमाम क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। अंग्रेजी भाषा और कंप्यूटर शिक्षा का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल रहता है। यह प्रशिक्षण उन युवाओं के लिए खास उपयोगी है, जो आगे की शिक्षा नहीं ले पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के निवासी युवा जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो, प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, पासपोर्ट तस्वीर, जन्म प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ती है। आवेदक को उत्तर प्रदेश सरकार की यूपी स्किल डेवलपमेंट मिशन की आधिकारिक वेबसाइट पर फॉर्म भरने के बाद यूजर नेम और पासवर्ड प्रदान किया जाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,543.99	24,574.20
गिरावट	166.26	75.35
प्रतिशत में	0.21	0.31

सोना 1,00,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,15,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, गुरुवार, 7 अगस्त 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2720, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2155, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13kg 1885, जय जवान 1915, सचिन 1950, सूरज 1915, अवसर 1840, उजाला 1900, गृहणी 13 kg 1775, क्लासिक (kg) 2035, मोर 2085, चक्र टिन 2045, ब्लू 2005, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2660

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4300, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10500

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4260, धामपुर 4460

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5500, मसूरी- 4400, बासमती- 9200, परमल- 3700

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7400, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12000-14100, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7000 अमसूर दाल- 7400, उड़द साबुत- 8500, काबुली चना- 10600, अरहर दाल- 11700, लोबिया/करमानी- 9400

वैश्विक वृद्धि में भारत का योगदान अमेरिका से कहीं अधिक

ट्रंप के बयान पर आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा ने कहा- भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बहुत अच्छा

तीसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक

मुंबई, एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वैश्विक वृद्धि में अमेरिका से कहीं अधिक योगदान दे रही है। भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.5% की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि वैश्विक वृद्धि दर 3% रहने का अनुमान है।

मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद कहा, हम वैश्विक वृद्धि में 18% का योगदान दे रहे हैं, जो 11% योगदान देने वाले अमेरिका से कहीं अधिक है। ट्रंप ने भारत के रूस से सस्ते तेल की खरीद पर पिछले हफ्ते नाखुशी जाहिर करते हुए भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' बताया था। ट्रंप ने कहा था, मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को साथ लेकर डूब सकते हैं। इस बयान पर मल्होत्रा ने कहा कि ऐसी किसी भी स्थिति में भारत में महंगाई पर असर नहीं पड़ेगा। अगर भारत को अपनी तेल खरीद रूस के बजाय कहीं और से करने के लिए मजबूर किया गया तो भी घरेलू मुद्रास्फीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यदि जरूरत पड़ी तो सरकार शुल्क में कटौती कर आम लोगों को राहत दे सकती है। वहीं, आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि भू-राजनीतिक परिस्थितियों का प्रत्यक्ष प्रभाव घरेलू मुद्रास्फीति पर नहीं होगा।

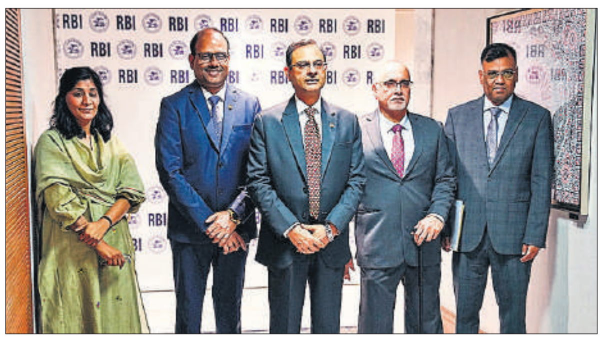

मौद्रिक नीति पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए जाते आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता, स्वामीनाथन जानकीरमन, एम. राजेश्वर राव और टी. रबी शंकर।

वृद्धि दर 6.5% रखा और महंगाई अनुमान घटाया

आरबीआई ने 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान बुधवार को 6.5% पर बरकरार रखा। साथ ही केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति के अनुमान को 3.7 से घटाकर 3.1% कर दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति के फैसले साझा करते हुए संजय मल्होत्रा ने कहा कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून, कम मुद्रास्फीति, क्षमता इस्तेमाल में बढ़ोतरी और अनुकूल वित्तीय स्थितियां घरेलू आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही हैं। मजबूत सरकारी पूंजीगत व्यय सहित सहायक मौद्रिक, नियामकीय एवं राजकोषीय नीतियों से भी मांग में तेजी आने की उम्मीद है। आने वाले महीनों में निर्माण और व्यापार में निरंतर वृद्धि से सेवा क्षेत्र में भी गति बनी रहने के आसार हैं। वृद्धि दर मजबूत है और अनुमानों के अनुसार बनी है। हालांकि, यह हमारी आकांक्षाओं से कम है।

मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार।
- 2025-26 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान घटाकर किया 3.1 प्रतिशत।
- चालू खाते का घाटा (सीएडी) टिकाऊ स्तर के भीतर रहने का अनुमान।
- मौद्रिक नीति का पूरा लाभ ग्राहकों को मिलना अभी जारी।
- फरवरी से एक प्रतिशत की कटौती का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव अब भी जारी।
- आरबीआई ऐसे बैंक ग्राहकों के खातों और लॉकर से जुड़े दावों की निपटान प्रक्रिया को मानकीकृत करेगा जिनका निधन हो चुका है।
- आरबीआई 'रिटेल-डायरेक्ट' मंच की कार्यक्षमता का विस्तार करेगा ताकि खुदरा निवेशक व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) के माध्यम से 'ट्रेजरी बिल' यानी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश कर सकें।
- एमपीसी की अगली बैठक 29 सितंबर से एक अक्टूबर 2025 को होगी।

अनिश्चितताओं, मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारण रेपो दर को रखा यथावत

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं, नीतिगत दरों में एकबारगी बड़ी कटौती और मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि से केंद्रीय बैंक ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है। मल्होत्रा ने वृद्धि को समर्थन देने के लिए आरबीआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 6.5% की वृद्धि अपेक्षा से धीमी है। मल्होत्रा ने कहा कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) सतर्क रहेगी और दरों पर उचित निर्णय लेने के लिए सभी आने वाले आंकड़ों पर नजर रखेगी। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि दरों में कटौती की संभावनाएं कम होती जा रही हैं। ब्याज दरों को यथावत रखने के सर्वसम्मत निर्णय के कारणों को गिनाते हुए मल्होत्रा ने कहा, हमने फरवरी से जून तक चार महीने की छोटी अवधि में रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती की है। इसका लाभ अब भी मिल रहा है। शुल्क वार्ताओं और अस्पष्ट भू-राजनीतिक पहलुओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वैश्विक अनिश्चितताएं कायम हैं। इसके अलावा बढ़ती मुख्य मुद्रास्फीति ने भी नीतिगत निर्णय को प्रभावित किया। ब्याज दरों में कटौती के बावजूद ऋण वृद्धि में तेजी नहीं आने के बारे में सीधे तौर पर अपने विचार व्यक्त किए बिना गवर्नर ने कहा कि कुछ हद तक लाभ हस्तांतरण अभी होना बाकी है।

भारांश औसत कॉल दर को बनाए रखने की सिफारिश

आरबीआई के आंतरिक समूह ने मौद्रिक नीति के परिचालन लक्ष्य के रूप में एक दिन के भारांश औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) को बनाए रखने की अनुशंसा की है। भारांश औसत कॉल दर वह औसत ब्याज दर है जिस पर बैंक अंतर-बैंक बाजार में एक-दूसरे को एक दिन के लिए कर्ज देते हैं। यह रिजर्व बैंक के लिए नकदी प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में ब्याज दरों को प्रभावित करने का परिचालन लक्ष्य है। आरबीआई के आंतरिक समूह ने नीतिगत दर पर परिचालन लक्ष्य दर को बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न अवधियों के रेपो एवं रिवर्स रेपो परिचालन के लिए परिवर्तनीय दर नीलामी व्यवस्था को जारी रखने की भी सिफारिश की है। मौजूदा नकदी प्रबंधन ढांचे की समीक्षा के लिए गठित डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता की अध्यक्षता वाले आंतरिक कार्य समूह (आईडब्ल्यूजी) की रिपोर्ट संबंधित पक्षों की टिप्पणियों के लिए आरबीआई की वेबसाइट पर डाली गई है।

पेटीएम हुआ स्वदेशी, चीनी स्वामित्व खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का स्वामित्व अब भारतीयों के हाथ में है। नौ साल पहले पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने कंपनी के स्वामित्व ढांचे कहा था, हम मारुति जितने ही भारतीय हैं। अब पेटीएम भावना व शेयरधारिता दोनों ही दृष्टि से पूरी तरह से भारतीय कंपनी बन गई है।

उद्योगपति जैक मा की कंपनी एंट फाइनेंशियल ने डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी समूची 5.84% हिस्सेदारी 3,980 करोड़ में बेच दी है। पेटीएम अब टाटा की तरह ही भारतीय है। यह परिवर्तन एंटफिन (नीदरलैंड) होल्डिंग बी वी के हाल ही में बाहर निकलने के साथ आधिकारिक हो गया, जिसने थोक सौदे से पेटीएम में अपनी शेष 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,800 करोड़ में बेच दी। साथ ही कंपनी में चीनी स्वामित्व शून्य हो गया है, जो इसकी शेयरधारिता में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

विजय शेखर शर्मा ने 2016 में भारत के प्रति पेटीएम की प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी और कंपनी के भारतीय मूल्यों के तालमेल पर जोर दिया था। शर्मा ने स्थानीय नियमों के प्रति पेटीएम की दृढ़ता, नवाचार के प्रति भारत-प्रथम दृष्टिकोण और भारतीय उपभोक्ताओं व व्यापारियों को सशक्त बनाने पर उसके अटूट ध्यान का उल्लेख किया था।

- एंट फाइनेंशियल ने वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी 5.84% हिस्सेदारी 3,980 करोड़ में बेची

शुल्क का बोझ अमेरिका में निम्न-आय वालों पर अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत पर शुल्क बढ़ाने की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की सदस्य शमिका रवि ने कहा कि किसी भी वृद्धि का बोझ निम्न-आय वाले अमेरिकी परिवारों पर पड़ेगा।

ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में भारत पर शुल्क में 'काफी' वृद्धि करेंगे। रवि ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ट्रंप के शुल्क वास्तव में वैश्विक बाजारों में उपलब्ध सस्ते सामान पर एक कर हैं, जिसका बोझ कम आय वाले अमेरिकी परिवारों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ये शुल्क अंत में कम आय वाले अमेरिकी परिवार ही अमेरिकी सरकार को देते हैं। ट्रंप ने एक अगस्त को भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने साथ ही कहा कि रूस से हथियार और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा, हालांकि इस बारे में आगे कुछ नहीं बताया गया।

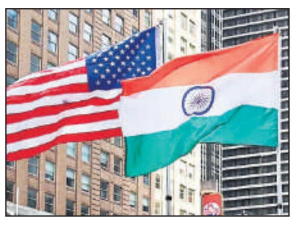

- निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

अमेरिकी शुल्क का भारत के जीडीपी और निर्यात पर दिखेगा 'नगण्य' प्रभाव

ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर घोषित शुल्क का देश के सकल घरेलू उत्पाद पर 'नगण्य' प्रभाव दिखाई देगा, क्योंकि इससे अमेरिका को होने वाला सिर्फ 8.1 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित हो सकता है। पीएचडीसीसीआई ने बुधवार को जारी अध्ययन में यह संभावना जताई। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्ययन में अमेरिकी शुल्क के असर को कम करने के लिए कई उपायों की सिफारिश भी की गई है। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा, अमेरिका द्वारा भारत पर शुल्क के चलते भारत के कुल वैश्विक वस्तु निर्यात पर सिर्फ 1.87 प्रतिशत और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर सिर्फ 0.19% का असर पड़ेगा। शुल्क से इंजीनियरिंग सामान, रत्न एवं आभूषण और तैयार वस्त्र उद्योग प्रभावित होंगे। उद्योग निकाय ने अमेरिकी शुल्क के मद्देनजर बाजार में पैठ बढ़ाने, उत्पाद विकास और बाजार विविधीकरण सहित कई उपायों की सिफारिश की है।

सरकार का एसआईआर पर चर्चा से इनकार

मानसून सत्र : गतिरोध से नहीं चले संसद के दोनों सदन, वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर बुधवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.25 बजे दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में कहा कि एसआईआर का मुद्दा उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और लोकसभा के नियमों और परंपराओं के तहत इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती।

विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही सदन ने वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2025 को पारित कर दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल मानसून सत्र में पिछले कई दिन से एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहे हैं, जिससे सदन में गतिरोध बना हुआ है। सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दो बजे शुरू हुई तो संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा कि सरकार सदन में किसी भी विषय पर चर्चा के लिए तैयार रही है लेकिन विपक्ष एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है, वह उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और सदन की कार्य प्रक्रियाओं के नियम और परंपराओं के तहत यहां इस मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकती।

इस दौरान विपक्ष के सदस्य आसन के पास आकर एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। शोर-शराबे के बीच ही पीठासीन सभापति संध्या राय ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल को वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024 को चर्चा के लिए पेश करने को कहा। विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा के बाद सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही ध्वनिमत से इसे पारित कर दिया। इसके बाद पीठासीन सभापति ने कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

मानसून सत्र के दौरान सदन को संबोधित करते संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू।

हंगामे से नहीं चल पाए शून्यकाल -प्रश्नकाल

नई दिल्ली। एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे से राज्यसभा की कार्यवाही भी बुधवार को एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे से सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चल सके। आज हालांकि हंगामे के बीच ही 'समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक, 2025' को मंजूरी दी गई। लोकसभा में यह विधेयक 28 मार्च को पारित हुआ था। सुबह 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर पूर्व सदस्य सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद उपसभापति हरिवंश ने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर नियत कामकाज स्थगित कर चर्चा के लिए उन्हें नियम 267 के तहत 35 नोटिस मिले हैं। ये नियमों के अनुरूप नहीं हैं अत: इन्हें खारिज किया गया है। इस पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। कुछ सदस्यों ने जानना चाहा कि उनके नोटिस क्यों खारिज किए गए। उपसभापति ने विपक्षी सदस्यों से आग्रह किया कि सदन को सुचारु रूप से चलने दिया जाए ताकि सदस्य शून्यकाल के दौरान अपने मुद्दे उठा सकें। उन्होंने कहा कि मैंने स्पष्ट रूप से समझाया है। कई सदस्य मेरे पास आए और कहा कि हमें शून्यकाल में अपने मुद्दे उठाने का अधिकार है। कृपया उन्हें अपने सवाल उठाने की अनुमति दें। हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों से शांत रहने तथा कार्यवाही चलने देने का अनुरोध किया, लेकिन सदन में व्यवस्था बनते न देख उन्होंने 11 बजकर दस मिनट पर बैठक दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी। दोपहर दो बजे जब सदन की कार्यवाही पुन: आरंभ हुई, तो विपक्षी सदस्य एसआईआर मुद्दे पर चर्चा की मांग करने लगे। हंगामे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के लिए मणिपुर की अनुदान मांगें सदन में प्रस्तुत कीं। पीठासीन अध्यक्ष भुवनेश्वर कलिता ने 'समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक, 2025' पर चर्चा को आगे बढ़ाने की अनुमति दी।

मानसून सत्र के दौरान सदन का संचालन करते राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह।

'फांसी घर' पर विवाद : आतिशी व आप विधायकों को सदन से निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा परिसर में ब्रिटिशकालीन तथाकथित 'फांसी घर' की प्रमाणिकता को लेकर बुधवार को भाजपा सदस्यों से तीखी बहस के बाद विपक्ष की नेता आतिशी और आप विधायकों को मार्शलों की मदद से सदन से निकाल दिया गया।

विधानसभाध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 2022 में जिस कक्ष का जीर्णोद्धार किया गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उद्घाटन किया, वह वास्तव में टिफिन रूम था, न कि औपनिवेशिक काल का फांसी स्थल। मंत्री कपिल मिश्रा ने पिछली आप सरकार पर झूठा वृत्तांत पेश करके इतिहास से छेड़छाड़ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उन्होंने टिफिन रूम को नकली फांसी स्थल में बदलने में करोड़ों खर्च किए, शहीदों का अपमान किया और लोगों को गुमराह किया। हालांकि, आप विधायक संजीव झा ने इस कमरे के ऐतिहासिक महत्व का बचाव करते हुए तर्क दिया कि ऐसे कई फांसी स्थलों का आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड नहीं रखा गया। उन्होंने कहा, इसके 1912 के नक्शे में, यही एकमात्र दोमंजिला संरचना है जो फांसी कक्ष से मेल खाती है।

झूठे दावे शहीदों का अपमान और जनता से धोखा : रेखा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा विधानसभा भवन के एक हिस्से को फांसी घर बताने के दावे को खारिज करते हुए विधानसभा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता की भावनाओं से खेलते हुए और सहानुभूति बटोरने के लिए बिना किसी प्रमाण, दस्तावेज या ऐतिहासिक आधार के विधानसभा भवन के एक हिस्से को फांसी घर घोषित कर दिया। वह शुरुआत से ही कैलकुलेटिव ढंग से राजनीति करते रहे- हर हावभाव, हर पहनावा, हर नाटक किसी उद्देश्य से किया। ईमानदारी, देशभक्ति और त्याग का दिखावा कर जनता को गुमराह किया गया, जबकि असलियत में यह सब एक स्क्रिप्टेड ड्रामा था।

कॉलेज छात्रा ने खुद को आग लगाकर दी जान

केंद्रपाड़ा (ओडिशा), एजेंसी

- ओडिशा में तीसरी आग लगाकर आत्महत्या करने की घटना
- प्रेमी के ब्लैकमेल करने के बाद उठाया दुस्साहसी कदम

ओडिशा में बुधवार को कॉलेज छात्रा ने अपने प्रेमी द्वारा ब्लैकमेल किए जाने के बाद घर में खुद को आग लगाकर आत्मदाह कर ली। 12 जुलाई के बाद से राज्य में किसी महिला की जलने से मौत की यह तीसरी घटना है। ताजा घटना पट्टामुंडई (ग्रामीण) थाना क्षेत्र के काठियापाड़ा गांव में सुबह हुई।

20 वर्षीय युवती के पिता ने दावा किया कि जब वह घर में अकेली थी, तो उसने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। वह एक युवक के साथ रिश्ते में थी, जो उसे ब्लैकमेल कर रहा था। युवती ने छह महीने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस ने मेरी बेटी से कहा कि अगर वह व्यक्ति उसे परेशान कर रहा है तो वह उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दे। केंद्रपाड़ा के एसपी सिद्धार्थ कटारिया घटनास्थल पर पहुंचे और कहा, मामले की जांच की जाएगी। यह ऐसी तीसरी घटना है। इससे पहले, बालासोर के कॉलेज छात्रा ने आत्मदाह किया था और पुरी की 15 वर्षीय लड़की की भी दो अगस्त को जलने से मौत हो गई थी।

योजनाओं में सीएम के नाम के प्रयोग संबंधी आदेश रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को बुधवार को रद्द कर दिया, जिसमें तमिलनाडु की द्रमुक सरकार को कल्याणकारी योजनाओं में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम एवं तस्वीर का प्रयोग नहीं करने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर करने के लिए अन्नाद्रमुक नेता सी. वी. षणमुगम पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

न्यायालय ने कहा कि राज्य की कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री के नाम के प्रयोग के खिलाफ याचिका अनुचित और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। पीठ ने षणमुगम को एक सप्ताह में राज्य सरकार के पक्ष में राशि का भुगतान करने को कहा तथा स्पष्ट किया कि ऐसा न करने पर अवमानना का मुकदमा चलाया जाएगा। पीठ ने आदेश दिया, याचिका पूरी तरह से अनुचित, क़ानूनी तौर पर ग़लत और क़ानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग भी थी। इसलिए हम विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को मंजूरी देते हैं और मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हैं। हम उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका को भी खारिज करने के पक्ष में हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमने बार-बार कहा है कि राजनीतिक लड़ाइयों का निपटारा मतदाताओं के समक्ष होना चाहिए और इसके लिए अदालतों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

- मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर करने पर अन्नाद्रमुक नेता पर लगा 10 लाख का जुर्माना

न्यायालय ने बिहार की मतदाता सूची मसौदा से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का ब्योरा मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से बिहार में मतदाता सूची मसौदा से बाहर किए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण नौ अगस्त तक प्रस्तुत करने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्जल भुइयां और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने निर्वाचन आयोग के वकील से कहा कि वे हटाए गए मतदाताओं का विवरण प्रस्तुत करें और इसकी एक प्रति गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' को दें। यह विवरण पहले ही राजनीतिक दलों के साथ साझा किया जा चुका है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का निर्देश देने वाले निर्वाचन आयोग के 24 जून के आदेश को चुनौती देने वाले एनजीओ ने आवेदन दायर कर 65 लाख हटाए मतदाताओं के नाम प्रकाशित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

शिक्षा से वंचित अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करें राज्य : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- 2027 की जनगणना में ऐसे बच्चों के आंकड़ों को शामिल करने पर विचार करे केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सभी राज्यों को ऐसे अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया, जो 'बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009' के तहत शिक्षा से वंचित हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र से 2027 में होने वाली आगामी जनगणना में ऐसे बच्चों के आंकड़ों को शामिल करने पर विचार करने को कहा।

शीर्ष अदालत देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले अनाथ बच्चों के लिए चिंता जताने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राज्यों को उन अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया, जिन्हें 2009 अधिनियम के प्रावधानों के तहत स्कूलों में प्रवेश दिया गया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि अनाथ बच्चों के संरक्षण और देखभाल के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाएं अपर्याप्त हैं, जिनपर विचार करने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा, राज्यों को उन अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करना होगा, जिन्हें अधिनियम के प्रावधानों के तहत पहले ही प्रवेश दिया जा चुका है, साथ ही उन बच्चों का भी सर्वेक्षण करना होगा, जो अधिनियम के तहत मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुणे: एमबीबीएस छात्रा ने हॉस्टल में आत्महत्या की

पुणे। पुणे के एक कॉलेज के छात्रावास में मेडिकल की 21 वर्षीय छात्रा ने अपने कमरे में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि छात्रा मंगलवार देर रात फंदे से लटकी मिली। घटनास्थल से एक नोट मिला है जिसमें उसने लिखा है कि उसका मानसिक उपचार चल रहा था और वह आगे पढ़ाई करना चाहती थी। पुलिस ने बताया कि छात्रा राजस्थान की रहने वाली थी और यहां सरकारी बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। वह छात्रावास के एक कमरे में दो अन्य छात्राओं के साथ रह रही थी। जब वह देर शाम तक कमरे में वापस नहीं लौटी तो उसके साथ रहने वाली लड़कियों ने थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। इसी बीच एक अन्य छात्रा ने उसे दूसरे कमरे में फंदे से लटका देखकर हॉस्टल अधिकारियों को सूचना दी।

अमेरिका को समय पर जवाब देंगे : लुला

ब्राजीलिया। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा ने कहा कि ब्राजील, अमेरिका द्वारा लगाए गए टेरिफ का जवाब समय पर देगा और इस मुद्दे को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाएगा। लुला ने कहा कि सरकार ब्राजील की जनता के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी सरकार आर्थिक और सामाजिक नुकसान को कम करने के लिए तुरंत योजना लागू करेगी। उन्होंने कहा, हम इन उपायों से प्रभावित ब्राज़ील के श्रमिकों और कंपनियों की रक्षा करेंगे और अपने हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन सहित सभी दूसरे रास्ते भी अपनाएंगे। उन्होने कहा कि ब्राजील वार्ता अभी चल रही है और अमेरिकी प्राधिकारियों के साथ बातचीत मार्च से ही जारी है।

श्रीलंका: राजपक्षे परिवार का सदस्य गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका में वर्तमान एनपीपी सरकार के भ्रष्टाचार रोधी अभियान के तहत बुधवार को शशीन्द्र राजपक्षे को गिरफ्तार कर लिया गया। मौजूदा सरकार के दौरान राजपक्षे परिवार के किसी सदस्य की यह पहली गिरफ्तारी है। शशीन्द्र पर देश के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि का दुरुपयोग करने का आरोप है। भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने राजपक्षे बंधुओं में सबसे बड़े चमल राजपक्षे के पुत्र शशीन्द्र को गिरफ्तार करके कोलंबो मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया। उन्हें 19 अगस्त तक हिरासत में भेज दिया गया है।

कैलिफोर्निया के जंगल में लगी भीषण आग

लॉस एंजिलिस। मध्य कैलिफ़ोर्निया में तेज़ी से फैल रही एक जंगल की आग से सैकड़ों इमारतों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आग ने पांच दिनों से भी कम समय में 82,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र को चपेट में ले लिया है। अमेरिकी वन सेवा और कैलिफ़ोर्निया वानिकी एवं अग्नि सुरक्षा विभाग के अनुसार, गिफ़र्ड फ़ायर नामक यह जंगल की आग शुक्रवार अपराह्न भड़की थी। मौजूदा समय में आग सैन लुइस ओबिस्पो और सांता बारबरा दोनों काउंटियों में सांता लूसिया रोड धधक रही है।

अमेरिका में रूस से आयात के सवाल पर अनजान बने ट्रंप, बोले- जांच कराऊंगा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- रूस के साथ बैठक के बाद टैरिफ पर लेंगे अंतिम निर्णय

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें रूस से यूरेनियम, उर्वरक और रसायनों के अमेरिकी आयात के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ट्रंप ने इन सामान को अमेरिका में आयात किए जाने संबंधी भारत के बयान पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता है। मुझे इसकी जांच करनी होगी, लेकिन हम इस पर जवाब देंगे।

भारत पर 25 प्रतिशत और टैरिफ लगाने की घोषणा से ऐन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह जल्द ही उन देशों पर टैरिफ लगाने का फैसला करेंगे जो रूसी ऊर्जा खरीद रहे हैं। ट्रंप ने भारत पर यह आरोप भी लगाया कि वह बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और उसे मुनाफे में बेच रहा है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने पर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था। ट्रंप ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले चीन समेत सभी देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी देने के बारे में पूछे जाने पर कहा, मैंने कोई प्रतिशत नहीं बताया लेकिन हम ऐसा ही कुछ करने जा रहे हैं। देखते हैं आगे क्या होता है। उन्होंने यह भी कहा कि बुधवार को रूस के साथ एक बैठक होने वाली है। उन्होंने कहा, हम देखेंगे क्या होता है और उसी समय निर्णय लेंगे। इससे पहले, मंगलवार को सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है, वह अगले 24 घंटों में उस पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे क्योंकि वह रूसी तेल खरीद रहा है और जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहा है।

व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम में ट्रंप को ओलंपिक 1984 के पदकों सेट प्रदान किया गया।

विदेश मंत्रालय ने दिया था ट्रंप को जवाब

ट्रंप की टिप्पणी के जवाब में भारत ने सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा था कि अमेरिका तथा यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं। जहां तक अमेरिका का सवाल है, वह अपने परमाणु उद्योग के लिए रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, अपने ईवी उद्योग के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायनों का आयात जारी रखे हुए है।

शांति वार्ता की समय सीमा से पहले ट्रंप के दूत पुतिन से मिले

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यहां मुलाकात की है। यह बैठक व्हाइट हाउस की ओर से रूस को यूक्रेन के साथ शांति समझौता करने के लिए दी गई समय सीमा से कुछ दिन पहले हुई। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि शांति समझौता नहीं करने पर रूस को गंभीर आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है, जिससे रूस से तेल खरीदने वाले देश भी प्रभावित हो सकते हैं। रूस के लिए ट्रंप की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त होगी। ट्रंप ने यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर रूस के बढ़ते हमलों पर पुतिन के प्रति निराशा व्यक्त की है।

कई नई संभावनाएं जगा सकती है... मोदी की चीन यात्रा

ऐसे समय में जबकि रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत और अमेरिकी के संबंधों में लगातार तनाव बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित चीन यात्रा के महत्व को समझने के लिए कई दृष्टिकोण हो सकते हैं। जो वैश्विक हालात हैं उनमें मोदी की चीन यात्रा को द्विपक्षीय मुलाकात के बजाय वैश्विक शक्ति-संतुलन के संदर्भ में देखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह यात्रा भारत-चीन के सीमा विवाद के समाधान की दिशा में बातचीत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है, लेकिन चीन-पाकिस्तान निकटता और इंडो-पैसिफिक रणनीति में प्रतिस्पर्धा के कारण संबंधों में पूर्ण सुधार की संभावना को भी सीमित करती है। फिर भी यह यात्रा भारत को अमेरिका और चीन दोनों के साथ अपने हित सुरक्षित रखने का अवसर दे सकती है, साथ ही ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की भूमिका को मजबूत करने में मदद कर सकती है।

तनाव की पृष्ठभूमि में यात्रा

- वर्ष 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच सीमा पर अविश्वास और सैन्य तनाव बना हुआ है। अब भी एलएसी पर कई स्थानों पर सैनिकों की तैनाती उच्चस्तर पर है।
- चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव दक्षिण एशिया में प्रभाव बढ़ा रहा है, भारत इसे संप्रभुता के लिए खतरा मानता है, खासकर सीपीईसी के कारण जो पीओके से गुजरता है।
- सीमा विवाद के बाद भारत ने चीन के दो सौ से ज्यादा एप्स पर प्रतिबंध लगा दिए थे, साथ ही निवेश नियम सख्त कर दिए थे। इसका असर व्यापारिक संबंधों पर भी पड़ा है।

ये हैं संभावनाएं

- यह यात्रा संकेत हो सकती है कि भारत और चीन दोनों अपने आर्थिक और सुरक्षा हितों को देखते हुए संवाद के रास्ते खोलने के इच्छुक हैं।
- अमेरिका से निकटता और रूस के साथ ऊर्जा-रक्षा सहयोग से भारत पर त्रिकोणीय दबाव है। चीन से संवाद इसे संतुलित कर सकता है।
- सीमा विवाद के बावजूद चीन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 135 अरब डॉलर के पार रहा। यात्रा नए रास्ते खोल सकती है।

वैश्विक राजनीति पर असर

- ब्रिक्स में 2023 के बाद नए देशों के शामिल होने से यह मंच अमेरिका-यूरोप के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत की चीन यात्रा इस संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक कदम हो सकती है।
- यह यात्रा वैश्विक स्तर पर संकेत दे सकती है कि भारत पश्चिमी दबाव में झुकने के बजाय बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन के बीच संतुलन बनाने की रणनीति शामिल है।

रूस-चीन-भारत का संभावित त्रिकोण

यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिम से अलग-थलग रूस चीन पर निर्भरता बढ़ा रहा है। भारत रूस से ऊर्जा और हथियार खरीद रहा है, जिससे साझा हित बनते हैं। चीन की पाकिस्तान से रणनीतिक साझेदारी, भारत की क्वाड सदस्यता और चीन का इंडो-पैसिफिक में विस्तार से इसमें अड़चन बन सकता है।

इजराइल गाजा में हमले और तेज करने की तैयारी में, संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी

सहायक महासचिव ने कहा- लाखों फलस्तीनी होंगे प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र ने इजराइली सैन्य अभियानों के संभावित विस्तार के खिलाफ चेतावनी दी है। यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका के लिए संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव मिरोस्लाव जेंका ने मंगलवार को कहा कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पूरे गाजा पट्टी में सैन्य अभियानों का विस्तार करने से संबंधित नवीनतम रिपोर्टें यदि सच हैं तो बेहद चिंताजनक हैं। इससे लाखों फलस्तीनियों के लिए विनाशकारी परिणाम सामने आएंगे और गाजा में इजराइली बंधकों के जीवन को भी खतरा हो सकता है।

उन्होंने कहा, इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट है। गाजा फलस्तीनी राज्य का एक अभिन्न अंग है और उसे बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसा कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने जुलाई 2024 में कहा था कि इजराइल का दायित्व है कि वह सभी नई बस्तियां बसाने की गतिविधियों को तुरंत बंद करे और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र से सभी बसने वालों को निकाले और वहां अपनी अवैध उपस्थिति को जल्द समाप्त करे।

उन्होंने कहा, गाज़ा में स्थिति भयावह है। यह असहनीय है। उन्होंने बताया कि फलस्तीनियों को रोज़ाना घिनौनी और अमानवीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर 2023 में संघर्ष शुरू होने के बाद से 60,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। जेंका ने कहा कि इस साल मई के अंत से खाद्य आपूर्ति तक पहुंचने की कोशिश करते हुए 1,200 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं और 8,100 से ज्यादा घायल हुए हैं। मृतकों और घायलों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इजराइल गाज़ा में मानवीय सहायता को लगातार गंभीर रूप से प्रतिबंधित कर रहा है और जो सहायता पहुंचाने की अनुमति है वह बेहद अपर्याप्त है। गाजा में हर जगह भुखमरी है।

गाजा में इजराइली हमलों में 83 और फलस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा में मंगलवार को इजराइली हमले में कम से कम 83 फलस्तीनी मारे गए। गाजा नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ से कहा कि मृतकों में उत्तरी, मध्य और दक्षिणी गाजा में सहायता के लिए प्रतीक्षा कर रहे 58 लोग शामिल हैं। हमलों में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें गाजा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इन घटनाओं पर इजराइली सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को बताया 18 मार्च को इजराइल के गाजा में तीव्र हमलों को फिर शुरू करने के बाद से कम से कम 9,519 फलस्तीनी मारे गए हैं और 38,630 घायल हुए हैं। अक्टूबर 2023 से गाजा में मरने वालों फलस्तीनियों की संख्या 61,020 हो गई है, 150,671 घायल हुए हैं।

जगमग कर्तव्य पथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में नवनिर्मित कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उनकी उपस्थिति में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कर्तव्य पथ को प्रकाशित किया गया। एजेंसी

किन्नर कैलाश यात्रा मार्ग पर फंसे 413 श्रद्धालु निकाले

किन्नौर। हिमाचल प्रदेश के तांगलिंग क्षेत्र में किन्नर कैलाश यात्रा मार्ग पर बादल फटने के कारण ट्रेक का बड़ा हिस्सा बह जाने से सैकड़ों यात्री फंस गए थे लेकिन आईटीबीपी ने समय रहते बचाव अभियान चलाकर 413 श्रद्धालुओं को सुरक्षित बचा लिया। बल के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि आईटीबीपी की 17वीं वाहिनी की टीम ने सूचना मिलते ही रस्सी आधारित ट्रैवर्स क्रॉसिंग तकनीक का प्रयोग करते हुए 413 श्रद्धालुओं को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है।

अमेरिका: शूटर की मौजूदगी की सूचना पर जॉर्जिया सैन्य अड्डा बंद

सवाना। अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी जॉर्जिया में फोर्ट स्टीवर्ट पर एक सक्रिय शूटर की सूचना मिलने के बाद इस विशाल सैन्य चौकी के कई हिस्सों को बंद कर दिया गया।

सवाना के दक्षिण-पश्चिम में स्थित फोर्ट स्टीवर्ट, मिसीसिपी नदी के पूर्व में सबसे बड़ी सैन्य चौकी है। लेफ्टिनेंट कर्नल एंजेल टॉमको ने बताया कि यह पता नहीं चल पाया है कि कोई घायल हुआ है या नहीं। टॉमको ने कहा, हम फिलहाल स्थिति का आकलन कर रहे हैं लेकिन हम सक्रिय शूटर की पुष्टि कर सकते हैं। फोर्ट स्टीवर्ट के फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में बंद किये गये क्षेत्र के सभी कर्मियों से कहा गया कि वे अंदर रहें, सभी खिड़कियां और दरवाजे बंद कर दें और ताला लगा दें।

अमेरिका: उत्तरी एरिजोना के नवाजो नेशन में हुई विमान दुर्घटना में चार लोगों की मौत

चिनले। अमेरिका के उत्तरी एरिजोना के नवाजो नेशन में मंगलवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने और फिर उसमें आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार यह चिकित्सीय परिवहन विमान था जिसमें बीमार और घायलों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता था। यह विमान चिनले के हवाई अड्डे के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में सवार चिकित्साकर्मी एक मरीज को लेने अस्पताल जा रहे थे। संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारियों ने एक ईमेल में बताया कि विमान दोपहर में हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

घाना: हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रक्षा और पर्यावरण मंत्री समेत आठ की मौत

अक्रा। घाना सरकार का कहना है कि एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में देश के रक्षा और पर्यावरण मंत्रियों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। सेना ने कहा कि हेलीकॉप्टर ने बुधवार सुबह राजधानी अक्रा से ओबुआसी क्षेत्र के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन इसका रडार से संपर्क टूट गया।

ईरान में इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में परमाणु वैज्ञानिक वादी को फांसी की सजा

तेहरान। ईरान की न्याय पालिका ने बुधवार को देश के परमाणु ऊर्जा संगठन के अंतर्गत परमाणु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के सदस्य और परमाणु वैज्ञानिक रूजबेह वादी को इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में फांसी की सजा सुनाई।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि वादी ने रिएक्टर इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी और वरिष्ठ ईरानी परमाणु विशेषज्ञों अब्दोलहामिद मिनौचेहर और अहमद ज़ोल्फागरी के साथ 2011 में एक शोध पत्र के सहलेखक थे। मिनौचेहर एवं जोल्फागरी की ईरान-इजराइल युद्ध के दौरान मृत्यु हो गई थी। न्याय पालिका ने आरोप लगाया था कि वादी इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद को संवेदनशील डेटा सौंप रहे थे।

ईरानी अधिकारियों का दावा है कि वादी को ऑनलाइन भर्ती किया गया था एवं एलेक्स नाम के एक मोसाद अधिकारी ने उसकी जांच की थी और बाद में उसे केविन नाम के एक हैंडलर को सौंप दिया गया था। न्याय पालिका के अनुसार वादी की जांच के बाद मोसाद ने कथित तौर पर उसे एक स्रोत बना लिया था। फिर उसे मोसाद के शीर्ष प्रभागों में से एक से मिलवाया गया।

महिला ने 22 महीने में तीन सौ लीटर ब्रेस्ट मिल्क दान किया

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के कट्टूर में 33 वर्षीय गृहिणी सेल्वा बृंदा ने 22 महीने में 300 लीटर से अधिक ब्रेस्ट मिल्क (मां का दूध) दान कर समयपूर्व जन्मे और गंभीर बीमार हजारों शिशुओं की जान बचाने में मदद की।

दो बच्चों की मां सेल्वा ने महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल मिल्क बैंक को अप्रैल 2023 से फरवरी 2025 के बीच 300.17 लीटर ब्रेस्ट मिल्क दान किया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस मिल्क बैंक को दान किए गए कुल ब्रेस्ट मिल्क में लगभग 50 फीसदी योगदान बृंदा का था।

चीन को छोड़कर अमेरिका के करीब नहीं जाएगा पाकिस्तान

बीजिंग, एजेंसी

- **विशेषज्ञों ने जताई राय, कहा- जनरल मुनीर की अमेरिका यात्रा से पश्चिम एशिया पर पड़ेगा प्रभाव**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन के सदाबहार सहयोगी पाकिस्तान के साथ अपने देश के संबंधों को मजबूत करने पर चीनी रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान, चीन के वैश्विक प्रभाव को नियंत्रित करने की ट्रंप की रणनीति की सीमाओं को समझता है।

पिछले महीने, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने फील्ड मार्शल का पदभार ग्रहण करने के बाद चीन की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की थी। साथ ही ट्रंप के साथ भी एक निजी भोज में भाग लिया था। उस बैठक का समापन ट्रंप द्वारा तेल सौदे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग बढ़ाने की घोषणा के साथ हुआ।

'इकोनॉमिस्ट' के एक हालिया लेख के अनुसार, जनरल मुनीर की यात्रा अमेरिकी विदेश नीति में बदलाव का प्रतीक है जिसके न केवल भारत, बल्कि चीन और पश्चिम एशिया पर भी प्रभाव पड़ेंगे। बीजिंग प्रवास के दौरान जनरल मुनीर ने उपराष्ट्रपति हान झेंग, विदेश मंत्री वांग यी और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की। हालांकि, राष्ट्रपति शी चिनफिंग से उनकी मुलाकात नहीं हुई। यह उनके पूर्ववर्ती जनरल कमर जावेद बाजवा से बिल्कुल अलग है, जिन्होंने 2018 में अपनी चीन यात्रा के दौरान शी चिनफिंग से मुलाकात की थी। मुनीर की बैठकों के आधिकारिक बयानों में कूटनीतिक शिष्टाचार पर जोर दिया गया और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की पुष्टि की गई। हालांकि, ट्रंप-मुनीर के संबंधों के बारे में चीन की धारणा अब भी अस्पष्ट है, खासकर जब ट्रंप चीन के एक वैश्विक शक्ति के रूप में उदय को रोकने के लिए अपनी स्पष्ट रणनीति पर अड़े हैं। पाकिस्तान के साथ सदाबहार संबंधों को बढ़ावा देने में दशकों से किए गए निवेश को देखते हुए चीन की अपनी चिंताएं हैं।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 2 :28 तक उपरान्त चतुर्दशी।

आज का पंचांग

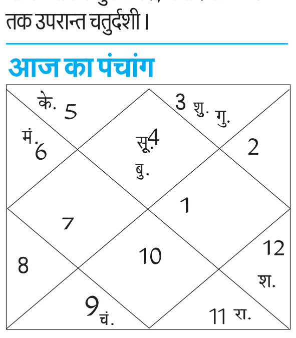

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा।

ताराबल अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद

चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष लंबे समय से चले आ रहे भूमि या संपत्ति से जुड़े विवाद सुलझने के संकेत हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। यशस्वी काम करने का मौका मिल सकता है। आज सुख-सुविधाओं के साधन बढ़ेंगे। परिवार में आनंद का माहौल रहेगा।

वृष आज का दिन शुभ है। दुश्मनों पर बढ़त बनाने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आज काम की प्रशंसा मिलेगी साथ ही सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। आज अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं। धन लाभ, सम्मान, उपहार और पुरस्कार मिलने की संभावना है।

मिथुन आज इच्छित कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। लाभकारी योग बन रहा है और नए काम से फायदा होगा। गुप्त विरोधियों की चाल विफल रहेगी। माता-पिता का आशीर्वाद लें। आज प्रभावशाली लोगों से सहयोग प्राप्त होगा। मन में शांति रहेगी।

कर्क लंबे समय से रुके काम बन जाएंगे। काम सफल होने में पुराने शुभचिंतक मददगार बनेंगे। आज उद्योग-व्यापार में सफलता के योग हैं। आज घर के लिए खरीददारी कर सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाएं मिलेंगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह आज सामाजिक संबंधों का लाभ मिल सकता है। आदर-सम्मान और कर्मबल में वृद्धि के योग हैं। परिस्थितियों में सुधार होगा और रुके काम पूरे होते चले जाएंगे। व्यवसाय में आशा से अधिक लाभ मिल सकता है।

कन्या जीवन में नई आशाओं का संचार होगा। धैर्य और साहस से सभी काम पूरे हो जाएंगे। आज धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। नौकरी में उत्साह बना रहेगा और प्रशंसा मिलने की उम्मीद है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला लंबे समय से चली आ रही परेशानियों का अंत होगा। मेहनत से इच्छित लाभ मिलेगा। आर्थिक संतुलन बनाए रखने में सफल रहेंगे। अलबत्ता पारिवारिक जिम्मेदारियों पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति होगी।

वृश्चिक जीवन में राजनीतिक संपर्क से प्रभाव बढ़ेगा। मनचाही इच्छाओं की पूर्ति का योग है। व्यापार में अच्छे परिवर्तन और आर्थिक लाभ की संभावना है। सम्मान की रक्षा होगी। मित्रों और परिवार का सहयोग मिलेगा। भूमि या संपत्ति से जुड़े काम सफल होंगे।

धनु आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रुके हुए कामों में प्रगति होने की संभावना है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर मिलेगा। किसी बड़ी योजना को साकार करने में भरपूर सहयोग मिलेगा। जीवन में खुशी रहेगी।

मकर आज रोजगार से जुड़ी चिंताएं खत्म होने की संभावना है। आप साहस से सफलता प्राप्त करेंगे। पारिवारिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त करेंगे। सामाजिक और राजनीतिक संबंध लाभ देंगे। कहीं फंसा हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ लाभकारी प्रयास सफल होंगे। मित्रों और करीबी लोगों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान और स्वावलंबन बढ़ेगा। आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं। आज नए लोगो से मुलाकात होगी। घर-गृहस्थी में सुख-शांति रहेगी। मनोकामनाएं पूरी होने के योग हैं।

मीन जीवन में लंबे समय से चली आ रही चिंता खत्म होगी। परिश्रम का उचित फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा प्राप्त करेंगे। धैर्य, गंभीरता और सहनशीलता के बल पर परिवार में महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। इससे घर में शांति का माहौल बनेगा।

सुडोकू-62

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9			4					5
			9		3		1	
	8					6		9
		6			7			1
		3				7		
5			1				6	
6		1			8		3	
	2		3		9			6
4					5			7

सुडोकू - 61 का हल

1	2	8	9	5	4	3	6	7
6	5	3	2	1	7	9	8	4
4	7	9	3	6	8	2	5	1
9	4	2	5	7	3	8	1	6
8	6	5	1	4	2	7	9	3
3	1	7	8	9	6	5	4	2
2	9	1	6	3	5	4	7	8
5	3	4	7	8	1	6	2	9
7	8	6	4	2	9	1	3	5

सिराज का प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में शानदार रहा है। उसकी ऊर्जा, आक्रामकता और निरंतरता शानदार रही है। वह भारत के लिए मैच विनर है और बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है।
- मोईन अली

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार, 7 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रूट को मैन ऑफ द सीरीज होना चाहिए था

लंदन : इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर के उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले जो रूट को मिलना चाहिए था। श्रृंखला 2-2 से बराबर रहने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए विपक्षी टीम से एक खिलाड़ी का चयन किया। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भारत की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के रूप में कप्तान शुभमन गिल को जबकि गंभीर ने इंग्लैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के रूप में ब्रूक को चुना।

नाओमी ओसाका सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर पहली बार नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंतिम चार में ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा।

पंजाब और झारखंड फाइनल में

चेन्नई : पंजाब और झारखंड ने बुधवार को अपने मुकाबले जीत कर 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। दिन के पहले सेमीफाइनल में पंजाब ने उत्तर प्रदेश को 4-3 से हराया जिसमें सुखदेव सिंह ने दो गोल दागे जबकि मंदीप सिंह और वरिंदर सिंह ने एक एक गोल किया। उत्तर प्रदेश के लिए हर्ष प्रताप सिंह, अली शाहरुख और कप्तान केतन कुशवाहा ने गोल किए दूसरे सेमीफाइनल में झारखंड ने मध्य प्रदेश को 3-1 से हराया। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश बृहस्पतिवार को तीसरे स्थान के लिए आमने-सामने होंगी।

सेमीफाइनल में भिड़ेंगे टेलर और बेन

टोरंटो : अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ और बेन शेल्टन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह पिछले 15 वर्षों में एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में पहला अवसर होगा जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज़ ने रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को 6-3, 7-6 (4) से हराया। उन्होंने 20 ऐस लगाए, जिनमें से एक ने मैच का अंत भी किया। चौथी वरीयता प्राप्त शेल्टन ने ऑस्ट्रेलिया के नौवें नंबर के एलेक्स डी मिनौर को 6-3, 6-4 से हराया। फाइनल गुरुवार को खेला जाएगा।

हरीश और अरुण तीसरे दौर में

चेन्नई : भारत के हरीश प्रकाश और तयिन अरुण ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप के अंडर-18 बालक वर्ग के तीसरे दौर में प्रवेश किया। टूर्नामेंट के तीसरे दिन अरुण ने भारतीय प्रतियोगियों में 9.23 से सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। उन्होंने थाईलैंड के टिन जॉनसन (9.60 अंक) से पीछे रहकर तीसरे दौर में जगह बनाई। ग्यारह वर्षीय प्रकाश ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया और मलेशिया के लुकास सैंटियागो (10.57 अंक) के बाद 7.97 अंक हासिल करके तीसरे दौर में जगह बनाई।

आग लगने के बाद चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स स्थगित

चेन्नई : चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को आयोजन स्थल हयात रीजेंसी होटल में आग लगने के बाद गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह प्रतियोगिता पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार से शुरू होनी थी। इस प्रतियोगिता में देश और विदेश के कई नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट निदेशक श्रीनाथ नारायणन ने लिखा रीजेंसी में कल रात आग लग गई थी।

बुमराह की तरह सिराज के वर्कलोड पर ध्यान देना होगा

आरपी सिंह ने कहा कि यह गेंदबाज लगातार खेलेगा तो चोटिल होने का जोखिम रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में थकान को धता बताते हुए अपनी गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले मोहम्मद सिराज के वर्कलोड (थकान और चोट से बचने के लिए खेल से विश्राम) पर ध्यान देने की वकालत करते हुए भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने कहा कि यह तेज गेंदबाज अगर लगातार खेलेगा तो चोटिल होने का जोखिम बना रहेगा। सिराज ने श्रृंखला में इंग्लैंड में 185.3 ओवर डालकर 23 विकेट चटकाये। वह इस श्रृंखला में सबसे अधिक गेंदबाजी करने के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

आरपी सिंह ने भाषा को दिये साक्षात्कार में कहा सिराज को भविष्य में चोटिल होने से बचाने के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट जरूरी होगा। तेज गेंदबाज अगर कम समय में ज्यादा मैच खेलते हैं तो चोटिल होने का खतरा रहता है। सिराज के कार्यभार को भी उसी तरह से प्रबंधित करना होगा जैसे हमने बुमराह के साथ किया है। उन्होंने कहा बेहतर कार्यभार प्रबंधन के कारण बुमराह ने विश्व कप (वनडे और टी20) में शानदार गेंदबाजी की थी। सिराज भी उसी श्रेणी का गेंदबाज है। चोटिल होने से बचाने के लिए उसके वर्कलोड पर भी आज नहीं तो कल गंभीरता से ध्यान देना होगा। भारत के लिए 14 टेस्ट सहित कुल 82 मैच खेलने वाले आरपी

मोहम्मद सिराज।

सिंह ने इंग्लैंड दौरे पर दिलेरी और जिम्मेदारी से गेंदबाजी करने के लिए सिराज की तारीफ की।

क्रिकेट विशेषज्ञ के तौर पर आरपी सिंह ने कहा सिराज इकलौता गेंदबाज है जिसने पांचों टेस्ट मैच खेले और इन सभी मैचों में पूरे जज्बे और दमखम के साथ गेंदबाजी की। उसने श्रृंखला जिस आखिरी गेंद पर बल्लेबाज को बोल्ड किया वह उनकी इस श्रृंखला की चौथी या पांचवीं सबसे तेज गेंद थी। सिराज ने यॉर्कर गेंद पर इंग्लैंड के गस एटकिंसन को बोल्ड कर भारत को पांचवें टेस्ट में जीत दिलाई थी। उनकी इस गेंद की गति 143 किलोमीटर प्रति घंटे थी। यह इस श्रृंखला में उनकी पांचवीं सबसे तेज गेंद थी।

आरपी सिंह ने कहा यह दर्शाता है कि उनकी ओर से प्रयास में कभी कोई कमी नहीं थी। उन्होंने सही लाइन लेंथ से गेंदबाजी करने की कोशिश की और टीम के लिए उम्मीद से बढ़कर योगदान दिया। इस दौरान उसकी फिटनेस और लय शानदार रही। सिराज अब तक बुमराह की छत्रछाया में गेंदबाजी करते रहे हैं लेकिन इस श्रृंखला के बाद उन्होंने खुद की विरासत तैयार कर ली है। आरपी सिंह ने कहा कि बुमराह की सफलता में भी सिराज का योगदान है।

आरपी सिंह ने कहा बल्लेबाजी में जैसे साझेदारी होती है वैसे ही गेंदबाज भी जोड़ी में गेंदबाजी करना पसंद करते हैं। बुमराह ज्यादा विकेट निकालते है और अलग तरह की एक्शन के कारण उनके पास बल्लेबाजों को ज्यादा परेशान करने की क्षमता है।

उन्होंने कहा बुमराह की मौजूदगी में सिराज का काम अपने छोर से दबाव बनाने का होता है और वह इस काम को बखूबी करते हैं। दोनों की जोड़ी बेहद खास रही है और इस जोड़ी काफी अच्छा प्रदर्शन कर के भी दिया है। जब बुमराह टीम में नहीं है तो सिराज हमारे मुख्य तेज गेंदबाज हो गये। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के सिर्फ तीन मैच खेलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा यह तो पहले से तय था कि वह इस दौरे पर तीन मैच खेलेंगे। बुमराह के साथ अच्छी बात यह है कि जब वह टीम का हिस्सा होते है तो वह आपको विकेट निकाल कर देते हैं। कप्तान को उनसे हमेशा विकेट की उम्मीद रहती है। ऐसे में वह जिस मैच का भी हिस्सा होते है उसमें अकसर दूसरे गेंदबाजों से अधिक गेंदबाजी करते है। कुलदीप यादव और अर्शदीप को इंग्लैंड दौरे पर एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला।

रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंचे सिराज

दुबई : भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में 15वें स्थान पर पहुंच गए जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेने के बाद 12 स्थान की छलांग लगाई। उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए जिससे भारत ने मेजबान टीम को रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की। सिराज की अब तक की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी रैंकिंग 16 थी जो उन्होंने पिछले साल जनवरी में हासिल की थी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 889 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा भी करियर की सर्वश्रेष्ठ 59वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

हैदराबाद पहुंचने पर जोरदार स्वागत

टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाने के बाद सिराज बुधवार को अपने गृह नगर हैदराबाद पहुंचे, जहां पर जोरदार स्वागत किया गया। सिराज ने पांच मैचों की सीरीज में सर्वाधिक 23 विकेट लिए। उन्होंने ओवल में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें इस मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। हैदराबाद का रहने वाला यह खिलाड़ी काले रंग की कैजुअल पोशाक में इससे पहले फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ सुबह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां प्रशंसकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बुमराह के बिना भारत की जीत महज संयोग : सचिन तेंदुलकर

मुंबई, एजेंसी

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत का इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट जीतना महज संयोग था और यह करिश्माई तेज गेंदबाज अब भी असाधारण और अविश्वसनीय है। बुमराह हाल में इंग्लैंड में खत्म हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में से तीन मैच में ही खेले थे। सीरीज में कम अनुभव वाली भारतीय टीम इसके बावजूद इंग्लैंड से 2-2 से ड्रॉ खेलने में कामयाब रही। भारतीय टीम ने जो दो मैच जीते उनमें कार्यभार प्रबंधन योजना के कारण बुमराह का नहीं खेलना पहले से ही तय था।

तेंदुलकर ने कहा कि बुमराह की अनुपस्थिति में बर्मिंघम और द ओवल में भारत की जीत महज संयोग थी। उन्होंने बुमराह के तीन टेस्ट मैच में प्रदर्शन के बारे में बात की। इस तेज गेंदबाज ने श्रृंखला में कुल 14 विकेट लिए। तेंदुलकर ने 'रेडिट' पर श्रृंखला के अपने वीडियो विश्लेषण में कहा बुमराह ने सही में अच्छी शुरुआत की, पहले टेस्ट (पहली पारी में) में पांच विकेट लिए। वह दूसरा टेस्ट नहीं खेले लेकिन तीसरे और चौथे टेस्ट में खेले। फिर इन दो टेस्ट में से एक में उन्होंने पांच विकेट झटके। उन्होंने कहा बुमराह ने जो तीन टेस्ट खेले, उनमें से दो में उन्होंने पांच विकेट लिए। मुझे पता है कि लोग कई बातों पर चर्चा कर रहे हैं कि हम उन टेस्ट मैच में जीते जिनमें वह नहीं खेले। मुझे लगता है कि यह महज एक संयोग है। तेंदुलकर ने कहा बुमराह की गेंदबाजी असाधारण है। वह अब तक जो कर पाए हैं, वह अविश्वसनीय है।

इसमें कोई शक नहीं है कि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मैं उन्हें किसी भी अन्य गेंदबाज से बेहतर मानता हूं। बुमराह की अनुपस्थिति में मोहम्मद सिराज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सभी पांच मैच में खेले जिसमें उन्होंने 185.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 23 विकेट झटके। बुमराह आंकड़ों के हिसाब से सिराज से कहीं आगे हैं। उन्होंने 48 टेस्ट मैच में 219 विकेट लिए हैं जबकि सिराज के 41 मैच में 123 विकेट हैं। योजना के अनुसार बुमराह की पांचवें और अंतिम टेस्ट में अनुपस्थिति उनके कार्यभार प्रबंधन को लेकर कुछ सवाल जरूर खड़े करती है लेकिन टीम प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया था कि इस शीर्ष तेज गेंदबाज के संबंध में जोखिम नहीं लिया जा सकता था। तेंदुलकर ने ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जमकर तारीफ की जिन्होंने पूरे मैच में टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

उन्होंने कहा वह जब भी खेला है, उसने योगदान दिया है। अगर आप दूसरे टेस्ट मैच में देखें तो चौथी पारी में उसने पांचवें दिन लंच से ठीक पहले बेन स्टोक्स को शानदार गेंद पर आउट कर दिया। मुझे लगता है कि यह 'टर्निंग प्वाइंट' था।

बोलने से पहले सोचें बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंग्लैंड के कप्तान की टिप्पणी पर रविचंद्रन अश्विन ने कहा- कर्म तुरंत सामने आते हैं

भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर बेन स्टोक्स की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि इंग्लैंड के कप्तान को बोलने से पहले सोचना चाहिए था, क्योंकि तब उनके कर्म तुरंत ही सामने आ गए थे जब पांचवें टेस्ट में क्रिस वोक्स के कंधे में चोट लगने के बाद उन्हें एक बल्लेबाज की कमी खल रही थी।

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर में ड्रॉ हुए चौथे टेस्ट के पहले दिन रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। स्कैन में उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि होने के बावजूद वह अगले दिन बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरे थे। इसके बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में चोटिल खिलाड़ियों के स्थान पर अन्य खिलाड़ियों को शामिल करने की बात कही थी, जिसे स्टोक्स ने खारिज करते हुए बेहद हास्यास्पद बताया था।

रविचंद्रन अश्विन। एजेंसी

ओवल में पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा जब वोक्स के कंधे में फ्रैक्चर हो गया लेकिन फिर भी वह अंतिम दिन बल्लेबाजी करने उतरे। उस समय इंग्लैंड के नौ विकेट गिर चुके थे और उसे जीत के लिए 20 से भी कम रन की जरूरत थी।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा एक तमिल कहावत है जिसका मोटे तौर पर अनुवाद है आपके कर्म आपको लगभग तुरंत प्रभावित करेंगे। आप जो बोते हैं, वही काटते हैं। उन्होंने कहा आखिरी टेस्ट से पहले पंत की चोट के बारे में सवाल पूछे गए थे। गौतम गंभीर ने कहा था कि ऐसी चोटों के लिए नए खिलाड़ी को टीम में शामिल करना चाहिए। जब स्टोक्स से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसे मज़ाक बताकर टाल दिया। मैं स्टोक्स के कौशल और उनके रवैये का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं लेकिन वह सोच-समझकर जवाब दे सकते थे। अश्विन ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन की क्रिकेट के नियमों में बदलाव की जरूरत संबंधी टिप्पणी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा माइकल वॉन ने कहा कि यह एक ऐसा मसला है जिसके लिए नियमों में बदलाव हो सकता है। चोटिल खिलाड़ी की जगह नए खिलाड़ी को शामिल करने की अनुमति होनी चाहिए। स्टोक्स को यह सोचना चाहिए था कि अगर ऋषभ पंत जैसी क्षमता वाला कोई खिलाड़ी उनकी टीम में होता और चोटिल हो जाता तो क्या होता।

चैपल ने इंग्लैंड की आलोचना की

नई दिल्ली : आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने भारत के खिलाफ ड्रॉ हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड की आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने की रणनीति की आलोचना करते हुए कहा सकारात्मक क्रिकेट का मतलब लापरवाह क्रिकेट नहीं है।

चैपल ने अपने कॉलम में युवा भारतीय टीम की अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रशंसा की, वहीं इंग्लैंड के खिलाड़ियों, विशेषकर हैरी ब्रुक की आलोचना की, क्योंकि वे परिस्थितियों को समझने में विफल रहे। भारत के पूर्व मुख्य कोच चैपल ने कहा इस श्रृंखला में इंग्लैंड का सफर उसके सामने चेतावनी पेश करता है।

इसे प्रतिभाशाली लेकिन चंचल प्रकृति के हैरी ब्रुक ने मूर्त रूप दिया, जिनकी मैं पहले सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर चुका हूं। उन्होंने कहा उनकी टाइमिंग बहुत अच्छी है। वह कई तरह के शॉट लगा सकते हैं। उनमें आत्मविश्वास है और बल्लेबाजी को सहज बनाने का दुर्लभ कौशल है।

गिल आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित

दुबई, एजेंसी

- इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन का मिला लाभ

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की। गिल ने श्रृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने श्रृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे

स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए। आईसीसी ने कहा उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर सर्वकालिक महान विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

आईसीसी ने कहा मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं। आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाएद्।

विश्व खेल 2025 के पांच खेलों में भाग लेंगे भारतीय एथलीट

चेंगदू (चीन), एजेंसी

- 12वें संस्करण की आज से चीन में होगी शुरुआत

भारतीय एथलीटों की 17 सदस्यीय टीम आज से शुरू हो रहे विश्व खेल 2025 के 12वें संस्करण की पांच खेलों की 23 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेगी। इस बार विश्व खेलों में 34 खेलों और 60 विधाओं में 253 पदक स्पर्धाएं होंगी।

पॉवरबोटिंग और चीयरलीडिंग को पहली बार इस प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। भारत इनमें से कुल पांच खेलों तीरंदाजी, बिलियड्र्स, रैकेटबॉल, रोलर स्पोर्ट्स या स्केटिंग और वुशु में 23 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। भारत के तीरंदाजी दल में अभिषेक वर्मा और परनीत कौर, स्पीडस्केटर वेलकुमार आनंद कुमार और आर्यनपाल सिंह घुमन, तथा वुशु एथलीट नाओरेम रोशिबिना देवी, मधुरा धमनगांवकर शामिल हैं। भारत मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में भी भाग लेगा, जो कि लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में भी शामिल होगी। भारतीय एथलीटों के लिए विश्व खेल 2025 का कार्यक्रम इस प्रकार हैः- तीरंदाजीःपुरुष और महिला कंपाउंड सात से नौ अगस्त किंगलॉन्ग लेक पार्क में तीरंदाजीः मिश्रित टीम आठ अगस्त किंगलॉन्ग लेक पार्क में बिलियड्र्सः मिश्रित हेबॉल 10 से14 अगस्त सिविल एविएशन फ्लाइट यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना टिएंफू कैंपस जिमनेशियम बिलियड्र्सः पुरुष स्नूकर 10 से 14 अगस्त सिविल एविएशन फ्लाइट यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना टिएंफू कैंपस जिमनेशियम बिलियड्र्सः महिला स्नूकर 10 से 13 अगस्त सिविल एविएशन फ्लाइट यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना टिएंफू कैंपस जिमनेशियम वुशुः सांडा इवेंट्स 10 से 12 अगस्त हाई-टेक जोन स्पोर्ट्स सेंटर जिमनेशियम।

हार के बाद ऑनलाइन घृणा का शिकार हुईं स्वितोलिना

मांट्रियल : यूक्रेन की टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने बताया है कि कनाडा में एक मैच हारने के बाद कैसे कुंठित सटोरियो ने आनलाइन उनके खिलाफ नफरत उगली, उनके मरने की कामना की और रूस द्वारा यूक्रेन में लोगों की हत्या का जश्न मनाया। नेशनल बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में नाओमी ओसाका से मिली हार के बाद स्वितोलिना को इस घृणा का सामना करना पड़ा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इन मैसेज के स्क्रीनशॉट्स साझा किए हैं।

उनके लिए अपशब्द कहे गए और उनके पति गाएल मोंफिल्स को भी निशाना बनाया गया जो फ्रांस के अश्वेत टेनिस खिलाड़ी हैं। एक सटोरिये ने कहा कि काश रूस सभी यूक्रेनवासियों की हत्या कर दे। स्वितोलिना ने इसके जवाब में लिखा है सभी सट्टेबाजों को मैं इतना ही कहूंगी कि एक खिलाड़ी होने से पहले मैं एक मां की।

बिल में संशोधन — सरकारी सहायता लेने वाले महासंघ ही आरटीआई के दायरे में आयेंगे

बीसीसीआई को आरटीआई से काफी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के आरटीआई संबंधी प्रावधान में संशोधन किया है जिसके तहत केवल उन्हीं संस्थाओं को इसके दायरे में रखा गया है जो सरकारी अनुदान और सहायता पर निर्भर हैं और इससे बीसीसीआई को काफी राहत मिली होगी।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में यह बिल रखा जिसके प्रावधान 15 (2) में कहा गया है कि किसी मान्यता प्राप्त खेल संगठन को इस अधिनियम के तहत अपने कार्यों, कर्तव्यों और शक्तियों के प्रयोग के संबंध में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा। आरटीआई बीसीसीआई के लिए एक पेचीदा मुद्दा रहा है जिसने इसके अंतर्गत आने का लगातार

खेलमंत्री मनसुख मांडविया। एजेंसी

विरोध किया है क्योंकि बोर्ड अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के विपरीत सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं है। विधेयक में संशोधन से इन आशंकाओं पर विराम लग गया।

एक जानकार सूत्र ने बताया संशोधित प्रावधान सार्वजनिक प्राधिकरण को एक ऐसी संस्था के रूप में परिभाषित करता है जो सरकारी धन या सहायता पर निर्भर है। इस संशोधन के साथ सार्वजनिक प्राधिकरण की स्पष्ट परिभाषा हो गई है। सूत्र ने कहा अगर ऐसा नहीं किया जाता तो यह एक अस्पष्ट क्षेत्र होता जिसके कारण विधेयक अटक सकता था या उसे अदालत में चुनौती दी जा सकती थी। इसलिए सार्वजनिक धन से जुड़ी कोई भी चीज़ आरटीआई के दायरे में आएगी। उन्होंने आगे कहा अगर राष्ट्रीय महासंघ सरकारी सहायता नहीं भी ले रहा है तो भी अगर उसके टूर्नामेंटों के आयोजन या संचालन में किसी तरह की सरकारी सहायता मिली है तो उससे सवाल किया जा सकता है। सरकारी सहायता सिर्फ धन ही नहीं बल्कि बुनियादी ढांचे के संदर्भ में भी है। बीसीसीआई ने पहले कहा था कि विधेयक पर टिप्पणी करने से पहले वह इसका अध्ययन करेगा। आरटीआई अधिनियम के अनुसार सार्वजनिक प्राधिकरण वह संस्था या निकाय है जो संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए किसी कानून द्वारा बनाया गया हो। इसमें सरकार के स्वामित्व, नियंत्रण या वित्तपोषित निकाय शामिल हैं।

एनएसएफ के रूप में करना होगा रजिस्टर

विधेयक के कानून बनने पर बीसीसीआई को स्वयं को राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में रजिस्टर करना होगा क्योंकि क्रिकेट 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में टी20 प्रारूप में पदार्पण करने जा रहा है। जवाबदेही लाने में विधेयक में राष्ट्रीय खेल बोर्ड का भी प्रावधान है और सभी एनएसएफ को केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता लेने के लिए उससे मान्यता लेनी होगी। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाएंगे। ये नियुक्तियां शोध सह चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर होगी। इस समिति का अध्यक्ष कैबिनेट सचिव या खेल सचिव होगा।